फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 101 प्रभात जयपुर, गुरूवार 12 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



ISRAEL'S INCONCLUSIVE MANDATE

"You cannot disregard such a large portion of the electorate in the calculations for Israeli politics." Though, both Netanyahu and Eisenkot have rejected the idea of partnering with them

32 Marines vs. an Entire Regiment

A Mysterious Creature of Colour and Gender

मध्यावधि चुनाव नतीजे, भारत-अमेरिका संबंधों पर जनमत संग्रह नहीं है

विशेषज्ञों के अनुसार, नई दिल्ली के प्रति वॉशिंगटन की नीति में कोई बदलाव होने वाला नहीं है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में (मिडटर्म इलैक्शन) डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली भारी जीत ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को राजनीतिक झटका दिया है, जिससे पार्टी को हाउस ऑफ रिप्रेज़ैंटेटिव्स और सीनेट, दोनों का कंट्रोल मिल गया है। ट्रंप के लिए इसका मतलब है कि राष्ट्रपति पद के अंतिम दो वर्ष उनके लिए अधिक मुश्किल होने वाले हैं। भारत के लिए यह घटनाक्रम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संबंधों में अनिश्चितता का एक नया दौर शुरू करता है।

- विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका की राजनीति उन हालात को नया रूप दे देती है, जिनके तहत कूटनीति काम करती है।
- कूटनीति के जानकारों ने कहा कि भारत को व्यक्तिगत संबंधों पर निर्भरता से बचते हुए दोनों प्रमुख दलों, डैमोक्रेट्स एवं रिपब्लिकन्स में अपना समर्थन मजबूत करना चाहिए।
- ट्रंप को करीब से जानने वाले लोग कहते हैं कि अमेरिका में राजनैतिक रूप से कमज़ोर पड़ चुके ट्रंप विश्व के अन्य भागों में ताकत दिखाने की कोशिश कर सकते हैं।

यह जनादेश जीवन-यापन की बढ़ती लागत, टैरिफ (आयात शुल्क) और ईरान के साथ अमेरिका के तनाव को लेकर मतदाताओं की नाराज़गी को दर्शाता है। जनवरी 2027 से डैमोक्रेट्स कांग्रेस की समितियों की कमान संभालेंगे, विधायी एजैंडे को तय करेंगे और सरकार के कामकाज की निगरानी करने के अधिकारों का इस्तेमाल करेंगे। वे प्रशासन के फैसलों की जांच कर सकते हैं, सरकारी खर्चों की बारीकी से जांच कर सकते हैं, और राष्ट्रपति द्वारा नामित लोगों की नियुक्तियों को रोक या टाल सकते हैं। इन नतीजों से ट्रंप के घरेलू एजेंडे पर लगाम लग सकती है, बजट संबंधी बातचीत मुश्किल हो सकती है और राजनीतिक रूप से बंटे हुए वॉशिंगटन में उनके प्रशासन को कांग्रेस की लगातार कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ सकता है।

नई दिल्ली के लिए व्यापार तत्काल चिंता का विषय है। अमेरिका भारतीय वस्तुओं और सेवाओं का एक बड़ा बाजार है और ट्रंप की टैरिफ नीति ने भारतीय निर्यातकों को परेशान कर दिया है। कांग्रेस पर डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से टैरिफ से जुड़ी लागतों की अधिक जांच होगी और इस मुद्दे पर संतुलित चर्चा को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, टैरिफ को जल्द वापस लिए जाने की संभावना कम है। आयात शुल्क लगाने का अधिकांश अधिकार कार्यपालिका (राष्ट्रपति प्रशासन) के पास है और राष्ट्रपति के वीटो को पलटने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के पास पर्याप्त संख्या नहीं है। इसलिए, भारतीय कारोबारियों को आगे भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए।

इमिग्रेशन (आप्रवासन) भी एक संवेदनशील मुद्दा है। वर्क वीज़ा पर पाबंदियाँ और एच-1बी वीज़ा के नियमों को लेकर अनिश्चितता का असर भारतीय पेशेवरों, छात्रों और टैक्नॉलजी कंपनियों पर पड़ता है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस, नियमों के पालन और उचित कानूनी प्रक्रियाओं की कड़ी निगरानी की मांग कर सकती है, लेकिन वह प्रशासन को अपनी सख्त नीतियों को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। भारतीय कामगारों के हित, नौकरियों, वेतन और इमिग्रेशन को लेकर अमेरिका में चल रही व्यापक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर में सीआरपीएफ कैम्प पर आतंकी हमला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में अखरन स्थित सेन्ट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की चौकी पर हुए आतंकी हमले में दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

- हमले में सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए।

यह हमला दोपहर बाद कुलगाम जिले के मीर बाजार के पास अखरन में हुआ।

सीआरपीएफ ने एक बयान में कहा, "आज दोपहर जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में नाका ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें सीआरपीएफ के दो जवान घायल हो गए।"

बयान के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे हुई। हमलावरों ने सीआरपीएफ जवानों पर गोलीबारी की और इसके बाद मौके से फरार हो गए।

घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हमलावरों की तलाश के लिए इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

'राहुल और प्रियंका को शैक्षणिक सत्र के बीच में ही बोर्डिंग स्कूल से वापस बुला लिया गया था'

'खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों बच्चों को बोर्डिंग स्कूल से किडनैप करने का खतरा था'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को शैक्षणिक सत्र के बीच में ही उनके बोर्डिंग स्कूलों से दिल्ली वापस बुला लिया गया था। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद की खुफिया रिपोर्टों में चेतावनी दी गई थी कि राहुल व प्रियंका को अगवा करने की साजिश रची जा रही है। उनकी मां और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" में यह बात लिखी है।

- सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा "बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव" में बताया कि उनकी सास, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पूर्व इंटैलिजैंस प्रमुख और सुरक्षा सलाहकार आर.एन. काओ ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद प्राप्त खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताया था कि बच्चों को किडनैप किए जाने का खतरा है।
- सोनिया ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद इंदिरा गांधी ने राजीव व सोनिया को बुलाकर सारी बात बताई और बच्चों को वापस बुलाने को कहा। यह बात सुन कर वे बहुत डर गई थीं और अपने कमरे में आकर बहुत रोईं थीं।
- सोनिया ने बताया कि राजीव नहीं चाहते थे कि उनके बच्चों को बंधक बनाकर उनकी माँ प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जबरन कुछ कराया जाए। इसलिए बच्चों को तुरंत वापस भारत बुला लिया गया।

सोनिया गांधी ने लिखा है कि यह चेतावनी पूर्व खुफिया प्रमुख और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा सलाहकार आरएन काओ ने दी थी। उनका आकलन था कि बच्चों को उनके बोर्डिंग स्कूलों में अब सुरक्षित रख पाना संभव नहीं था।

एक शाम भोजन के बाद हमेशा की तरह अपनी सास के अध्ययन कक्ष में पहुंचने पर सोनिया गांधी और उनके पति, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को इंदिरा गांधी ने बैठने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने गंभीर स्वर में उनसे बात की।

संस्मरण के अनुसार, इंदिरा गांधी ने दंपति से कहा, "मैं आप दोनों से एक ऐसी बात करना चाहती हूं, जिससे मैं पिछले कुछ दिनों से चिन्तित हूँ। मुझे काओ ने बताया है कि ऐसी खबरें मिली हैं कि बच्चों (राहुल और प्रियंका गांधी) को अगवा किया जा सकता है। उनका कहना है कि अब उन्हें उनके स्कूलों में सुरक्षित रख पाना संभव नहीं है। हमें उन्हें घर वापस लाना होगा।"

इस बातचीत से परिवार में तुरंत भारी चिंता फैल गई। इंदिरा गांधी ने शांत बने रहने की कोशिश की, लेकिन सोनिया गांधी घबरा गईं। बाद में जब वे और उनके पति अपने कमरे में लौटे, तो सोनिया गांधी अपने आंसू नहीं रोक सकीं। सोनिया गांधी ने लिखा, "बच्चों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ ने पटाखे फोड़ने की खूब तारीफ की

यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अपने भ्रष्ट कृत्यों से सारे सिस्टम को प्रदूषित करते हैं, उन पर तो कोई सवाल नहीं उठाता, पर, जब साल में एक दिन लोग पटाखे फोड़कर खुश होते हैं तो लोग प्रदूषण का मुद्दा उठाने लगते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धनतेरस और दिवाली के दौरान पटाखे फोड़े जाने की सराहना की और कहा कि यह दृश्य देखकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने खुद अयोध्या में पटाखे फोड़े।

- योगी आदित्यनाथ ने लोगों से कहा, प्रदूषण की चिंता मत कीजिए, अगर वायु प्रदूषण बढ़ा भी है तो कम हो जाएगा।
- योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने खुद अयोध्या में पटाखे चलाए थे।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूरे देश में, खासकर दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने भ्रष्ट कामों से पूरी व्यवस्था को प्रदूषित करने वालों से कोई सवाल नहीं करता, लेकिन अगर लोग एक दिन पटाखे जलाकर खुशी मनाते हैं, तो तुरंत प्रदूषण का मुद्दा उठने लगता है।

उन्होंने कहा, "अपने भ्रष्ट कामों से पूरी व्यवस्था को प्रदूषित करने वालों से कोई सवाल नहीं करता। लेकिन अगर जनता पटाखे जलाती है और एक दिन आतिशबाजी करके उत्सव मनाती है, तो लोग प्रदूषण की बात करने लगते हैं।"

दिवाली के अवसर पर लोगों द्वारा पूरे उत्साह और धूमधाम से पटाखे और आतिशबाजी करने पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने किसी तरह की पाबंदियों को बढ़ावा नहीं दिया, बल्कि सभी को स्वतंत्र रूप से त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अयोध्या में अपनी दिवाली का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने खुद भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इंडिया ब्लॉक के मुख्य शिल्पी तो नीतीश कुमार ही थे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरण में जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जो चित्रण किया गया है, उस पर जद (यू) ने नाराज़गी जताई है।

- जद (यू) ने यह दावा करते हुए सोनिया गांधी की इस बात का खंडन किया कि नीतीश गठबंधन छोड़ने का मौका ढूंढ रहे थे।

जद (यू) ने कहा है कि नीतीश कुमार विपक्षी इंडिया गठबंधन के प्रमुख शिल्पकार और उसे आगे बढ़ाने वाली ताकत थे। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस दावे को खारिज किया कि नीतीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वायु प्रदूषण भी कोविड जितना बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है'

डब्ल्युएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि शरीर के हर अंग पर वायु प्रदूषण का प्रभाव पड़ता है, इसलिए इसे करोना संक्रमण की तरह ही गंभीरता से लेना चाहिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। समय से पहले मौत, मधुमेह और अस्थमा की आशंका, मस्तिष्क, फेफड़ों और हृदय से जुड़ी बीमारियों पर असर-शरीर के शायद ही किसी अंग या हिस्से पर वायु प्रदूषण का प्रभाव न पड़ता हो। इसलिए इसे भी करोना वायरस संक्रमण (कोविड) की तरह गंभीरता से लेने की जरूरत है। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइडेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि वायु प्रदूषण भी कोविड जितना ही बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है।

- डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि समय से पहले प्रसव और कम उम्र में डायबिटीज़, अस्थमा का जोखिम, मस्तिष्क, फेफड़े और हृदय सभी पर वायु प्रदूषण का प्रभाव पड़ता है।
- उन्होंने कहा, कोविड अचानक आया, खतरा बड़ा था, लोगों में डर था, लोगों की आँखों के सामने जानें जा रही थीं, लेकिन वायु प्रदूषण सर्दियों में ही ज्यादा दिखता है, सामान्यतः आम दिनों में हम उसे देख नहीं पाते, पर यह भी जानलेवा है।

डॉ. स्वामीनाथन कहती हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि वायरस से फैली महामारी कोविड अचानक सामने आई थी। लोगों में एक अनजाने खतरे को लेकर बहुत डर था। यह संकट अचानक आया और साफ दिखाई दे रहा था और लोगों की आंखों के सामने जानें जा रही थीं।"

इसके उलट, वायु प्रदूषण सर्दियों को छोड़कर साल के ज्यादातर समय दिखाई नहीं देता।

डॉ. स्वामीनाथन जोर देकर कहती हैं, "हम इसे देख नहीं पाते, हमें प्रदूषित हवा में सांस लेने की आदत हो जाती है और इसका असर धीरे-धीरे सामने आता है। लेकिन यह जानलेवा है।

उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रदूषण से होने वाले स्थायी नुकसान को नज़रअंदाज़ करके हम किस तरह एक पूरी पीढ़ी के स्वास्थ्य को दांव पर लगा रहे हैं।

गर्भ में पल रहे बच्चे से लेकर उनके शुरुआती वर्षों तक प्रदूषण के असर पर बात करते हुए डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि जीवन के शुरुआती वर्षों में, जब शरीर और मस्तिष्क का तेजी से विकास होता है, तब पोषण, सीखने-समझने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मॉर्निंग वॉक में जगदीप धनखड़ बेहोश हुए

नई दिल्ली, 11 नवंबर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे टहलते समय बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक अचेत रहे। पहले उन्हें घर ले जाकर

- एम्स के कार्डियो न्यूरो सेंटर में भर्ती।

डॉक्टरों से जांच कराई गई, लेकिन हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर वाहन से घर लेकर पहुंचे। आईएलबीएस की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच कर जरूरी चिकित्सा सहायता दी। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से एम्स ले जाया गया।

सूत्रों के मुताबिक, 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है। फिलहाल कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनसीपी का पुनः एकीकरण फिलहाल टला

सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि एकीकरण हुआ तो एकीकृत एनसीपी का नेतृत्व कौन करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों को एकजुट करने की कोशिशों में फिलहाल रुकावट आती दिख रही है। नेतृत्व, संगठन पर नियंत्रण और भविष्य में किस राजनीतिक गठबंधन के साथ जाना है, इन मुद्दों पर मतभेदों के कारण प्रस्तावित विलय की राह मुश्किल हो गई है।

- स्व. अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा और बेटा पार्थ पवार फिलहाल एकीकरण के पक्ष में नहीं हैं, जब कि बताया जाता है कि अजित पवार चाहते थे कि दोनों गुट एक हो जाएं, पर, उनके निधन से मामला अटक गया।
- अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के प्रवक्ता सुनील तटकरे ने कहा कि अगर अजित दादा ज़िंदा होते तो 12 फरवरी को ही पार्टी का एकीकरण हो गया होता।
- हाल ही में एनसीपी के विलय का मामला तब फिर से चर्चा में आ गया, जब पार्थ पवार दो बार शरद पवार से मिलने उनके घर गए। दोनों बार मीटिंग दो-दो घंटे तक चली।
- बाद में कई अन्य नेताओं ने भी शरद पवार के साथ मीटिंग की, पर, अब ऐसा लगता है कि विलय का मुद्दा टल गया है।

दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने फिर से शरद पवार से संपर्क किया, लेकिन सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार तत्काल विलय के पक्ष में नहीं बताए जा रहे हैं। इससे पार्टी के भविष्य और दोनों गुटों के एक होने की स्थिति में उसके नियंत्रण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

विलय को लेकर नए सिरे से अटकलें तब शुरू हुईं, जब दोनों गुटों के नेताओं ने मुंबई स्थित शरद पवार के आवास 'सिल्वर ओक' पर उनसे मुलाकात की। दिवंगत अजित पवार के बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार ने लगातार दो दिनों तक अपने दादा से मुलाकात की। बताया जाता है कि दोनों बैठकें करीब दो-दो घंटे चलीं।

एनसीपी (एसपी) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने भी शरद पवार से दो बार मुलाकात की। वहीं, शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं जयंत पाटिल, अमोल कोल्हे, अनिल देशमुख और जितेन्द्र आव्हाड ने भी उनके साथ अलग बैठक की, जो करीब तीन घंटे चली। रोहित पवार ने भी शरद पवार से मुलाकात की। रोहित के दादा शरद पवार के सगे भाई थे।

इन बैठकों से ये अटकलें तेज हो गई हैं कि अजित पवार के जीवनकाल में शुरू हुई दोनों गुटों के विलय की कोशिशों को फिर आगे बढ़ाया जा रहा है। हाल की मुलाकातों में शामिल कई नेता शरद पवार और अजित पवार के बीच पहले हुई बातचीत का भी हिस्सा थे। खास तौर पर जयंत पाटिल ने उन चर्चाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हालांकि, सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले गुट में प्रस्ताव को आगे बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट सहमति नजर नहीं आ रही है। अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि दोनों गुटों को एक होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी है कि विलय के बाद संगठन का नेतृत्व कौन करेगा, उसकी संरचना कैसी होगी और वह किस राजनीतिक गठबंधन का समर्थन करेगा।

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के बदलते बयानों ने भी विलय की चर्चा को नया मोड़ दिया है।

शुरुआत में तटकरे ने स्वीकार किया था कि दोनों गुटों के बीच बातचीत हुई थी और अजित पवार ने प्रस्तावित विलय की रूपरेखा तथा अपना दृष्टिकोण समझाया था। उन्होंने यह संकेत भी दिया था कि 12 फरवरी को विलय की तारीख तय की गई थी।

तटकरे ने कहा था, "अगर अजित दादा जीवित होते, तो दोनों गुटों का विलय 12 फरवरी को पूरा हो गया होता।"

एक अन्य बयान में तटकरे ने कहा कि अजित पवार ने खुद उन्हें बताया था कि विलय की प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ेगी। उनके अचानक निधन के बाद यह प्रक्रिया रुक गई। उन्होंने यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकदमे के लिए पसंद का हाईकोर्ट चुनना गलत है- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने फोरम शापिंग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि केवल इस आधार पर कि एक से अधिक अदालतों को क्षेत्रीय अधिकार प्राप्त है,

- अदालत ने कहा, कुछ मामलों में क्षेत्राधिकार कई हाईकोर्ट के पास होता है, किसी विशेष अदालत को अधिक उपयुक्त मानना भ्रामक है।

किसी खास अदालत को चुनना उचित नहीं ठहराया जा सकता। न ही इससे हाई कोर्ट के बीच वरिष्ठता की धारणा को बढ़ावा दिया जा सकता है।

ज्ञातव्य है कि अपनी पसंद या फायदे को देखते हुए किसी खास अदालत में मुकदमा दायर करने की प्रथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

अहिंसक सिल्क : करुणा से बुना रेशम

रेशम को सदियों से सुंदरता, समृद्धि, शालीनता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक माना जाता रहा है। विवाह समारोहों, धार्मिक आयोजनों और उत्सवों में रेशमी वस्त्रों का विशेष महत्त्व है। लेकिन इस चमकदार वस्त्र के पीछे एक ऐसी सच्चाई भी छिपी है, जिस पर सामान्यत: हमारा ध्यान नहीं जाता। पारंपरिक रेशम के उत्पादन में रेशम के कीड़ों को उनके कोकून के भीतर ही मार दिया जाता है, ताकि एक लंबा और अखंड धागा प्राप्त किया जा सके। जीवों के प्रति करुणा और अहिंसा में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए यह गंभीर विचार का विषय है। इसी समस्या का संवेदनशील समाधान है–अहिंसक सिल्क, अर्थात् अहिंसा रेशम या पीस सिल्क।यह केवल वस्त्र बनाने की एक वैकल्पिक तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और जीव मात्र के प्रति संवेदना का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में मेघालय के एरी सिल्क की सराहना करते हुए इसे अहिंसा सिल्क बताया था। उन्होंने इस रेशम की विशेषताओं, पर्यावरण के अनुकूल स्वरूप और स्थानीय लोगों की आजीविका में इसके योगदान की ओर ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री का संदेश था कि देशवासी स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत कर सकते हैं। एरी सिल्क की चर्चा ने यह अवसर दिया है कि हम भारतीय दर्शन में निहित अहिंसा के सिद्धांत को अपने दैनिक जीवन और उपभोग की आदतों से जोड़कर देखें।

पारंपरिक रेशम बनाने की प्रक्रिया में जब रेशम का कीड़ा अपने चारों ओर रेशमी धागे से कोकून बना लेता है, तब सामान्यत: कोकून को गर्म पानी में डालकर कीड़े को मार दिया जाता है। ऐसा करने से धागा एक लंबे, अखंड रेशे के रूप में प्राप्त होता है, जिसे रील पर लपेटकर रेशम का धागा बनाया जाता है। इसके विपरीत, अहिंसक सिल्क के उत्पादन में कीड़े को अपना प्राकृतिक जीवन-चक्र पूरा करने दिया जाता है। जब वह पतंगे के रूप में कोकून से बाहर निकल जाता है, तब खाली कोकून से रेशम प्राप्त किया जाता है। बाहर निकलने के कारण धागा टूट जाता है, इसलिए उसे सामान्य रेशम की तरह सीधे रील पर नहीं लपेटा जा सकता। छोटे रेशों को साफ करके, कातकर और आपस में जोड़कर धागा बनाया जाता है। इस प्रक्रिया में अधिक श्रम और समय लगता है, लेकिन इसके पीछे एक महत्त्वपूर्ण नैतिक विचार है–वस्त्र की सुंदरता के लिए किसी जीव का जीवन छीनना आवश्यक नहीं होना चाहिए।

भारतीय संस्कृति में अहिंसा का विचार अत्यंत प्राचीन है। जैन दर्शन में अहिंसा को सर्वोच्च धर्म माना गया है। भगवान महावीर का संदेश केवल मनुष्य के प्रति सद्व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति संवेदनशीलता और उसके अस्तित्व के सम्मान की प्रेरणा देता है। बौद्ध दर्शन भी करुणा और प्राणीमात्र के प्रति मैत्री पर बल देता है। अहिंसक सिल्क इन आदर्शों को व्यवहार में उतारने का एक उदाहरण है। यदि हम भोजन, वस्त्र और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के चयन में भी अनावश्यक हिंसा को कम करने का प्रयास करें, तो अहिंसा केवल उपदेश या धार्मिक अनुष्ठान का विषय न रहकर जीवन-पद्धति बन सकती है।

अहिंसक सिल्क के विभिन्न प्रकारों में एरी सिल्क का विशेष स्थान है। इसका उत्पादन असम और मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में लंबे समय से होता आया है। एरी रेशम की विशेषता यह है कि पतंगे को कोकून से बाहर निकलने दिया जाता है। इसकी बनावट अपेक्षाकृत मुलायम, गर्म और ऊनी एहसास वाली होती है। यह सर्दियों में गर्माहट देने के साथ आरामदायक वस्त्र बनाने के लिए उपयोगी है। इसकी पारंपरिक उत्पादन-प्रक्रिया में स्थानीय समुदायों का ज्ञान और कौशल शामिल है। मेघालय में खासी समुदाय सहित विभिन्न स्थानीय समूहों ने इस परंपरा को पीढ़ियों से आगे बढ़ाया है। एरी सिल्क को मिला भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग इसकी क्षेत्रीय पहचान और पारंपरिक विरासत के महत्त्व को रेखांकित करता है।

आज दुनिया में ऐसे उत्पादों के प्रति रुचि बढ़ रही है, जिनके निर्माण में पशु-क्रूरता कम हो और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाई जाए। इस बदलती सोच के बीच अहिंसक सिल्क भारत की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं से जोड़ सकता है। सरकार, सहकारी संस्थाओं, डिजाइनरों, बुनकरों और उपभोक्ताओं को मिलकर इसके उत्पादन तथा विपणन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

अहिंसक विधि से टसर और शहतूती रेशम भी तैयार किया जा सकता है। टसर रेशम अपनी प्राकृतिक सुनहरी-भूरी आभा और विशिष्ट बनावट के लिए जाना जाता है, जबकि शहतूती रेशम में अपेक्षाकृत अधिक चमक हो सकती है। हालांकि, केवल रेशम के प्रकार के आधार पर उसे अहिंसक नहीं कहा जा सकता। वास्तविक महत्त्व उस उत्पादन-विधि का है, जिसमें कीड़े को कोकून से प्राकृतिक रूप से बाहर निकलने दिया जाता है। इसलिए उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय उत्पाद की वास्तविक जानकारी, विश्वसनीय स्रोत और प्रमाणन पर ध्यान देना चाहिए। बाजार में किसी वस्त्र पर 'पीस सिल्क' या 'अहिंसा सिल्क' लिखा होना अपने आप में उसकी प्रामाणिकता का पर्याप्त प्रमाण नहीं है।

इस रेशम का महत्त्व केवल जीवों की रक्षा तक सीमित नहीं है। इसके उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था, हथकरघा उद्योग और स्थानीय कारीगरों को भी लाभ मिल सकता है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रेशम उत्पादन, कताई, बुनाई और वस्त्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। यदि इन उत्पादों के लिए उचित बाजार, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और उपभोक्ताओं का समर्थन उपलब्ध हो, तो महिलाओं की आय तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ सकती है। स्थानीय परंपराओं को संरक्षित रखते हुए रोजगार के अवसर पैदा करना इस उद्योग की एक बड़ी संभावना है।

छत्तीसगढ़ ने भी अहिंसा के संदेश को रोजगार और पारंपरिक रेशम उत्पादन से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की है। प्रदेश में अहिंसक विधि से तैयार रेशमी साड़ियों को 'सीजी एरी' ब्रांड के अंतर्गत बाजार में लाने की पहल की जा रही है। इसकी विशेषता यह है कि रेशम प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तसर कोकून से पतंगे को प्राकृतिक रूप से बाहर निकलने दिया जाएगा। इसके बाद खाली कोकून से रेशम का धागा तैयार कर साड़ियाँ बुनी जाएँगी। इस प्रक्रिया में जीव की हत्या किए बिना रेशम उत्पादन को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल दर्शाती है कि अहिंसा का सिद्धांत केवल धार्मिक और नैतिक उपदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे रोजगार सृजन, स्थानीय कारीगरों की आजीविका और पारंपरिक हस्तशिल्प के विकास से भी जोड़ा जा सकता है। यदि इस पहल को उचित बाजार, प्रशिक्षण और उपभोक्ताओं का समर्थन मिलता है, तो इससे बुनकरों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की पारंपरिक रेशम कला को नई पहचान मिल सकती है।

पर्यावरण की दृष्टि से भी अहिंसक सिल्क संभावनाएं प्रस्तुत करता है। इसमें कोकून को उबालने की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होती, जिससे उत्पादन के कुछ चरणों में ऊर्जा की बचत हो सकती है। हालांकि, किसी भी वस्त्र का वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव उसके उत्पादन, रंगाई, प्रसंस्करण, परिवहन और टिकाऊपन पर भी निर्भर करता है। इसलिए अहिंसक सिल्क को पर्यावरण के लिए स्वत: पूर्णत: हानिरहित मानने के बजाय उसके पूरे उत्पादन-चक्र का मूल्यांकन करना उचित होगा। इसकी एक प्रमुख चुनौती लागत है। टूटे हुए रेशों से धागा तैयार करने में अतिरिक्त श्रम लगता है, जिससे वस्त्र महंगे हो सकते हैं। व्यापक स्वीकार्यता के लिए गुणवत्ता, उचित मूल्य, पारदर्शी प्रमाणन और बाजार तक बेहतर पहुंच आवश्यक है।

आज दुनिया में ऐसे उत्पादों के प्रति रुचि बढ़ रही है, जिनके निर्माण में पशु-क्रूरता कम हो और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाई जाए। इस बदलती सोच के बीच अहिंसक सिल्क भारत की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक बाजार की आवश्यकताओं से जोड़ सकता है। सरकार, सहकारी संस्थाओं, डिजाइनरों, बुनकरों और उपभोक्ताओं को मिलकर इसके उत्पादन तथा विपणन को प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही, उपभोक्ताओं को केवल आकर्षक नाम या विज्ञापन के आधार पर नहीं, बल्कि विश्वसनीय जानकारी के आधार पर उत्पाद चुनना चाहिए।

अंतत: अहिंसक सिल्क हमें एक गहरा संदेश देता है कि सुंदरता और करुणा एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। परंपरा को बनाए रखते हुए उसमें मानवीय संवेदना का समावेश किया जा सकता है। यदि हम ऐसे वस्त्र को प्राथमिकता दें, जिसकी तैयारी में रेशम के कीड़े को अपना जीवन पूरा करने का अवसर मिलता है, तो हमारा चुनाव एक व्यापक नैतिक दृष्टिकोण का हिस्सा बन सकता है। जैन दर्शन का 'जियो और जीने दो' केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि जीवन के प्रति जिम्मेदार दृष्टि है। अहिंसक सिल्क इसी दृष्टि को व्यवहार में उतारने का एक सार्थक प्रयास है–ऐसा रेशम, जिसकी सुंदरता केवल उसकी चमक में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी करुणा में भी दिखाई देती है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में राजस्थान प्रथम, पीएम जनमन में उत्कृष्ट उपलब्धि

सीएम भजनलाल शर्मा जनजाति वर्ग के समग्र उत्थान के लिए कर रहे हर सम्भव प्रयास



नंदिनी भार्गव

आजादी से कुछ साल पहले तक देशभर के जनजाति बहुल क्षेत्र विकास की मुख्यधारा तो क्या, सहायक धारा में भी शामिल नहीं थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस सच्चाई को गहराई से समझा कि भारत की आत्मा उसकी जनजातियों में बसती है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) अभियान इसी वर्ग की सेवा और सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन दोनों अभियान को अपनी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया, राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के फंड से इनमें कन्वर्जेंस किया व गुड गवर्नेंस के प्रत्येक मानक की अक्षरश: पालना सुनिश्चित कर राज्य के जनजाति वर्ग व जनजाति बहुल क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2024 को हजारीबाग से DAJGUA का शुभारम्भ किया। मिशन के तहत 5 साल में 79,156 करोड़ रुपये के बजट के साथ 30 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों के 2,740 ब्लॉकों में 63,843 से अधिक आदिवासी बाहुल्य वाले गांवों को विकास से संतृप्त करना है। इससे 5 करोड़ से अधिक जनजातीय व्यक्ति लाभान्वित हो रहे हैं। राजस्थान के 37 जिलों के 209 ब्लॉक के 6235 ग्रामों को विकसित किया जाना लक्षित किया गया है। धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है।

इस योजना में 25 कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका क्रियान्वयन 17 मंत्रालयों द्वारा किया जा रहा है। समस्त पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत पक्के मकान , प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अन्तर्गत चिन्हित ग्रामों को संपर्क सड़क से जोड़ना, जल जीवन मिशन में चिन्हित ग्रामों में प्रत्येक परिवार को जल आपूर्ति, 20 परिवारों से अधिक आबादी वाली बस्तियों को सामुदायिक जल नल से जोड़ना, चिन्हित ग्रामों में प्रत्येक अविद्युतिकृत परिवार एवं सार्वजनिक संस्थान को गृह विद्युतिकरण से जोड़ना, प्रत्येक अविद्युतिकृत परिवार एवं सार्वजनिक संस्थान, जो ग्रिड के माध्यम से कवर नहीं हैं, को ऑफ ग्रिड सोलर से जोड़ना, चिन्हित गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये पहाड़ी क्षेत्रों में 5 किमी. तथा मैदानी क्षेत्रों में 10 किमी से अधिक दूरी पर स्वास्थ्य सुविधाएं वाले ग्रामों में मोबाइल मेडीकल युनिट लगाये जाने तथा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराये जाने के प्रावधान किये गये हैं। चिन्हित गांवों में पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अन्तर्गत एलपीजी गैस पोषण अभियान अन्तर्गत 567 सक्षम आंगनवाड़ी सेन्टर्स के उन्नयन व निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत ऐसे ग्राम, जिनमें 5 किमी. की परिधि के भीतर माध्यमिक स्तर के विद्यालय नहीं हैं, उन ग्रामों हेतु छात्रावासों के निर्माण का लक्ष्य है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत पोषण वाटिकाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। चिन्हित ग्राम, जो अन्यथा किसी मोबाइल नेटवर्क से नहीं जुड़े हैं, को बीएसएनएल से जोड़ा जा रहा है। स्किल इण्डिया मिशन के तहत कौशल विकास केन्द्र स्थापना, वन धन विकास केन्द्र स्थापना एवं जनजातीय समूह आदि को प्रशिक्षित करना, डिजीटल इण्डिया मिशन के लक्ष्य अनुरूप समस्त लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाना है। टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने हेतु राज्य के वनाधिकार पट्टा धारकों में से पात्र किसानों को विभाग की विविध योजनाओं में लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित है। मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत मछली पालन सहायता हेतु तथा राष्ट्रीय पशुधन मिशन अन्तर्गत पशुधन पालन हेतु राज्य के वनाधिकार पट्टा धारकों में से पात्र पशुपालक / मछुआरों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वनाधिकार से संबद्ध समस्त ग्राम सभाओं, उपखण्ड, जिला व राज्य स्तर के अधिकारियों की कपैसिटी बिल्डिंग हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वदेश दर्शन के तहत ट्राइबल होम स्टे का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस हेतु नये निर्माण पर प्रति इकाई 5 लाख व नवीनीकरण हेतु 3 लाख का प्रावधान किया गया है।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा आश्रम छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों का उन्नयन एवं सुधार, जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केन्द्रों की स्थापना, सिकल सेल रोग निदान के लिए परामर्श एवं जागरूकता हेतु सेंटर ऑफ कॉम्पीटेंस की स्थापना, वनाधिकार दावों की प्रक्रिया के सपोर्ट एवं डिजीटलीकरण हेतु एफ. आर. ए. सेल की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

अभियान के तहत आश्रम छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों के निर्माण, उन्नयन एवं सुधार हेतु राशि रु.340.59 करोड़ के अनुमोदित कार्यों के लिए 350.12 करोड़ रू. की स्वीकृति जारी की जा चुकी है, जिनमें से अधिकांश कार्य निर्माणाधीन हैं।

वनाधिकार हेतु 18 जिलों एवं राज्य स्तर पर कुल 19 वनाधिकार प्रकोष्ठ गठन हेतु 3.45 करोड़ रू. का अनुमोदन किया गया है। जिला उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, बारां व सिरोही में जनजाति बहुउद्देशीय विपणन केन्द्र हेतु 6.00 करोड़ रू. की स्वीकृति जारी की गई है। सिकल सेल रोग निदान के लिए परामर्श एवं जागरूकता हेतु आरएनटी मेडीकल कॉलेज, उदयपुर में णहीू र्द ण्दस्ज्ाूहम की स्थापना हेतु 3.10 करोड़ रू.का अनुमोदन किया गया है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ही केन्द्र सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत प्रथम चरण में 26 जिलों को चयनित किया गया, जिसमें 8 राज्य मास्टर ट्रैनर्स, 162 जिला मास्टर ट्रैनर्स, 1,082 ब्लॉक मास्टर ट्रैनर्स तथा 1,16,670 ग्राम स्तरीय आदि कर्मयोगियों, आदि सहयोगियों व आदि साथियों को प्रशिक्षित किया गया।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत दिनांक 15 जून, 2025 से 15 जुलाई, 2025 तक धरती आबा जन भागीदारी अभियान चलाया गया गया। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरश: पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है।

राजस्थान की विशेष उपलब्धि–

राजस्थान में जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए टीएसपी फंड को 1000 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये किया है। सामुदायिक वनाधिकार क्षेत्रों के विकास पर केंद्रित गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना प्रारंभ की है। 250 नवीन मां-बाड़ी केंद्रों की स्थापना। अशोक लीलैंड प्रशिक्षण केंद्र, रेलमगरा में 25 युवाओं को भारी वाहन चालक का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया। डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर में जनजाति नायकों के स्मारक और वीर बालिका काली बाई संग्रहालय का निर्माण, बारां जिले में 17 मल्टीपरपज केंद्र महत्वपूर्ण कदम है। सीताबाड़ी, कमलनाथ महादेव और जावर माता मंदिर जैसे आस्था स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं। 'जयकार प्रोग्राम' में उदयपुर के ईएमआरएस विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त किया। माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध संस्थान में 'बनफूल डिज़ाइन स्टूडियो' की स्थापना, पारंपरिक कला संरक्षण और विपणन। 'प्रोजेक्ट चितेरा' में छात्रावास और विद्यालयों में मांडना व पारंपरिक चित्रकला को पुनर्जीवित। एम्स, जोधपुर के सहयोग से आबूरोड (सिरोही) में सैटेलाइट सेंटर फॉर ट्राइबल हेल्थ एंड रिसर्च, 29 अक्टूबर, 2024 को प्रधानमंत्री द्वारा ड्रोन दवा आपूर्ति सुविधा का शुभारंभ। 'माई मिशन' कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राजस्थान सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग



अनीशा सहारन

इस अभियान में उत्तम प्रगति के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्थान को सम्मानित किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजीलाल मीणा ने यह सम्मान ग्रहण किया। इसी अभियान के तहत गत 18 मई से 25 मई तक ''जन भागीदारी – सबसे दूर, सबसे पहले'' का सफल आयोजन किया गया।

पीएम-जनमन से बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 गांवों में सहरिया समुदाय तक मूलभूत सुविधाएं पहुंच रही है। 22 सड़कों का कार्य पूरा: अभियान के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से 14 हजार 671 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। पीवीटीजी समुदाय के बच्चों और युवाओं के लिए 15 बहुउद्देश्यीय केन्द्र, 51 आंगनबाड़ी केन्द्र और 51 वन-धन केन्द्र संचालित किए हैं। दो छात्रावासों का निर्माण पूरा हो चुका है जबकि 19 अन्य छात्रावासों का कार्य जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की आठ मोबाइल चिकित्सा इकाइयां जनजातीय क्षेत्रों में संचालित हैं। इनके माध्यम से अब तक 2 लाख 45 हजार से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला है।

–नंदिनी भार्गव-अनीशा सहारन

तनाव का सबसे बड़ा कारण--तुलना



गोविन्द शर्मा

आज के समय में सबसे बड़ी बीमारी कौन सी है? बुखार, जुकाम नहीं, बल्कि तनाव है। और तनाव का सबसे बड़ा कारण क्या है ? तुलना।

हम बचपन से ही तुलना करना सीख जाते हैं। ''देख शर्मा जी का बेटा कितने अच्छे नंबर लाया'', ''देख तेरी बहन कितनी सुंदर लगती है'' – यहीं से तुलना का बीज हमारे मन में बो दिया जाता है। यही बीज बड़ा होकर तनाव का पेड़ बन जाता। ईश्वर ने हर व्यक्ति को अलग बनाया है। किसी के पास सुंदर चेहरा है, किसी के पास सुंदर मन। कोई पढ़ाई में तेज है, कोई खेल में। पर हम सबको एक ही लाठी से हांकना चाहते हैं।

जब हम खुद की तुलना दूसरों से करते हैं, तो दो ही बातें होती हैं

खुद को छोटा समझना – जब हम देखते हैं कि दूसरा हमसे आगे है, ज्यादा कमाता है, ज्यादा सुंदर है, तो हमारे मन में हीन भावना आती है। लगता है ''मैं कुछ नहीं हूँ''। यही हीनत धीरे-धीरे तनाव, ईर्ष्या और दुख में बदल जाती है। और दूसरी बात दूसरे से खुद को बड़ा समझना – और जब हम खुद को दूसरों से बेहतर समझते हैं, तो अहंकार आता है। अहंकार भी एक तरह का तनाव ही है, क्योंकि हमेशा डर लगा रहता है कि कहीं कोई मुझसे आगे न निकल जाए। इसलिए तुलना चाहे ऊपर से करो या नीचे से, तनाव दोनों तरफ है। पहले तुलना पड़ोस तक थी, अब सोशल मीडिया ने इसे पूरी दुनिया तक फैला दिया है। इंस्टाग्राम पर किसी की विदेश यात्रा देखकर लगता है ''मेरी जिंदगी बेकार है।'' फेसबुक पर किसी की नई कार देखकर नींद उड़ जाती है। हमें लगता है सब सुखी हैं, सिर्फ हम ही दुखी हैं। जबकि सच यह है कि लोग सिर्फ अपना अच्छा पक्ष दिखाते हैं।

ऑफिस में – ''उसका प्रमोशन कैसे हो गया?''

परिवार में – ''उसके बच्चे अमेरिका में हैं, मेरे क्यों नहीं?''

शरीर को लेकर – ''वो कितनी पतली है, मैं कितनी मोटी हूँ।''

हम हर समय एक अनदेखी दौड़ में भाग रहे हैं, जिसका कोई अंत ही नहीं।

तुलना से बचना बहुत जरूरी है, नहीं तो जीवन नरक बन जाएगा। इसके लिए तीन उपाय हैं। पहला – अपनी यात्रा को पहचानो – याद रखो, हर फूल अलग समय पर खिलता है। गुलाब जल्दी खिलता है, गेंदा देर से। पर दोनों की अपनी सुंदरता है।

आपकी जिंदगी आपकी है, उसकी तुलना किसी और से मत करो। दूसरा – आभार रखो – जो है, उसी में खुश रहना सीखो। रोज सुबह 5 चीजें गिनो जो आपके पास हैं – सेहत, परिवार, छत, भोजन, दोस्त। जब आभार आएगा, तुलना अपने आप चली जाएगी। तीसरा – प्रेरणा लो, तुलना नहीं – अगर कोई आपसे आगे है, तो उससे जलो मत, सीखो। सोचो ''अगर वो कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूँ।'' तुलना को ईर्ष्या नहीं, प्रेरणा बनाना चाहिए। यहां एक कहानी याद आई – एक कौआ बहुत दुखी था कि वह काला है। वह हंस के पास गया। हंस बोला मैं तोते से दुखी हूँ। तोता मोर से दुखी था। और मोर चिड़ियाघर में बंद होने से दुखी था और कौए जैसा आजाद होना चाहता था। मतलब हर कोई तुलना करके दुखी था।

यू कहना लाज़मी होगा कि ''तुलना चोर है, जो आपकी खुशी चुरा लेती है।'' खुद से प्रतिस्पर्धा करो। कल से बेहतर बनो। दूसरों की लकीर छोटी करने के बजाय, अपनी लकीर बड़ी करिये। तभी तनाव खत्म होगा और जीवन में सच में ''कुछ पल सकून से'' मिल पाएंगे।

–गोविन्द शर्मा,
से.नि सहायक निदेशक डी
आई पी आर (राज)

परिवारवाद एवं जातिवाद प्रजातंत्र के लिए घातक



कैलाश सोडानी

वैश्विक परिदृश्य में अलग-अलग देशों में भिन्न-भिन्न तरह की राजसत्ता के माध्यम से शासन व्यवस्था संचालित हो रही है। हर एक में अलग-अलग गुण-दोष है। समय और परिस्थितियों के अनुसार एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुसार राजसत्ता का स्वरूप बनता, बिगड़ता एवं परिवर्तित होता रहता है। भारत ने 1947 की आजादी के साथ ही सैकड़ों वर्षों से संचालित परिवारवाद को छोड़ते हुए प्रजातांत्रिक व्यवस्था से शासन व्यवस्था का निणय्र लिया। जिससे देश के समस्त नागरिक समान अधिकार एवं कर्तव्यों के साथ एक ही छाते के नीचे आ गये।

आजादी से पहले सैकड़ों वर्षों से समाज की व्यवस्था परिवारवाद एवं जातिगत संरचना से संचालित हो रही थी। न केवल सामाजिक अपितु आर्थिक एवं अन्य गतिविधियों का संचालन भी परिवार एवं जाति के आधार पर होता था। व्यक्ति का रोजगार और कार्य परिवार एवं जाति से निर्धारित होता था। तत्कालीन परिस्थितियों में शायद यही सामाजिक संरचना ठीक रही होगी। इस विषय पर हम आज चर्चा नहीं कर रहे हैं। सत्ता का स्वरूप कैसा भी हो, परन्तु राज सिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति को बुद्धिमान, अनुभवी एवं कुशल प्रबन्धक तो होना ही चाहिये। ज्ञान एवं अनुभव की पाठशाला में वर्षों तक तपस्या करनी होगी, तभी जाकर राज करने की कला से वाकिफ होंगे। त्रेता युग में श्री राम ने गुरु विश्वामित्र एवं द्वापर में अर्जुन ने गुरु द्रोणाचार्य के गुरुकुल में रहकर ही राजकाज के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त किया। कहने का मतलब यह है कि किसी श्रीमान का पुत्र होने मात्र से राजसिंहासन पर बैठने की योग्यता नहीं आ जाती। सौभाग्य से आजादी के लिए संघर्ष करने वाले एवं प्रजातंत्र की जाजम बिछाने वाले महात्मा गांधी, डॉ अम्बेडकर, जवाहर लाल, सरदार पटेल, वीर सावरकर, डॉ श्यामा प्रसाद सभी बहुत पढ़े-लिखे एवं बुद्धिमान थे। स्वतंत्रता के लिए किये गये संघर्ष एवं जेल की यातनाओं से उनके व्यक्तित्व में ओज एवं निखार आ गया एवं उनकी नेतृत्व क्षमता अतुलनीय हो गई। आजादी के समय राष्ट्रीय नेतृत्व की जो ओजस्वी तस्वीर थी, वह धीरे-धीरे धुंधली होती गयी। क्योंकि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिज्ञों के लिए किसी भी प्रकार की शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव की अनिवार्यता नहीं रखी। परिणामस्वरूप अनेक लोगों ने परिवारवाद एवं जातिवाद के मार्ग से राजनैतिक नेतृत्व पर कब्जा कर लिया। योग्यता एवं अनुभव के अभाव में उभरते नेतृत्व से राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। देश ने परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति के लिए ही प्रजातंत्र को अपनाया। धरातल पर 80 वर्ष की प्रजातान्त्रिक यात्रा के बाद भी देश अभी इन बीमारियों से मुक्त नहीं हो पाया है। एक ही परिवार ने पीढ़ी दर पीढ़ी वर्षों तक आजाद भारत पर राज किया। 140 वर्ष पुरानी कांग्रेस पार्टी आज भी एक ही परिवार की बपौती है। डॉ मनमोहन सिंह जैसे विद्वान अर्थशास्त्री को 10 वर्ष की लंबी अवधि में भी प्रधानमंत्री पद का अहसास नहीं होने दिया।

प्रो : कैलाश सोडाणी
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला वि.वि., कोटा

राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 12 नवम्बर, 2026

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत–2083, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 2:19 तक, सुकर्मा योग रात्रि 4:26 तक, गर करण सायं 6:10 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:19 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग दिन 2:19 से आरम्भ होगा। आज मंगल सिंह राशि में रात्रि 8:20 पर प्रवेश करेगा। आज से जमादि उलसानि मु.मास 6 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 8:09 तक, चर 10:50 से 12:11 तक, लाभ-अमृत 12:11 से 2:52 तक, शुभ 4:13 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:48, सूर्यास्त 5:34



मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।



वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।



मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।



कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।



सिंह
शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकार

जयपुर को राजस्थान के सबसे साफ शहर का अवार्ड मिला

''स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में गुलाबी नगरी को ''स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी अवॉर्ड'' से नवाजा गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर को राजस्थान के सबसे साफ शहर का अवार्ड मिला। जयपुर को मिले ''स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी'' अवॉर्ड यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर मेयर सुनील कोठारी, नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने दिया। यह इनाम कचरा संग्रहण, वाटर मैनेजमेंट समेत कई कामों के लिए मिला है।

बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के परिणाम घोषित किए गए। राजस्थान के किसी शहर की रैंकिंग किसी भी कैटेगरी में टॉप 3 में नहीं आई है। वहीं 10 लाख से ज्यादा आबादी में देश के स्वच्छ तीन शहरों में जयपुर शामिल नहीं है। पिछली बार इसमें जयपुर टॉप 20 में रहा था।

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में पुरस्कार समारोह की जानकारी दी गई थी। इसमें चयनित शहरों के प्रतिनिधियों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बुलाया गया था। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विजेता शहरों को सम्मानित किया।

दरअसल पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जयपुर ग्रेटर ने 16वीं और जयपुर हेरिटेज ने 20वीं रैंक हासिल की थी। दोनों निगमों को थ्री-स्टार रेटिंग भी मिली थी। इस बार दोनों निगमों के एकीकृत होने के बाद जयपुर ने एक शहर के रूप में सर्वेक्षण में हिस्सा लिया है।

जयपुरवासियों की मेहनत का परिणाम : महापौर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर जयपुर को मिले ''स्टेट फर्स्ट-स्वच्छ सिटी अवॉर्ड'' पर महापौर सुनील कोठारी ने शहरवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों मिला यह सम्मान सफाई मित्रों, नगर निगम अधिकारियों-कर्मचारियों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व को समर्पित किया। कोठारी ने कहा कि जयपुर के प्रत्येक वार्ड, गली और मोहल्ले में बेहतर सफाई, आधुनिक कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा ''म्हारो प्यारो जयपुर, आपां सब मिल इनै बनावां न्यारो जयपुर।''



नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर के महापौर सुनील कोठारी व आईएएस रवि जैन व ओम प्रकाश कसेरा ने अवार्ड ग्रहण किया।



6000 टन कचरा उठाकर बनाया था रिकॉर्ड

दरअसल, जयपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुंचाने के लिए 18 अप्रैल 2026 को नगर निगम ने अब तक का सबसे बड़ा सफाई अभियान सफाई सेवा मैराथन-2026 चलाया था। इसके तहत एक ही दिन में 6000 टन कचरा उठाकर नया रिकॉर्ड बनाया गया था। शहर के 150 वार्डों में सुबह 7 बजे से चले अभियान में 9 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी मैदान में उतरे थे।

करीब 1500 वाहनों के जरिए 7000 ट्रिप्स में कचरे का निस्तारण किया गया था। नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा भी सुबह 7 बजे से देर शाम तक लगातार फील्ड में सक्रिय रहे थे। उन्होंने करीब 200 किलोमीटर का रूट कवर किया था, जिसमें 15 किलोमीटर पैदल निरीक्षण भी शामिल रहा था।

गत 18 अप्रैल को सफाई सेवा मैराथन-2026 में जयपुर के किशनपोल बाजार में पहुंचे कमिश्नर ओम कसेरा खुद को रोक नहीं पाए। कर्मचारी के साथ साफ-सफाई में उन्होंने हाथ बंटाया।

मेयर और कमिश्नर ने संभाला था मोर्चा

जयपुर में 1 नवंबर 2026 को ऑपरेशन क्लीन स्वीप 2.0 के तहत रात 12 बजे से पूरी रात परकोटे के प्रमुख बाजार और गलियों में सफाई की गई थी। अभियान में नगर निगम मेयर सुनील कोठारी और कमिश्नर ओम कसेरा ने भी मोर्चा संभाला था। करीब ढाई हजार सफाई कर्मचारियों और 1000 संसाधनों की मदद से परकोटे के बाजार, सड़कों और गलियों से कचरा हटाया गया था। मेयर सुनील कोठारी ने खुद झाड़ू लेकर सफाई की थी। गत 5 नवंबर को सुबह 7 बजे शहर के सभी 150 वार्डों में एक साथ विशेष सफाई अभियान हुआ था। इसमें नगर निगम के करीब 9 हजार अधिकारी और कर्मचारी मैदान में उतरे थे। नगर निगम के अनुसार इस विशेष अभियान में 7 टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया था।

रबी सीजन में पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन के निर्देश, कोयला भंडार बढ़ाने पर जोर

आरवीयूएन के सीएमडी देवेंद्र श्रृंगी ने कोटा और छबड़ा थर्मल विद्युत गृहों का निरीक्षण किया

जयपुर । राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने सोमवार और मंगलवार को कोटा थर्मल तथा छबडा स्थित दोनों ताप विद्युत गृहों का निरीक्षण कर उत्पादन एवं परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने आगामी रबी सीजन में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी उत्पादन इकाइयों को पूर्ण क्षमता से संचालित करने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



- उन्होंने बीईएसएस परियोजना का काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए

उन्होंने 1240 मेगावाट क्षमता वाले कोटा थर्मल और 2320 मेगावाट क्षमता वाले छबडा थर्मल की सभी इकाइयों का दौरा कर उनके रखरखाव और संचालन की जानकारी ली। श्रृंगी ने कहा कि प्रदेश की बढ़ती विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी इकाइयों की उपलब्धता और विश्वसनीयता बनाए रखना जरूरी है।

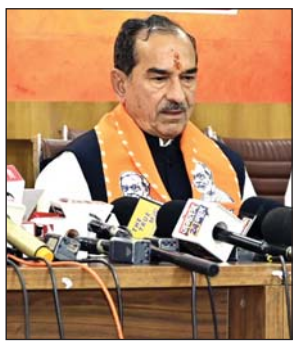
सीएमडी ने दोनों विद्युत गृहों में कोयला भंडार का जायजा लेते हुए आपूर्ति और दैनिक खपत की समीक्षा की। उन्होंने भविष्य की मांग के अनुरूप पर्याप्त कोयला स्टॉक रखने और उसमें वृद्धि करने के निर्देश दिए, ताकि उत्पादन प्रभावित नहीं हो।

उन्होंने कोटा थर्मल परिसर स्थित एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) के शेष कार्य शीघ्र पूरा करने तथा भारतीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र की सुविधाओं को उन्नत बनाने पर जोर दिया। सकतपुरा स्थित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजना का निरीक्षण कर निर्माण एवं स्थापना कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

श्रृंगी ने छबड़ा थर्मल के डीएम-आरओ संयंत्र का निरीक्षण कर इसके प्रभावी और सुचारु संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रबी सीजन में उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। निरीक्षण के दौरान दोनों विद्युत गृहों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खरगे द्वारा दीपावली की तुलना ईद से करने पर कटाक्ष किया मदन राठौड़ ने

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि, ''खरगे के बयानों में बढ़ती उम्र का असर दिख रहा है। वे कभी प्रधानमंत्री के पिता के लिए कुछ बोल जाते हैं तो कभी दीवाली की तुलना ईद से करने लगते हैं।''



प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़

- मदन राठौड़ ने ''सोनिया गांधी की पुस्तक में आपातकाल के संदर्भ में संजय गांधी का उल्लेख किए जाने पर कहा कि, आपातकाल इंदिरा गांधी परिवार का सामूहिक निर्णय था, इसके लिए केवल एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री को बचाया नहीं जा सकता।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हिंदू त्योहारों को लेकर दिए गए बयानों और सोनिया गांधी की पुस्तक में संजय गांधी से जुड़े उल्लेख पर प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयानों में बढ़ती उम्र का असर नजर आ रहा है। कभी वे देश के प्रधानमंत्री के पिता को लेकर टिप्पणी करते हैं तो कभी दीपावली की तुलना ईद से करने लगते है।

राठौड़ ने कहा कि प्रत्येक त्योहार का समाज में अपना अलग महत्व और प्रसंग होता है। त्योहारों की तुलना करने के बजाय संबंधित पर्व के महत्व और उसकी परंपराओं पर बात करनी चाहिए। किसी एक समाज विशेष को खुश करने के लिए त्योहारों की तुलना करना उचित नहीं है।

उन्होंने खरगे के परिवार से जुड़े इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें याद रखना चाहिए कि उनके परिवार ने किन परिस्थितियों और यातनाओं का सामना किया था। उनकी माता, भाई और बहन को किसने जलाकर मार दिया था। इसके बावजूद इस तरह की बयानबाजी करना उचित नहीं है।

सोनिया गांधी की पुस्तक में आपातकाल के संदर्भ में संजय गांधी का उल्लेख किए जाने पर राठौड़ ने कहा कि संजय गांधी जब तक जीवित थे, तब तक इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी उनकी व्यवस्था के अनुसार चलते थे। ऐसे में उनके मरणोपरांत उनकी आलोचना करना और उन्हें कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आपातकाल इंदिरा गांधी परिवार का सामूहिक निर्णय था। इसके लिए केवल एक व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराकर तत्कालीन प्रधानमंत्री को बचाया नहीं जा सकता।

राठौड़ ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। उस दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई, प्रेस की आजादी छीन ली गई और युवाओं की जबरन नसबंदी करवाई गई। यहां तक कि भारत माता की जय बोलने वालों को भी जेल में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस को इन घटनाओं की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि यह कहा जा रहा है कि संजय गांधी परोक्ष रूप से सरकार चला रहे थे तो यह और भी शर्मनाक है। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। यदि सरकार किसी और के प्रभाव में चल रही थी तो इससे इंदिरा गांधी के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े होते हैं। राठौड़ ने कहा कि जिनके नाम और प्रतिष्ठा के सहारे परिवार की राजनीतिक पहचान बनी, मरणोपरांत उनकी आलोचना करना उचित नहीं है।

भाई दूज पर सेंट्रल जेल में उमड़ी बहनों की भीड़

जयपुर। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व भाई दूज बुधवार को जयपुर सेंट्रल जेल में भी पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों से बडी संख्या में बहनें जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे भविष्य और जल्द जेल से बाहर आने की कामना की। बहनों ने भाइयों को उनकी पसंद की मिठाई खिलाकर पर्व की रस्म निभाई। लंबे समय बाद अपनों से मिलकर कई बहनें और भाई भावुक हो गए।जयपुर सेंट्रल जेल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट विल्सन शर्मा ने बताया कि जेल में सामान्य मुलाकात के अलावा रक्षाबंधन और भाई दूज जैसे त्योहार भी पारंपरिक रूप से मनाए जाते हैं। भाई दूज पर बहनों को विशेष व्यवस्था के तहत जेल के अंदर गेट के पास भाइयों से मुलाकात करवाई गई। इस दौरान बहनों ने सलाखों के बाहर से भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और भाई दूज की रस्म पूरी की।

- बहनों ने अपने भाइयों की सलामती की दुआ मांगी



सुबह 8 से शाम 4:30 बजे तक मुलाकात

जेल प्रशासन की ओर से महिलाओं को अनुशासित तरीके से प्रवेश दिया गया। मुलाकात के दौरान बहनों को अधिकतम एक किलो मिठाई लाने की अनुमति दी गई। सुरक्षा के मद्देनजर जेल परिसर में विशेष इंतजाम किए गए थे। आरएसी और सुरक्षा कर्मियों का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया। जेल में प्रवेश से पहले महिलाओं की आवश्यक जांच की गई। दूर-दराज से आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए जेल परिसर के बाहर टेंट, कुर्सियों और पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई। मुलाकात का समय सुबह 8 बजे से शाम 4:30 बजे तक निर्धारित किया गया था।

मिलन के दौरान छलके आंसू

भाई दूज के अवसर पर जयपुर सेंट्रल जेल के बाहर सुबह से ही बहनों की कतारें लगी रहीं। कई बहनें दूर-दराज के इलाकों से अपने भाइयों के लिए उनकी पसंद की मिठाई लेकर पहुंचीं। जेल की चारदीवारी के पीछे भाइयों से मिलने का मौका उनके लिए बेहद खास रहा। बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की सलामती और बेहतर भविष्य की कामना की। वहीं, बहनों के हाथों से मिठाई खाते समय कई बंदी भी भावुक हो गए। कई बहनों के लिए लंबे समय बाद अपने भाइयों से मिलने का अवसर किसी मन्नत के पूरा होने जैसा था। इस दौरान कहीं खुशी तो कहीं अपनों से दूर रहने का दर्द दिखाई दिया। भाई दूज के इस आयोजन ने जेल की चारदीवारी के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और पारिवारिक प्रेम का एहसास कराया।

सड़क हादसों के मृतकों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

जयपुर। सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की स्मृति में 15 नवंबर को जवाहर कला केंद्र में वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फॉर रोड ट्रैफिक विक्टिम्स कार्यक्रम आयोजित होगा। शाम 6 बजे होने वाले कार्यक्रम में गीत, नाटक और संवाद के जरिए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया जाएगा। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा (आईपीएस) मुख्य अतिथि होंगे।

अपहृत युवक को बचाया, अपहरण करने वाले तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । भांकरोटा थाना क्षेत्र में युवक का अपहरण करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात का चंद घंटों में खुलासा करते हुए अपहृत युवक को माधव फार्म हाउस, रिंग रोड के पास से सकुशल दस्तयाब कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी भी जब्त की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 10 नवंबर को चिमनपुरा रिंग रोड क्षेत्र से नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली थी कि कुछ लोग एक कार में सवार होकर पडोस में रहने वाले युवक के घर पहुंचे और उसके साथ मारपीट कर शत्रुघ्न सैनी (21) का जबरन अपहरण कर थार गाड़ी में ले गए।

वही घटना की गंभीरता को देखते हुए भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और माधव फार्म हाउस के पास दबिश देकर शत्रुघ्न सैनी को आरोपियों के कब्जे से मुक्त कराया।

पूछताछ में अपहृत युवक ने बताया कि आरोपियों ने पूर्व रंजिश के चलते मारपीट कर बदला लेने के उद्देश्य से उसका अपहरण किया था। पुलिस ने मौके से ओमेंद्र सिंह शेखावत (38), अशोक सिंह शेखावत (35) और ओमवीर सिंह शेखावत (38) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त थार गाड़ी भी जब्त कर ली है।

''एनपीएस संचय'' कार्यक्रम कल

जयपुर । पेंशन फंड रेग्युलेटर एंड डवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति राजस्थान के समन्वय से भारतीय स्टेट बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय जयपुर की ओर से 13 नवंबर 2026 को 'एनपीएस संचय' आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अजमेर रोड, सोडाला स्थित द फर्न हैबिटेट (द ग्रैंड अनुकम्पा, श्याम नगर) में होने वाले कार्यक्रम का पहला सत्र सुबह 10 से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगा।

समय पर पूरे हों रियल एस्टेट प्रोजेक्ट, उपभोक्ताओं को मिले सुविधाएं : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने रेरा की मीटिंग में लेआउट प्लान की मंजूरी में देरी नहीं करने के निर्देश दिए

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रियल एस्टेट परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूरा कर उपभोक्ताओं को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कार्यों की समीक्षा बैठक में उन्होंने परियोजनाओं के पंजीकरण, निर्माण प्रगति और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग तथा स्थानीय स्वशासन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने और परियोजनाओं के लेआउट प्लान की मंजूरी में अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वीकृत लेआउट प्लान शीघ्र रेरा को भेजने को कहा, ताकि पंजीकरण सहित अन्य प्रक्रियाओं में तेजी आ सके।

- वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 परियोजनाएं पंजीकृत हुई रेरा में वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 परियोजनाएं पंजीकृत हुई रेरा में

मुख्य सचिव ने क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), टोडर (टाउनशिप डवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान) और राजस्थान अफोर्डेबल हाउसिंग डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्षों एवं सदस्यों से रेरा के नियमों की पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता हितों का संरक्षण रेरा की प्राथमिक जिम्मेदारी है और शिकायतों के निस्तारण में बिल्डर्स एवं डवलपर्स को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने रेरा प्राधिकरण एवं निर्णायक अधिकारी के समक्ष लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा लंबित रिकवरी प्रमाण-पत्रों की वसूली के लिए जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में नियमों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं के विरुद्ध कार्रवाई, परियोजनाओं के पंजीकरण, नियामकीय प्रावधानों के प्रति जागरूकता तथा राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं सीपीग्राम्स पर प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 में 31 अक्टूबर तक 889 रियल एस्टेट परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं, जबकि वर्ष 2025 में कुल 1,143 परियोजनाओं का पंजीकरण किया गया था।

40 विला खरीद विवाद के बीच जयपुर लौटे आईएएस शिखर अग्रवाल ने कार्मिक विभाग में उपस्थिति दी

एपीओ चल रहे आईएएस शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी प्रशाखा माथुर गए हुए थे अमेरिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर,उदयपुर और अलवर में 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में विवादों में आए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल मंगलवार को जयपुर लौट आए। उन्होंने कार्मिक विभाग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्मिक विभाग ने 29 अक्टूबर को उन्हें एपीओ किया था। वहीं, उनकी आईपीएस पत्नी प्रशाखा माथुर को भी राज्य सरकार ने 31 अक्टूबर को एपीओ कर दिया था। शिखर अग्रवाल पत्नी प्रशाखा माथुर के साथ अमेरिका गए हुए थे। उन्होंने 11 नवंबर तक छुट्टी ली थी, लेकिन वे एक दिन पहले ही 10 नवंबर को जयपुर लौट आए। दंपती फिलहाल एपीओ चल रहे हैं। उनके जयपुर लौटने के बाद अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अगली कार्रवाई पर नजर है।

वहीं दूसरी ओर आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर एसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठाए है। पाठक का कहना है कि, 40 विला खरीद के इस प्रकरण में एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज किए जाने के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने 10 नवंबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दोबारा पत्र लिखकर कार्रवाई में देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 15 नवंबर तक एफआईआर दर्ज नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग करने की चेतावनी दी है।

- वहीं दूसरी ओर आरटीआई कार्यकर्ता अशोक पाठक ने एसीबी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री को 10 नवंबर को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग उठाई है। पाठक का कहना है कि, एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज किए जाने के बावजूद अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी भी जब्त की गई है। अगर 15 नवंबर तक एफआईआर दर्ज नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग रखी जाएगी।

पाठक ने पत्र में सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2013) फैसले का हवाला देते हुए संज्ञेय अपराध सामने आने पर एफआईआर दर्ज करने की अनिवार्यता का उल्लेख किया है। साथ ही बीएनएसएस की धारा 173(3) के तहत प्रारंभिक जांच की 14 दिन की समयसीमा पर भी सवाल उठाया है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल 2025 के स्टेट ऑफ कर्नाटक बनाम श्री चन्नाकेशव एचडी एवं अन्य के प्रकरण में फैसले का हवाला देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं 13 और 17 में एफआईआर से पहले प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं है। पाठक ने आशंका जताई है कि दिल्ली के कुछ प्रभावशाली नेताओं के दबाव के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ रही। उन्होंने एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। पाठक ने मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच की संभावना भी उठाई है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र की प्रतियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, प्रधान सचिव शक्तिकांत दास, निजी सचिव हार्दिक शाह, सीबीआई निदेशक और ईडी निदेशक को भी भेजी गई हैं। उन्होंने मांग की है कि एसीबी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज करे अथवा आरोपों की पुष्टि नहीं होने पर नियमानुसार पीई बंद करे।

बारां आरओबी भूमि अधिग्रहण मामले में यथास्थिति के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने बारां के डबका फाटक पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण से जुडे मामले में विवादित निजी संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश आनंद शर्मा की एकल पीठ ने 6 नवंबर को बारां निवासी सरोज गर्ग की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार सहित सात प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत में दलील दी कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम-2013 के तहत धारा 15 की आपत्तियों का निस्तारण और मुआवजे का अवार्ड पारित किए बिना ही निर्माण के लिए टेंडर एवं वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया। याचिका में खसरा नंबर 866/864 की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि मौके पर 80 फीट चौड़ी मौजूदा सड़क और आसपास पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है। ऐसे में निजी व्यावसायिक भूमि का अधिग्रहण अनावश्यक है। जनवरी 2025 में परियोजना का अलाइनमेंट बदलने के बावजूद नया सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन भी नहीं कराया गया। अदालत ने मामले में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव, बारां जिला कलेक्टर, एसडीओ एवं भूमि अधिग्रहण अधिकारी तथा पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल रेल प्रबंधक सहित सात प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं।

बीकानेर के छतरगढ़ में डिग्गी में डूबने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

बताया जा रहा है कि डिग्गी में पांव फिसलने के चलते डूबी बहन को बचाने के प्रयास में तीन भाइयों की भी जान चली गई, परिवार में मातम पसरा

बीकानेर, (निसं)। जिले के छतरगढ़ थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है, जहां दो भाइयों के परिवार के चार बच्चों की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। सूचना पर छतरगढ़ थानाधिकारी नवनीत सिंह पुलिस जाब्ते सहित मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू की।

- **डिग्गी में पानी काफी गहरा होने के कारण वे तैरकर बाहर नहीं निकल सके और पानी में डूब गए, काफी देर तक चारों वापस घर नहीं लौटे**
- **एक ही घर के तीन सगे भाई-बहनों और उनके रिश्तेदार की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे गांव में चूल्हे तक नहीं जले**

थानाधिकारी सिंह ने बताया कि 9 एडब्लूएम निवासी दो सगे भाई रमेश व कालूराम के बच्चों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार चारों युवा और बच्चे किसी काम से घर के पास बनी पानी की डिग्गी के पास गए थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने और पैर फिसलने के कारण चारों एक-एक कर डिग्गी के गहरे पानी में जा गिरे। डिग्गी में पानी काफी गहरा होने के कारण वे तैरकर बाहर नहीं निकल सके और पानी में डूब गए। काफी देर तक जब चारों वापस घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। तलाश करते हुए जब परिजन डिग्गी के पास पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। मशक्कत के बाद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से चारों को डिग्गी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि रमेश कुमार की 14 वर्षीय बेटी पूजा डिग्गी में पांव फिसलने के चलते डूब गई, जिसे बचाने के लिये उसके सगे भाई 18 वर्षीय मुकेश,16 वर्षीय मनोज के साथ कालूराम का बेटा 21 वर्षीय निर्मल भी डिग्गी में उतर गये, लेकिन अपनी बहन को नहीं बचा पाए, बल्कि जान बचाने के प्रयास में तीनों भाईयों की भी जान चली गई। एक ही परिवार के चार बच्चों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने चारों शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। एक ही घर के तीन सगे भाई-बहनों और उनके रिश्तेदार की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे 9 एडब्लूएम गांव में चूल्हे तक नहीं जले और ग्रामीण शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे। छत्तरगढ़ थाना पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। पुलिस ने मामले में मर्ग दर्ज कर हादसे के कारणों की आगे की जांच शुरू कर दी है।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में दस साल बाद बदलाव

- **विद्यार्थियों को पारंपरिक कापियों के स्थान पर अब 40 सवालों की कोडिंग वाली नई उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी, बोर्ड ने इस संबंध में बीकानेर सहित राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और परीक्षा केंद्रों को दिशा-निर्देश भिजवाए**

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) ने वर्ष 2027 की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के पैटर्न में बदलाव किया है। बोर्ड परीक्षाओं में अब विद्यार्थियों को पारंपरिक कापियों के स्थान पर 40 प्रश्नों की कैजिंग (कोडिंग) वाली नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाएं दी जाएंगी। बोर्ड के मुख्य नियंत्रक (परीक्षा) द्वारा 6 नवंबर को जारी आदेश के अनुसार यह नई व्यवस्था केवल सैद्धांतिक परीक्षाओं में लागू की जाएगी। बोर्ड ने इस संबंध में बीकानेर सहित राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) और परीक्षा केंद्रों को दिशा-निर्देश भिजवा दिए हैं।

बोर्ड के नए आदेश के अनुसार यदि कोई परीक्षार्थी मुख्य उत्तर पुस्तिका पूरी भरने के बाद अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका की मांग करता है तो उसे केंद्र पर पहले से उपलब्ध 8 पृष्ठीय पुरानी अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाएं दी जा सकेंगी। यानी नई कोडिंग व्यवस्था केवल मुख्य उत्तर पुस्तिका के लिए ही प्रभावी रहेगी। जबकि एक्स्ट्रा कॉपियों में पुराना पैटर्न ही जारी रहेगा। बोर्ड ने यह सख्त निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर गत वर्षों की बची हुई मुख्य उत्तर पुस्तिकाएं (चाहे वे बार कोड सहित हों या बार कोड रहित) इस बार की बोर्ड परीक्षाओं में किसी भी परिस्थिति में काम में नहीं ली जाएंगी।

रामगोपाल शर्मा, डीईओ, माध्यमिक शिक्षा का कहना है कि बदलाव हमेशा सुधार के लिए होता है। इस बदलाव से कॉपियां अच्छी आएंगी। जांचने में भी मदद मिलेगी। छात्रों के लिए भी सुविधा रहेगी। हालांकि अभी सर्कुलर आया है। इंप्लीमेंट होगा तब और चीजें सामने आएंगी।

बोर्ड ने उत्तर पुस्तिकाओं के रखरखाव को लेकर स्पष्ट किया है कि इस वर्ष प्राप्त नई 40-प्रश्नों वाली कॉपियों में से यदि कोई स्टॉक बच जाता है तो उसे बोर्ड मुख्यालय वापस नहीं भेजा जाएगा। केंद्र अधीक्षक इन्हें अगले वर्ष के उपयोग के लिए अपने स्टॉक रजिस्टर में दर्ज कर सुरक्षित रखेंगे। इसी प्रकार 8 पृष्ठीय बची हुई अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाओं को भी अगले साल के लिए सुरक्षित रखना होगा। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, प्रवेशिका तथा वरिष्ठ उपाध्याय की नई उत्तर पुस्तिकाएं बोर्ड द्वारा पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित ट्रांसपोर्ट स्टेशनों पर भिजवाई जा रही हैं। बोर्ड प्रशासन ने सभी केंद्र अधीक्षकों को आदेश की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी, सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर के आईजी डॉ. विकास पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बीएसएफ के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले बीएसएफ के जवानों ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

फंदे पर व्यक्ति का शव लटका मिला

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के प्रतापनगर में एक व्यक्ति का शव घर की ऊपरी मंजिल के कमरे में फंदे पर लटका मिला। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरिश्चंद्र पंचाल के रूप में हुई है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाने के एसआई चंदूलाल ने बताया कि हरिश्चंद्र के बेटे अजय पंचाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि हरिश्चंद्र पंचाल परिवार के साथ खाना खाने के बाद सो गए थे। सुबह परिजनों ने देखा तो वे अपने बिस्तर पर नहीं थे। इसके बाद आसपास के लोगों को सूचना देकर उनकी तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान वे घर की ऊपरी मंजिल के कमरे में फंदे पर लटका मिला।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से हरिश्चंद्र को अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है।

सामोद के कानपुरा गांव में करंट से एक युवक की मौत, दो घायल

घायल युवक जयपुर रेफर, तीनों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं

चौमूं/कालाडेरा/सामोद, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के सामोद थाना क्षेत्र के महार कलां इलाके के कानपुरा गांव में बुधवार को करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। भैयादूज के दिन हुए इस हादसे से परिवार में पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं।

- **भैयादूज के दिन हुए इस हादसे से परिवार में पर्व की खुशियां मातम में बदल गई**
- **बताया गया है कि हादसा घर के पास लगे ट्रांसफार्मर के तार के संपर्क में आने से हुआ**

तीनों युवकों के करंट की चपेट में आने की सूचना पर सामोद थानाधिकारी हेमराज गुर्जर मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। घायलों को चौमूं के निजी हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने कानपुरा निवासी हेमेन्द्र यादव (23) पुत्र रामेश्वरलाल यादव को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल कृष्ण कुमार (27) पुत्र कालूराम और कृष्ण कुमार (32) पुत्र कजोड़मल का अस्पताल में इलाज किया गया। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जयपुर रेफर कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मौके के निरीक्षण के मुताबिक हादसा घर के पास लगे ट्रांसफार्मर के तार के संपर्क में आने से हुआ। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सामोद थानाधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर ने मृतक हेमेन्द्र यादव के शव को चौमूं सरकारी अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। उसके बाद परिजनों के आने पर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कोटा जिले में दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस टीम ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिग बालिकाओं को भगाकर ले जाने व दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर में अपहृता बालिकाओं की दस्तयाबी व अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समस्त थानाधिकारी को टीम गठित करने के निर्देश दिये गये हैं। शहर एसपी ने बताया कि शहर के एक थाने में पहला मामला 26 अक्टूबर को दर्ज हुआ था,जिसमें फरियादीया ने रिपोर्ट में कहा कि वह नवीं कक्षा में पढ़ती है, उसकी इंस्टाग्राम पर मनीष यादव से दोस्ती हुई और वह उससे बातचीत करती थी। रिपोर्ट में कहा कि बातचीत करने की बात को लेकर मां की डांट के बाद वह मनीष के साथ झालावाड़ चली गई, जहां पर मनीष ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वहीं दूसरा मामला 8 नवम्बर को दर्ज हुआ था, जिसमें फरियादी ने रिपोर्ट दी, रिपोर्ट में कहा कि उसकी नाबालिग 14 वर्षीय बेटी अपने साथ अपने दस्तावेज लेकर गयी है। उसको शक है कि उसकी बेटी को रवि नायक व विक्की बहला-फुसलाकर ले गये हैं।

शहर एसपी ने कहा कि मामला सामने आने के बाद मामले में कार्रवाई को लेकर पुलिस उप-अधीक्षक उदय सिंह के सुपरविजन मे थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अपहर्ता नाबालिग बालिकाओं को तकनीकी व मुखबिर तंत्र की सहायता से दस्तयाब किया। टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष यादव (20) एवं वांछित आरोपी रवि नायक (24) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

अजमेर जिले के दो थाना क्षेत्रों से किशोरी और युवती लापता

अजमेर, (निसं)। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में किशोरी और युवती के लापता होने के मामले सामने आए हैं। मांगलियावास थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय किशोरी घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने तलाश की तो घर में रखे 1 लाख 80 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर भी गायब मिले। परिजनों ने एक युवक पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई है।

वहीं, सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में अपनी बहन के घर आई 24 वर्षीय युवती अचानक बिना बताए चली गई। काफी तलाश के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं लगने पर परिजनों ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मांगलियावास थाना पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय किशोरी 4 नवंबर की रात परिवार के सदस्यों के साथ घर में सोई थी। सुबह जब परिजन जागे तो किशोरी नहीं मिली। पहले परिवार ने आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने घर में रखे सामान की जांच की तो संदूक में रखे बैग से सोने का ताबीज, रखड़ी, नाक की बाली, करीब आधा किलो चांदी की कणकती और 1 लाख 80 हजार रुपए नकद गायब मिले। परिजनों ने एक युवक पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस को रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का है। पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार 24 वर्षीय युवती 25 अक्टूबर को अपनी बहन के घर आई थी। वह 8 नवंबर को अचानक बिना किसी को बताए वहां से चली गई। काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों से पूछताछ के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

बीसलपुर बांध में मछली पकड़ते छह जने गिरफ्तार

टोंक/देवली, (निसं)। देवली पुलिस ने बीसलपुर बांध में बिना लाइसेंस मछली पकड़ने के आरोप में 6 आरोपियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 35 किलो मृत मछलियां, दो नाव, दो बड़े प्लास्टिक जाल और आठ रस्सियां जब्त की हैं।

जानकारी के अनुसार बुधवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम ने देवली थाना क्षेत्र के नेगड़िया चौराहे के पास कुछ लोगो को नावों से बांध में अवैध रूप से मछली पकड़ते हुए देखा तो पुलिस ने उनसे वैध लाइसेंस और अनुज्ञापत्र मांगे गए, लेकिन उनके पास से दस्तावेज नहीं मिलने के कारण आरोपी चुमन सहनी, धनही सहनी, देवेंद्र सहनी, जेलेश्वर सहनी और सुनील सहनी जो गांव ढबोलिया, थाना मधुबन और पिपरा, जिला पूर्वी चंपारण बिहार के निवासी को गिरफ्तार करमामला दर्ज कर जांच प्रारम्भ की है।

अजमेर की आनासागर झील में अज्ञात महिला का शव तैरता मिला

आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिला के शव को बाहर निकाला

अजमेर, (निसं)। शहर की आनासागर झील में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब पानी में एक महिला का शव तैरता दिखाई दिया। बारादरी की तरफ घूमने पहुंचे पर्यटकों ने सबसे पहले शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। कुछ ही देर में मौके पर स्थानीय लोगों और पर्यटकों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। झील में शव होने के कारण सिविल डिफेंस टीम और गोताखोरों को बुलाया गया। टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिला के शव को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने शव को जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों के आधार पर उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

- **बारादरी घूमने पहुंचे पर्यटकों ने देखा शव, पहचान के लिए गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस**

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर बारादरी क्षेत्र में घूम रहे पर्यटकों की नजर झील में तैर रहे शव पर पड़ी। महिला का शव पानी में उल्टी अवस्था में दिखाई दे रहा था। यह देखकर पर्यटकों ने आसपास मौजूद लोगों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे कोतवाली थाने के एएसआई रामदेव ने पुलिस जाब्ते के साथ स्थिति का जायजा लिया और बचाव दल को बुलाया।

पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र और पहचान फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। महिला ने साड़ी, ब्लाउज और दुपट्टा पहन रखा था। उसके हाथों में चूड़ियां भी थीं। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन तत्काल उसकी पहचान नहीं हो पाई। महिला की शिनाख्त के लिए पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। इसके अलावा महिला की तस्वीर अन्य थानों और सोशल मीडिया समूहों में भेजकर पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। फिलहाल महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं है। हादसा, आत्महत्या या किसी अन्य कारण से मौत होने की आशंका को लेकर स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का आरोप

युवती कशीश की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी

हिण्डौन सिटी, (निसं)। पीलू वाली मस्जिद के पास रहने वाली 20 वर्षीय विवाहिता कशीश खान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कशीश की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। घटना के बाद पीहर पक्ष ने पति सलमान और ससुराल के कुछ अन्य लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज हत्या से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना पुलिस ने बुधवार को जयपुर से पहुंचे पीहर पक्ष की मौजूदगी में जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाया।

- **कोतवाली थाना पुलिस ने जयपुर से पहुंचे पीहर पक्ष की मौजूदगी में जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमार्टम कराया**

थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि कशीश के पिता इसराईल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह जयपुर के खो नागरिया स्थित करीम नगर के रहने वाले हैं। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही पति सलमान और ससुराल पक्ष के अन्य लोग दहेज में बाइक की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर कशीश को परेशान किया जाता था। पिता इसराईल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मजदूरी करके अपनी चार बेटियों का पालन-पोषण किया। दूसरी बेटी कशीश की शादी में भी काफी खर्च किया था। करीब 6 महीने पहले कशीश की शादी हिंडौन में पीलू वाली मस्जिद के पास रहने वाले सलमान से हुई थी। परिजनों के मुताबिक, कशीश 4 नवंबर को जयपुर स्थित अपने मायके आई थीं। इसके बाद 6 नवंबर को वापस हिंडौन लौट गई थीं। 10 नवंबर को दोपहर करीब 2:30 बजे एक पड़ोसी ने फोन कर पिता को कशीश की फांसी से मौत होने की सूचना दी। इसके बाद परिजन हिंडौन पहुंचे, जहां कशीश का शव जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में मिला।

परिजनों ने बताया कि कशीश की मां मुन्नी की करीब नौ साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद पिता इसराईल ने ही चारों बेटियों की जिम्मेदारी संभाली और उनका पालन-पोषण किया। पोस्टमार्टम के दौरान पीहर पक्ष की कई महिलाएं भी अस्पताल में मौजूद रहीं। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। ससुराल पक्ष पर लगाए गए आरोपों की जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी के पैसों को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडे चले

हिण्डौन सिटी, (निसं)। महमदपुरिया के पुरा गांव में बुधवार दोपहर मजदूरी के बकाया पैसों को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद झगड़े में बदल गया और दोनों पक्षों के लोगों के बीच लाठी-डंडों और पत्थरों से मारपीट हुई। घटना में 10 साल की बालिका सहित 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को हिंडौन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर कोतवाली थाने के एएसआई दिनेश चंद पुलिसकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से घटना की जानकारी ली। दिनेश चंद ने बताया कि एक पक्ष के सारिका, मिथलेश, अमर सिंह महावर, गायत्री, रूपसिंह, विक्की, लेखराज, सूरज और आरती घायल हुए हैं। दूसरे पक्ष के बीरवल महावर, जमनी और कल्याण चंद उर्फ तुहीराम को चोटें आई हैं। बीरवल के सिर में चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया।

- **पांच महिलाओं समेत 12 लोग गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती कराया**

घायल अमर सिंह ने बताया कि दूसरे पक्ष के लोगों के पास उनकी मजदूरी के पैसे कई साल से बकाया हैं। उनका आरोप है कि जब उन्होंने अपने पैसे मांगे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों पर भी लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया गया। ड्यूटी डॉक्टर अवधेश सोलंकी और नंद मोहन सुमन ने बताया कि अमर सिंह, लेखराज और सूरज के सिर में चोट आई है। अन्य घायलों के शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोटें हैं। सभी का अस्पताल में उपचार जारी है।

कोटा में हथियार के साथ आरोपी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार तलवार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं गुमानपुरा थाना इलाके की थोक फल-सब्जीमंडी में बदमाशों द्वारा तलवार लहराते हुए दहशत फैलाने का मामला सामने आया है।

गुमानपुरा थानाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थाने के उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान पुलिस टीम को पुरानी दूध फैक्ट्री रामचन्द्रपुरा छावनी में एक संदिग्ध युवक द्वारा तेज धारदार तलवार लहराने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर घबराकर कुछ छिपाते हुए तेजी से जाने लगा। पुलिस टीम ने मौके पर संदिग्ध व्यक्ति को डिटेन कर उसके पास से अवैध तेज धारदार तलवार बरामद की, पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए विज्ञान नगर निवासी शाहरूख (22) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह मंडी में काम करता है और आए दिन झगड़े होने के डर से वह तलवार साथ लेकर घूमता था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

भीम के छिपाला बिछुड़ा गांव में खेत पर जाते समय परिवार पर हमला

मारपीट में पिता-पुत्र सहित तीन जने घायल

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के छिपाला बिछुड़ा गांव में खेत की ओर जा रहे एक व्यक्ति और उसके परिजनों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर भीम थाना पुलिस ने आठ जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पुलिस ने आठ जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की**

पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बिछुड़ा निवासी इंद्र सिंह (55) पुत्र धन्ना सिंह ने बताया कि 10 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे वह मोटरसाइकिल से घर से खेत की तरफ जा रहा था। इस दौरान उसका भाई बलवीर सिंह और पुत्र लोकेश सिंह भी पैदल पीछे आ रहे थे। आरोप है कि छिपाला गांव के पास पहुंचने पर कुछ लोगों ने रास्ता रोक लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। परिवादी के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की तथा बीच-बचाव करने आए उसके भाई और पुत्र को भी चोटें पहुंचाईं। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि हमले में इंद्र सिंह, बलवीर सिंह और लोकेश सिंह घायल हो गए। मारपीट के दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और घायलों का मेडिकल करवाने की मांग की। परिवादी की रिपोर्ट पर भीम थाना पुलिस ने वन्ना सिंह सहित आठ जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

उमराह यात्रा के नाम पर 46 लाख रुपए ठगने वाले दम्पति गिरफ्तार

दोनों एक साल से फरार थे, पुलिस ने 10-10 हजार रु. का इनाम घोषित कर रखा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सस्ते में उमराह यात्रा कराने का झांसा देकर 46 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में रामगंज थाना पुलिस ने एक इनामी दम्पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब एक साल से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे थे। पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।



आरोपी मोहम्मद आरिफ और उसकी पत्नी गुलफशा

- आरोपियों ने कस्टम अधिकारी बनकर दिया था ठगी को अंजाम

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि 10 फरवरी 2026 को परिवादी मोहम्मद अनीस पुत्र मोहम्मद हनीफ ने रामगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि फरहत हुसैन उर्फ मोहम्मद आरिफ और उसकी पत्नी गुलफशा ने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर परिवादी और उसके रिश्तेदारों को कम कीमत में उमराह यात्रा करवाने का झांसा दिया। आरोपियों ने इस बहाने उनसे कुल 46 लाख रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर रामगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस निरीक्षक एवं रामगंज थानाधिकारी गौतम डोटासरा के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी सहायता और हेड कांस्टेबल कृष्णअवतार तथा रामलाल से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में फरहत हुसैन उर्फ मोहम्मद आरिफ (30) पुत्र शौकत हुसैन और उसकी पत्नी गुलफशा (28) शामिल हैं। दोनों मूल रूप से दुकालपुरा, पड़ाव रोड, थाना दाहोद टाउन ए डिवीजन, जिला दाहोद (गुजरात) के निवासी हैं। जयपुर में इनके निवास के ब्रह्मपुरी हाल जयसिंहपुरा खोर का पता सामने आया है।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी फरहत हुसैन के खिलाफ जयपुर के जवाहर नगर, करणी विहार, गलतागेट और रामगंज थानों में धोखाधड़ी एवं अमानत में खयानत से जुड़े चार मामले दर्ज हैं। इन मामलों में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 406 तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज हुए हैं। इनमें से कई मामलों में पुलिस चालान भी पेश कर चुकी है। वहीं, उसकी पत्नी गुलफशा के खिलाफ भी रामगंज थाने में मामला दर्ज है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उनकी गिरफ्तारी से ठगी की अन्य वारदातों और नेटवर्क के संबंध में भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

पता पूछने के बहाने वृद्धा के गले से सोने की चेन तोड़ी

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने एक बुजुर्ग महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने मकान का पता पूछने के बहाने महिला को रास्ते में रोका और मौका पाकर उसके गले से सोने का जोल्या तोड़कर फरार हो गए। वारदात के बाद महिला घबरा गई। महिला के पोते ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र ने बताया कि सिवार मोड़, गणेश नगर, बिंदायका निवासी मुकेश कुमार योगी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे उनकी दादी सूजी देवी घर से मंदिर जाने के लिए निकली थीं। घर से कुछ दूरी पर रास्ते में बाइक सवार एक युवक ने उन्हें रोक लिया। युवक ने मकान का पता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की और इसी दौरान उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने का जोल्या तोड़ लिया। इसके बाद बदमाश तेज रफ्तार से बाइक लेकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाश का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

जलवायु कार्रवाई में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका : डॉ. मिश्रा

देश के 651 कृषि जिलों में से 310 जलवायु की दृष्टि से संवेदनशील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने और वैश्विक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने में भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सतत खाद्य प्रणालियों के विकास के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, स्थानीय स्तर के आंकड़ों और साक्ष्य आधारित नीतियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। डॉ. मिश्रा बुधवार को आईआईएम कोझिकोड में विकास के लिए पर्यावरण (ईएफडी) नेटवर्क की 20वीं वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि कृषि उत्पादकता, जल उपलब्धता, खाद्य पदार्थों की कीमतों, जनस्वास्थ्य और आजीविका पर भी पड़ रहा है। खाद्य सुरक्षा के लिए पर्याप्त उत्पादन के साथ लोगों को किफायती, विविधतापूर्ण और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय नवाचार कार्यक्रम के आकलन के अनुसार देश के 651 कृषि जिलों में से 310 जिले अत्यधिक अथवा बहुत अधिक जलवायु संवेदनशील हैं। ऐसे में एकसमान नीति के बजाय स्थानीय कृषि और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप अनुकूलन उपाय अपनाने की आवश्यकता है। डॉ. मिश्रा ने फसल विविधीकरण और मोटे अनाजों के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित कराने के लिए प्रधानमंत्री की पहल से मोटे अनाजों के पोषण और पर्यावरणीय महत्व को वैश्विक पहचान मिली। इससे जलवायु अनुकूल खाद्य प्रणालियों को भी प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2031-2035 के लिए अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं को और मजबूती मिली है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) जैसी पहल वैश्विक सहयोग में भारत की भूमिका को दर्शाती हैं। डॉ. मिश्रा ने विकासशील देशों के बीच अनुसंधान और नीतिगत साझेदारी मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि ईएफडी नेटवर्क जैसे मंच वैज्ञानिक शोध को व्यावहारिक नीतियों से जोड़ने, ज्ञान के आदान-प्रदान और संस्थागत क्षमताओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने जिला स्तर पर वर्षा, जल उपलब्धता, मिट्टी, फसल प्रदर्शन और पोषण संबंधी विश्वसनीय आंकड़ों के प्रभावी उपयोग पर भी बल दिया।

मौसम साफ होते ही सर्दी ने पकड़ी रफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मौसम साफ होते ही प्रदेश में सर्दी रफ्तार पकड़ने लगी है। प्रदेश के 10 शहरों का रात का पारा 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। सीकर की रात सबसे सर्द रही। आगामी दो दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 14-15 नवंबर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है।

- सीकर समेत 10 शहरों का पारा 15 डिग्री से नीचे पहुंचा

मौसम विभाग के अनुसार भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, चूरू, डबोक, पिलानी, सीकर, वनस्थली, सिरोही, फतेहपुर और नागौर का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। सीकर की रात माउंट आबू से सर्द रही। सीकर का रात का पारा 10 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि माउंट आबू का रात का पारा 15.2 डिग्री दर्ज किया गया। करीब 37 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 22 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। जयपुर के रात के पारे में 1.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 30.8 और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के अधिकांश भागों में आगामी 3 दिन मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है।

हालांकि, एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 14-15 नवंबर को पश्चिमी व उत्तरी राजस्थान के कुछ भागों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने व कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। राज्य के कुछ भागों में 15 नवंबर के बाद न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है।

पहचान छिपाकर जयपुर में ही फरारी काट रहा शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ पर 5 हजार रुपए इनाम रखा हुआ था, यह शातिर बदमाश पिछले 2 साल से फरार था

जयपुर। मानसरोवर पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो साल से फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी अम्बेडकर उर्फ मोडा अपनी पहचान छिपाकर जयपुर में ही परिवार के साथ रह रहा था। उसके खिलाफ राजस्थान के विभिन्न जिलों के थानों में वाहन चोरी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों के करीब 20 मामले दर्ज हैं।



पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान के निर्देश पर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मानसरोवर थाने में 18 अप्रैल 2025 को मामला दर्ज किया गया था। परिवादी की रिपोर्ट के अनुसार भारत माता सर्किल, मानसरोवर से टाटा एस गाड़ी चोरी हो गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य आरोपी अमरचंद उर्फ अंकित को दस्तयाब कर चोरी की गई गाड़ी बरामद कर ली थी, जबकि मुख्य आरोपी अम्बेडकर उर्फ मोडा फरार हो गया था। इधर आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस ने पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। उसकी तलाश के लिए मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। दीपावली के दौरान की गई तस्दीक में सामने आया कि आरोपी जयपुर में ही अपनी पहचान छिपाकर परिवार के साथ रह रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपित अम्बेडकर उर्फ मोडा (29) निवासी जौरा जिला मुरैना (मध्य प्रदेश) हाल मानसरोवर जयपुर को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर वाहन चोर है। उसके खिलाफ टोडाभीम, श्यामनगर, सिकंदरा, आंधी, शाहपुरा, चंदवाजी, थानागाजी, कानोता, सैथल, रूपवास और अजमेर सहित राजस्थान के विभिन्न थानों में कुल 20 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से अधिकांश मामलों में पुलिस पूर्व में आरोप पत्र पेश कर चुकी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों और उसके आपराधिक नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

फर्जी कस्टमर केयर नंबर के कारण हुई 95 हजार की ठगी

जयपुर (कासं)। शिप्रापथ इलाके में ऑनलाइन खरीदारी के बाद सामान लौटाने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर नंबर तलाशना एक महिला को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने फर्जी कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर महिला को बातों में उलझाया और 95 हजार रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने गलती से खाते से 1 लाख 42 हजार रुपए कटने और पूरी राशि रिफंड करने का झांसा देकर महिला से 95 हजार रुपए अपने बताए मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने शिप्रापथ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। एएसआई भागीरथमल ने बताया कि मानसरोवर के थड़ी मार्केट निवासी धमेन्द्रा शर्मा (57) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 8 नवंबर को उन्होंने ऑनलाइन दो बेडशीट मंगवाई थीं। बेडशीट पसंद नहीं आने पर उन्हें वापस करने के लिए महिला ने गूगल पर जेप्टो का कस्टमर केयर नंबर सर्च किया। इस दौरान ऑनलाइन मिले एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर दूसरी तरफ मौजूद युवक ने खुद को कस्टमर केयर प्रतिनिधि बताकर बातचीत शुरू की। शातिर ने बातचीत के दौरान महिला को बताया कि गलती से उनके खाते से 1 लाख 42 हजार रुपए कट गए हैं। उसने कहा कि बताए गए मोबाइल नंबर पर 95 हजार रुपए ट्रांसफर कर दें, इसके बाद पूरी राशि रिफंड कर दी जाएगी। ठग की बातों में आकर महिला ने बताए गए नंबर पर 95 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

केसीसी कार्ड पर लोन देने के बदले रिश्वत लेने वाले बैंक के सीनियर मैनेजर को सजा

जयपुर (कासं)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने किसान क्रेडिट कार्ड से लोन देने की एवज में किसान से रिश्वत लेने वाले दौसा के मानपुर स्थित यूको बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक रामचन्द्र मीणा को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने अदालत को बताया की सिकराय निवासी किसान विवेक राज मीणा ने 5 अप्रैल, 2021 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसने किसान क्रेडिट कार्ड से अस्सी हजार रुपए का लोन लिया था। उसे 22 मार्च को सत्तर हजार रुपए की दिए और अनेक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए। वहीं यूको बैंक के तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधक रामचन्द्र मीणा ने छह हजार रुपए रिश्वत देने पर ही शेष दस हजार रुपए रिलीज करने की बात कही। एसीबी ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कर हेड कैशियर को पांच हजार रुपए लेते हुए एवं अभियुक्त वरिष्ठ प्रबंधक को गिरफ्तार किया। मामले में बैंक के तत्कालीन महाप्रबंधक ने अक्टूबर, 2021 को अभियुक्त के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी की थी। वहीं 3 मार्च, 2022 को एसीबी ने विशेष अदालत में आरोप पत्र पेश किया था।

युवती का पर्स छीना

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवती का पर्स छीनकर फरार हो गया। वारदात पथ नंबर 7 स्थित दीपा ब्यूटी पार्लर के बाहर हुई। युवती पार्लर से बाहर निकली ही थी कि बाइक सवार बदमाश उसके हाथ से पर्स छीनकर भाग निकला। पर्स में सोने के जेवरात और 25 हजार रुपए नकद रखे थे। सहायक उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार के अनुसार पीडिड़ता ोनू शर्मा ने मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

दो घरों से लाखों के जेवरात-नकदी चोरी

जयपुर। शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। एक वारदात में परिवार के सदस्य घर में ही सोते रहे और चोर छत का गेट तोड़कर अंदर घुस गए। बदमाशों ने सो रहे परिवार के कमरों को बाहर से बंद कर दिया और पूजा घर में रखी अलमारी के लॉकर से जेवरात व नकदी लेकर फरार हो गए। दूसरी वारदात आकेड़िया गांव में हुई, जहां चोर घर के ताले तोड़कर अलमारी और बक्सों में रखे गहने चुरा ले गए। एएसआई बाबूलाल ने बताया कि गोदूराम मीना की ढाणी, शिवदासपुरा निवासी शंकरलाल मीना (47) के घर चोरी हुई। शनिवार रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सो गए थे। देर रात करीब ढाई बजे बदमाश छत पर चढ़े और सीढ़ियों के गेट को तोड़कर घर में प्रवेश कर गए। इसके बाद परिवार के सदस्यों के सोने वाले कमरों को बाहर से बंद कर दिया। बदमाश पूजा घर में रखी अलमारी के लॉकर से लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ले गए। परिवार के सदस्यों की नींद खुलने पर वारदात का पता चला। दूसरी वारदात शिवदासपुरा के आकेड़िया निवासी श्योजीराम शर्मा (56) के घर हुई। परिवार के सदस्य रात को घर के अंदर सो रहे थे। सुबह उठने पर कमरों के ताले टूटे मिले और जेवरात गायब मिले।

भगवान बिरसा मुंडा और जनजाति गौरव दिवस पर प्रदेशभर में होंगे विविध कार्यक्रम : मन्नालाल रावत

जनजाति नायकों के स्मारकों की सफाई, दीपोत्सव, प्रभात फेरी, शोभायात्रा व युवा संवाद जैसे कार्यक्रम होंगे

जयपुर। भाजपा एसटी मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजाति गौरव सप्ताह के तहत भाजपा, प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महान स्वतंत्रता सेनानियों, वीर नायक-नायिकाओं, संतों और समाज सुधारकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रावत ने कहा कि जनजाति गौरव सप्ताह के तहत 14 नवंबर को विभिन्न जिलों में जनजातीय समाज के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों एवं प्रतिमाओं की साफ-सफाई की जाएगी। स्मारक स्थलों पर दीपोत्सव आयोजित कर जनजातीय बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। रावत ने बताया कि जागरूकता अभियान के तहत 16 से 20 नवंबर तक खेल एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं 15 से 20 नवंबर तक युवा संवाद आयोजित किया जाएगा। राजस्थान में कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्रदेश स्तरीय समन्वय के लिए पूर्व महामन्त्री मोतीलाल मीणा को प्रदेश संयोजक बनाया है।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

- आजादी के बाद जनजाति समाज को भाजपा सरकारों ने उचित सम्मान दिया : रावत

भाजपा एसटी मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष मन्नालाल रावत ने कहा कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी। प्रत्येक मंडल में भगवान बिरसा मुंडा सहित स्थानीय जनजातीय नायकों की प्रतिमाओं एवं चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही जनजातीय छात्रावासों में संपर्क अभियान चलाकर युवाओं से संवाद किया जाएगा तथा केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान जनजातीय समाज के युवाओं को जोड़ने के लिए युवा संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं, मेले और प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी। विभिन्न स्थानों पर शोभायात्राएं निकालकर जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित किया जाएगा। रावत ने बताया कि, राज्य सरकार की ओर से 23 नवंबर को अनुसूचित क्षेत्र के डूंगरपुर जिले में वणेश्वर धाम पर जनजाति गौरव जनसभा कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में शिक्षा, स्वरोजगार और आजीविका से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की जाएंगी। रावत ने बताया कि जनजातीय समाज के विकास और संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में भाजपा सरकारों ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वर्ष 1999 में अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया गया। वर्ष 2003 में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के गठन का प्रावधान किया।

मकान देखने गई युवती से नशे में धुत पड़ौसी ने की मारपीट

जयपुर। नारायण विहार इलाके में मकान खरीदने के लिए देखने गई एक युवती के साथ पड़ोसी ने अभद्रता और मारपीट कर दी। शराब के नशे में धुत आरोपी ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर युवती को लोहे की रेलिंग पर धक्का दे दिया और उसका हाथ पकड़कर कई थप्पड मारे। इतना ही नहीं, आरोपी ने अपनी पत्नी से बंदूक लाने के लिए कहा और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने नारायण विहार थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार महेश नगर निवासी 31 वर्षीय युवती 6 नवंबर रात मांग्यावास स्थित रणजीत विहार में अपने परिचित के घर गई थी। वह मकान खरीदने के सिलसिले में उसे देखने पहुंची थी। करीब आधे घंटे बाद मकान के सामने रहने वाला पड़ौसी अंकित वहां आ गया। परिचित के घर के बाहर कार खड़ी देखकर शराब के नशे में धुत आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

युवती ने बाहर आकर गाली-गलौज का कारण पूछा तो आरोपी अभद्रता करने लगा। युवती ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे लोहे की रेलिंग पर धक्का दे दिया और मारपीट शुरू कर दी। आरोपी ने युवती का हाथ पकड़कर कई थप्पड मारे। आरोपी की पत्नी जब बाहर आई तो उसने उससे ऊपर से बंदूक लाने को कहा। साथ ही धमकी दी कि आज इन्हें मार डालूंगा।

सार-समाचार

आईसीआईसीआई लाइफ इंडेक्स फंड लॉंच

मुंबई। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने नया इक्विटी निवेश विकल्प आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड कंपनी की अधिकांश यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस योजनाओं (यूलिप) के साथ उपलब्ध होगा। इसके तहत बीएसई 500 में शामिल 50 ऐसी कंपनियों में निवेश किया जाएगा, जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत है और जिनके शेयरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का रुझान रहा है। फंड में कंपनियों का चयन दो प्रमुख मानकों मोमेंटम और क्वालिटी के आधार पर होगा। इसके लिए रिटर्न ऑन इक्विटी, ऋण-इक्विटी अनुपात और प्रति शेयर आय (ईपीएस) जैसे वित्तीय मानकों के साथ पिछले 12 महीनों में शेयरों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। बाजार के अवसरों और कंपनियों की कारोबारी स्थिति में बदलाव के अनुसार प्रत्येक तिमाही में पोर्टफोलियो की समीक्षा और पुनर्संतुलन किया जाएगा। कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि यह फंड मजबूत कारोबारी मॉडल, बेहतर कमाई की संभावनाओं और सकारात्मक शेयर प्रदर्शन वाली कंपनियों के माध्यम से निवेशकों को लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अवसर देगा। कंपनी के अनुसार, 30 सितंबर तक बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 सूचकांक ने सात साल में 23.7 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। इस प्रदर्शन के आधार पर सात साल पहले निवेश किए गए एक लाख रुपये का मूल्य बढ़कर करीब 4.4 लाख रुपये हो गया होता। आईसीआईसीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में 99.3 प्रतिशत दावा निपटान अनुपात दर्ज किया है। बिना जांच वाले दावों के निपटान में औसतन 1.1 दिन का समय लगा।

अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया



जयपुर। पानीपेच स्थित द्वारिकापुरी संजय कॉलोनी के राधाकृष्ण मनकामेश्वर मंदिर में मंगलवार को गोवर्धन पूजा एवम अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी कॉलोनीवासियो ने भजन एवम आरती कर सात्विक व्यंजनों का अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया। एवम प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।

दो मोबाइल स्नैचर पुलिस के हत्थे चढ़े



जयपुर। सांगानेर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचर स्नैचिंग की वारदात करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी लत तथा अन्य शौक पूरे करने के लिए मोबाइल स्नैचिंग करते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि सांगानेर थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचर स्नैचिंग की वारदात करने वाले सोनू वर्मा (21) निवासी जगतपुरा जयपुर और रवि कुमार बैरवा (21) निवासी देही जिला बूंदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

गणगौर जयपुर कला महोत्सव 21 से

जयपुर। गुलाबी नगरी में कला, संस्कृति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। गणगौर टेलीविजन,राजस्थान विश्वविद्यालय के विजुअल आर्ट विभाग एवं प्रतिभा एजुकेशनल डेवलपमेंट रिसर्च सोसाइटी की ओर से 21 से 25 नवंबर तक पांच दिवसीय गणगौर जयपुर कला महोत्सव का आयोजन जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में किया जाएगा। महोत्सव में देशभर के 200 से अधिक ख्यातिप्राप्त कलाकार, चित्रकार, संगीतकार और नृत्यकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। गणगौर टेलीविजन के प्रवक्ता शिशिर अवस्थी ने बताया कि महोत्सव के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के कलाकारों की पेंटिंग, मूर्तिकला, डिजाइन, हस्तशिल्प और कला स्थापनाओं से शिल्पग्राम को सजाया जाएगा। कला जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अपने अनुभव और विचार साझा करेंगी। आयोजन के पांचों दिन शाम 6 से रात 9 बजे तक राजस्थान के लोक संगीत और लोक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। महोत्सव में कला स्थापनाओं, रंगोली, फेस पेंटिंग, पोर्ट्रेट पेंटिंग और मेहंदी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। युवा कलाकारों के लिए विशेष कला कार्यशालाएं और प्रत्यक्ष कला प्रदर्शन भी होंगे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। महोत्सव का विशेष आकर्षण 200 फीट लंबे कैनवास पर आओ बनाओ पेंटिंग थीम के तहत सामूहिक चित्रकारी होगी।

ARBiT
it happens here...



Raising Awareness: Observing World Pneumonia Day

World Pneumonia Day, observed every year on November 12, highlights the global fight against pneumonia, a preventable yet deadly respiratory infection that claims millions of lives annually, especially among children and the elderly. The day aims to raise awareness about prevention, timely diagnosis, and treatment, while advocating for better healthcare access and vaccination coverage worldwide. Health organizations, governments, and communities come together to educate the public, promote hygiene practices, and encourage immunization. Observing this day serves as a reminder of the importance of respiratory health and the collective effort needed to reduce pneumonia's impact globally.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
12 November 2026
A-B

#JOHN MCGINTY

32 Marines vs. an Entire Regiment

Without waiting for orders, McGinty ran through heavy machine-gun and mortar fire to reach them





War often produces stories of extraordinary courage, where a single leader and a small group of soldiers stand against overwhelming odds. One such story comes from the Vietnam War, when a young Marine named John James McGinty III led 32 Marines against an entire enemy regiment.



On July 18, 1966, in Quang Tri Province in South Vietnam, McGinty was a 26-year-old Staff Sergeant serving with the United States Marine Corps. His platoon of 32 Marines had been assigned a dangerous task: to act as the rear guard while their battalion withdrew after three days of intense fighting. Suddenly, a large force of North Vietnamese soldiers attacked them with small arms, machine guns, and mortars.

For four hours, wave after wave of enemy soldiers charged the small Marine platoon. Despite being greatly outnumbered, McGinty rallied his men and encouraged them to hold their ground. His leadership kept the Marines fighting even as the situation became more desperate.

During the battle, two squads of Marines became separated from the rest of the platoon. About twenty Marines were cut off, surrounded by the enemy, and nearly all of them were wounded. Their medic had already been killed. Without waiting for orders, McGinty ran through heavy machine-gun and mortar fire to reach them. Even after being wounded in his left eye by shrapnel, McGinty refused to stop. He crawled from Marine to Marine, reloading their weapons and placing rifles back into their hands so that they could continue fighting. He shouted encouragement and directed their fire while enemy soldiers closed in. At one point, when enemy troops tried to flank their position, McGinty confronted them directly and shot five of them at close range with his pistol. The battle was still not over. As the enemy prepared another massive assault that could have destroyed his platoon, McGinty made a risky decision.

He called in artillery and air strikes to within just fifty yards of his own position. This was extremely dangerous, because even a small error could have killed his own men. The strikes hit the attacking forces and forced them to retreat. When the battle ended, it was estimated that about 500 enemy soldiers had been killed. McGinty's small group of Marines had held their ground against overwhelming numbers.

For his extraordinary courage and leadership, McGinty received the Medal of Honor from U.S. President Lyndon B. Johnson in 1968. His actions saved the lives of many Marines and became one of the most remarkable stories of bravery during the Vietnam War.

Despite the recognition, McGinty remained humble. According to his family, he often said that he had simply done what any Marine sergeant would have done to protect his men. The story of John McGinty reminds us that leadership, courage, and determination can change the course of a battle, even when the odds seem impossible.



ISRAEL'S INCONCLUSIVE MANDATE



From now on, it will be horse-trading a ritual, not unusual in Israeli politics. Eisenkot has three likely routes. First, he can invite Arab parties into his government, which is unlikely as his allies, namely Avigdor Liberman and Naftali Bennett, have ruled out direct Arab participation.



Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

Israel's election ended without a clear winner. Neither Benjamin Netanyahu's bloc, with 53 seats, nor Gadi Eisenkot's, with 48 seats, reached the magic number of 61 or more to form the next government. But the Arab parties, running under the Joint List and the United List, or Ra'am, have together won a historic 19 seats in the 120-seat Knesset.

This is the largest Arab representation in Israeli history, up from 10 seats presently held and above the 15 seats they won in 2020. With 19 seats, the Arab parties have emerged as this election's surprise upset, and possibly, kingmakers.

The historic surge in Arab voter turnout has placed Israel's Arab-majority parties in a position to determine the next government, putting the Zionist opposition's long standing refusal to rely on their support to a potentially decisive test.

The Arab Vote

"Probably, the most important phenomenon of this election is the rise and the revival of the Arab vote," Daniel Shek, a former Israeli Ambassador, has said. "The statement is clear: You cannot disregard such a large portion of the electorate in the calculations for Israeli politics." Though, both Netanyahu and Eisenkot have rejected the idea of partnering with them, citing a lack of shared values.

Analysts at the Israel Democracy Institute once described the long slide in Arab turnout in Israeli general elections as seemingly irreversible: from about 75 percent in 1999 to 44.6 percent in 2021, then 53.2 percent in 2022. This week, the turnout was about 80 percent, above the national figure of 77.7 percent; a number that is significant across the Israeli political scene, especially since Palestinian citizens of Israel make up about a fifth of



#GOVERNING



Israel's population. Several factors explain this popular mobilization. The first is anger at Netanyahu's far-right government, which is perceived as ideologically anti-Arab, with far-right racist ministers openly inciting against their community. In a September Israel Democracy Institute poll, 54 percent of Palestinian citizens of Israel named rising crime their top voting issue.

The second factor is same-day backlash. Netanyahu spent Election Day fearmongering and warning that Palestinian citizens of Israel were flooding polling stations and accused them of trying to steal the election. Media reports say Likud and Religious Zionism sent nearly 2,000 activists to Arab polling places, which Arab parties say was meant to scare voters.

The third possible factor is the efforts especially by right-of-centre parties and the left, to get rid of Netanyahu after October 2023 and what followed. Many Palestinian citizens of Israel blame Netanyahu, for the atrocities committed in Gaza and the wave of terror being carried out in the West Bank.

Horse Trading

While neither Zionist camp expected the Arab parties to do so well, their win has blocked Netanyahu's path to forming a government on his own. His bloc is eight seats short of 61, Eisenkot's is thirteen short. High Arab turnout denied both a majority.

From now on, it will be horse-trading a ritual, not unusual in Israeli politics. Eisenkot has three likely routes. First, he can invite Arab parties into his government, which is unlikely as his allies, namely Avigdor Liberman and Naftali Bennett, have ruled out direct Arab participation. The second possible route is a quid-pro-quo deal in which Arab parties back him from outside, providing parliamentary support. Joint List leader Yousef Jabareen has offered exactly that to any government seeking to oust Netanyahu. At the same time, Ra'am's Mansour Abbas wants a real partnership and says he is talking to both blocs.

A third route, which is reportedly backed by the Donald Trump administration, is a unity government between Netanyahu and Eisenkot. It is possible on paper, but question marks remain about whether everyone involved would accept it, especially the opposition bloc, where Eisenkot and Liberman have vowed not to serve under Netanyahu under any circumstances.

For an Arab party to join an Israeli government, there is precedent. In 2021, Abbas signed a coalition deal with Bennett and Yair Lapid worth billions of dollars for the Arab community, which also led to the recognition of several Bedouin villages. Incidentally, the Standing Together group has said that rallies will be held across Israel to support a Jewish-Arab government by the so-called change bloc. "The Jewish-Arab majority that voted for change must also be reflected in the next government. Now is not the time to abandon our partnership, but to turn it into a political force that changes reality," the organisers have said.

For Netanyahu, any partnership between Eisenkot and the Palestinian citizens of Israel means derailment of his chances and his political comeback. He has dismissed any partnership with Arab parties as treasonous and said a government working with them would endanger Israel.

On 28 October, Likud also claimed that the Arab parties stole the election and demanded an investigation into vote rigging in Arab polling stations, but these are allegations. While his rivals try to resolve their differences, Netanyahu can use his political connections, maintain his partners' loyalty, and examine who in the opposing camp might prefer a compromise to another election. Some analysts also believe that Netanyahu will try to force a new election if his efforts to form a new government fail.

The surprise of this election is that Palestinian citizens of Israel showed up to vote in historic numbers. The test now is to see what they can get for it. There is also an irony. Arabs have voted in a democratic election in Jewish Israel, but in most Arab countries, there is no voting.

Yet, while the Arab parties have signaled their willingness to help bring about a change of government, Eisenkot and several of his prospective coalition partners would have to reverse their pledges not to rely on Arab lawmakers to form a government. As without the Arab parties' support, the opposition cannot secure a parliamentary majority. For the present, Netanyahu is likely to remain in office without a majority, while Eisenkot must overcome opposition divisions to form a government or face another election. The fact is that anyone looking to form a government will need to bring partners willing to sit together to the table.

rajeshsharma1049@gmail.com



The Dance Class

#EDGAR DEGAS



Degas's genius lies in how he balances intimacy with distance: we are close enough to notice exhaustion, yet never invited into sentimentality



Bulbul Joshi

The Dance Class is one of Degas's most incisive works, not because it romanticises ballet, but because it quietly dismantles the myth of effortless grace. What we see here is not performance, but preparation: a room full of young dancers caught between discipline and fatigue, elegance and strain.

Degas constructs the composition like a candid observation, almost as if the viewer has stepped into the studio unannounced. The space is asymmetrical, crowded, and alive with interruption, figures stretch, wait, adjust their costumes, or drift into private moments of distraction. Classical harmony is present, but deliberately unsettled, broken open by cropping, diagonals, and the sense of movement continuing beyond the frame.

The ballet master stands to the side, not theatrical but authoritative, reminding us that this world is governed by repetition and control. Degas's genius lies in how he balances intimacy with distance: we



are close enough to notice exhaustion, yet never invited into sentimentality. The whiteness of the tutus becomes almost architectural, catching light like fragile shells, while the muted green walls and wooden floor ground the scene in something ordinary, even workmanlike. Ballet here is labour as much as beauty. Ultimately, *The Dance Class* is Degas at his most modern, revealing art not as spectacle, but as process: imperfect, human, and relentlessly real.

#THE RIBBON EEL

A Mysterious Creature of Colour and Gender

At first glance, the Ribbon Eel's vibrant hues may seem purely ornamental, but they serve a deeper, functional purpose





The Ribbon Eel (Rhinomuraena quaesita) is a strikingly beautiful and enigmatic species of moray eel found in the coral reefs of the Indo-Pacific. Known for its vibrant and ever-changing colours, this eel goes through a remarkable transformation throughout its life. Perhaps, one of its most intriguing features is its ability to change gender and colour as it matures, making it a living example of the fluidity of nature. From black to blue to yellow, the Ribbon Eel's transition reflects not only physical change but also an extraordinary biological adaptation.

The Ribbon Eel's Colourful Life Stages

At first glance, the Ribbon Eel's vibrant hues may seem purely ornamental, but they serve a deeper, functional purpose tied to its life stages and gender changes. The Ribbon Eel's life cycle involves three distinct colour phases: black, blue, and yellow.

1. **Black (Juvenile Stage)**

When Ribbon Eels first hatch, they are a striking jet-black, with long, slender bodies and a yellowish dorsal fin. This stage of life, in which the eel is entirely black, is marked by a shy, reclusive nature. As juveniles, Ribbon Eels are solitary creatures, typically hiding in burrows or crevices in the coral reefs. They are primarily found in deeper waters and tend to be very cautious, avoiding potential threats. Their black colour serves as camouflage in their environment, helping them blend into the shadows of the reef.

2. **Blue (Adult Male Stage)**

As the Ribbon Eel matures, it undergoes a dramatic colour change, turning from black to a brilliant blue. At this stage, the eel has become male, and the blue colouration is most commonly associated with the adult male Ribbon Eel. This stage is often seen in mature eels as they begin to move into more visible areas of the reef, where they establish territories and begin searching for mates. The blue colouration in males is vivid, and it plays a role in attracting females. However, despite their striking appearance, males remain quite reclusive by nature, often staying hidden among rocks or coral.

3. **Yellow (Female Stage)**

The most dramatic and surprising transformation occurs when the Ribbon Eel transitions into its final and most recognizable form: the bright yellow female. The transformation from blue to yellow marks a shift in gender, as the eel moves from being male to female. This colour change is believed to be tied to a complex hormonal mechanism that is triggered by age, environmental conditions, and possibly, the presence of other eels. The yellow female Ribbon Eel is the most visible and prominent in the reef environment, often observed during mating periods. Yellow females are larger than their blue male counterparts, and their appearance signifies their readiness to breed. Once they reach this stage, they are usually seen in the company of males, engaging in a unique mating ritual.

A Shy and Solitary Nature

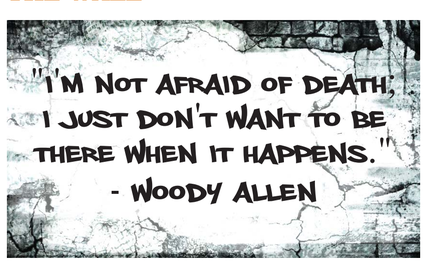
Throughout their life stages, Ribbon Eels maintain a shy and elusive nature. Even as adults, they tend to be solitary creatures, avoiding interaction with other eels and remaining hidden in crevices or burrows. This behaviour is partly a survival tactic, as Ribbon Eels are vulnerable to predation by larger fish and other marine creatures. Their shy nature is also linked to their need for a controlled and secure environment, where they can feed and reproduce without the threat of predators.

The Ribbon Eel's solitary and reclusive behaviour contrasts sharply with its vivid, attention-grabbing colouration. Despite their beauty and bright hues, Ribbon Eels are not aggressive or overtly social. Their primary concern is their own safety and the pursuit of food, typically consisting of small fish and invertebrates.

The Ribbon Eel is a remarkable creature that showcases the incredible diversity and adaptability of nature. Its ability to change colour and gender throughout its life is a fascinating example of how species evolve to meet the demands of their environments. From its shy, reclusive juvenile stage to its bold, colourful adult phases, the Ribbon Eel embodies the mystery and beauty of the underwater world.



THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



'उदयपुर शहर के विकास को पूरा करने में डबल इंजन सरकार की बड़ी भूमिका'

स्वच्छता, झील संरक्षण, पर्यटन और नागरिक सुविधाओं से पूर्ण उदयपुर के विजन को साकार करने में जुटे महापौर पारस सिंघवी

जयपुर/उदयपुर। ऐतिहासिक झीलों की नगरी उदयपुर केवल एक शहर नहीं बल्कि मेवाड़ की गौरवशाली विरासत, महाराणा प्रताप की वीरता, महाराणा उदयसिंह की दूरदर्शिता और हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। हमारा दायित्व केवल सड़कों, नालियों और भवनों का निर्माण करना नहीं है। बल्कि इस ऐतिहासिक शहर की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारा स्पष्ट लक्ष्य है- विकसित उदयपुर, श्रेष्ठ उदयपुर।



सीएम भजनलाल शर्मा

- एलिवेटेड रोड, खुले और चौड़े हाईवे एवं स्मार्ट मोबिलिटी कार्यों से शहरी परिवहन को मजबूती देने की पहल

उदयपुर के नवनिर्वाचित महापौर पारस सिंघवी ने अपने विजन को स्पष्ट करते हुए बताया कि इस ऐतिहासिक शहर का विकास उसकी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए होना चाहिए। उनका मानना है कि विकास का उद्देश्य केवल भौतिक संसाधनों का विस्तार नहीं बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाना भी है। महापौर का यह विजन शहर की सात प्रमुख प्राथमिकताओं-स्वच्छता, झीलों का संरक्षण, बेहतर सड़क एवं यातायात व्यवस्था, प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास, व्यापार और पर्यटन को प्रोत्साहन, जवाबदेह नगर निगम तथा जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता पर आधारित है। इन प्राथमिकताओं में सड़क नेटवर्क और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है, क्योंकि बेहतर कनेक्टिविटी का सीधा संबंध नागरिकों के दैनिक आवागमन से लेकर पर्यटन, व्यापार और रोजगार तक है।

शहर के विकास के इस लक्ष्य को पूरा करने में डबल इंजन सरकार की बड़ी भूमिका निभा रही है। स्मार्ट सिटी, मिशन अमृत 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 जैसी परियोजनाएं उदयपुर की विकास यात्रा को आगे बढ़ा रही है। पीएम ई-बस सेवा में शहर में प्रदूषणमुक्त और अत्याधुनिक सुविधा, तकनीक से लैस 50 इलेक्ट्रिक बस संचालन करने से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, समय की बचत होगी, यातायात प्रबंधन सुगम होगा। सिंघवी ने अगले 100 दिन, छह माह, एक वर्ष और पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल की प्राथमिकताओं का खाका प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम की कार्यशैली का मूल मंत्र सेवा, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही होगा।

उदयपुर में स्थानीय नागरिकों के दैनिक आवागमन के साथ पर्यटकों और व्यापारिक वाहनों का दबाव भी रहता है। ऐसे में वर्तमान यातायात चुनौतियों का समाधान करने के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर परिवहन अवसंरचना विकसित करना आवश्यक है। इसी दिशा में एलिवेटेड रोड, हाईवे चौड़ीकरण, बाईपास, लिंक रोड और स्मार्ट मोबिलिटी से जुड़े कार्य शहर के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बन रहे हैं। शहर के भीतर यातायात सुधार के साथ बाहरी मार्गों की क्षमता बढ़ाना भी जरूरी है। प्रतापनगर से बलिचा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-8 के लगभग 11.5 किलोमीटर लंबे हिस्से के चौड़ीकरण का कार्य प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया है। उपलब्ध विकास विवरण के अनुसार, उदयपुर में स्मार्ट मोबिलिटी के लिए 272.32 करोड़ रुपये के नए विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें शहरी परिवहन एवं मोबिलिटी में सुधार, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को मजबूत करने, सड़क सुदृढ़ीकरण तथा नए मार्गों के विकास जैसे कार्य शामिल हैं।

महापौर सिंघवी ने व्यापार, पर्यटन और रोजगार को प्रोत्साहन देने को अपनी सात प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। महापौर ने झीलों के संरक्षण, जल प्रदूषण की रोकथाम, सीवेज प्रबंधन, जलग्रहण क्षेत्रों की सुरक्षा और हरित क्षेत्र के विस्तार को प्राथमिकता देने की बात कही है। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय आवश्यक होगा, ताकि विकास कार्यों के साथ प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। इसी प्रकार स्वच्छता को केवल नियमित प्रशासनिक कार्य के बजाय जनभागीदारी से जुड़े अभियान के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। सिंघवी ने प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी है। इसके लिए पार्षदों से वार्डवार विकास कार्यों की सूची तैयार करने, उनकी प्राथमिकता निर्धारित करने और उपलब्ध बजट के अनुसार कार्यों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया है। महापौर ने शिकायतों के पंजीकरण, उनकी स्थिति की जानकारी और निर्धारित समय में समाधान की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया है।

सिंघवी की परिकल्पना ऐसा उदयपुर तैयार करने की है, जहां स्वच्छता नागरिक जीवन का हिस्सा हो, झीलें और प्राकृतिक विरासत सुरक्षित रहें, सड़कें एवं प्रकाश व्यवस्था बेहतर हों, व्यापारियों को व्यवस्थित बाजार मिलें और पर्यटकों को सुविधाजनक अनुभव प्राप्त हो। साथ ही नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह बने।

मालगाड़ियों की रफ्तार में जोधपुर मंडल ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

जोधपुर, (कासं)। मालगाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के मामले में उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बेहतर परिचालन प्रबंधन और मजबूत विभागीय समन्वय के दम पर मंडल ने बुधवार को मालगाड़ियों की औसत गति 34.40 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की। यह जोधपुर मंडल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस उपलब्धि के साथ मंडल ने भारतीय रेलवे के सभी मंडलों में दूसरा स्थान हासिल किया। पहले स्थान पर मदुरै मंडल रहा, जहां मालगाड़ियों की औसत गति 46.50 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई।

- जोधपुर मंडल देश में बना नंबर-2, भारतीय रेलवे के मंडलों में मदुरै के बाद दूसरा स्थान

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार यह उपलब्धि सुनियोजित परिचालन, बेहतर कार्य प्रबंधन और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी तालमेल का परिणाम है। मालगाड़ियों के संचालन में समय की बचत और उपलब्ध रेल संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिचालन गतिविधियों की नियमित निगरानी और अधिकारियों-कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से मंडल ने अपना पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है।

डीआरएम ने कहा कि मालगाड़ियों की औसत गति में यह बढ़ोतरी रेलवे की माल ढुलाई व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तेज गति से माल परिवहन होने पर वस्तुओं को गंतव्य तक पहुंचाने में लगने वाला समय कम होता है। इससे रेल नेटवर्क की क्षमता का बेहतर उपयोग करने और मालगाड़ियों के परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जोधपुर मंडल का यह प्रदर्शन बेहतर योजना, सतत निगरानी और टीमवर्क की सफलता को दर्शाता है। मंडल अब इस उपलब्धि को बरकरार रखते हुए माल परिवहन को और अधिक तेज, सुरक्षित एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार के लिए परिचालन व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। इसके तहत ट्रेनों की आवाजाही की प्रभावी निगरानी, समयबद्ध संचालन और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस गति को बनाए रखने और माल परिवहन को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के प्रयास जारी रहेंगे।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में ट्रैकिंग के दौरान घायल वॉलंटियर की मौत

बूंदी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बुधवार को रूटीन ट्रैकिंग के दौरान वाहन से नीचे गिरकर घायल हुए वॉलंटियर कमल बैरवा की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें गंभीर हालत में बूंदी जिला अस्पताल लाया गया था, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर कर दिया गया।

रेंजर मुकेश मीणा ने बताया कि वन विभाग का वाहन कार्यालय से रामगढ़ की ओर रूटीन ट्रेकिंग के लिए जा रहा था। इसी दौरान फोखानाडा के पास ट्रेकिंग के दौरान वाहन में सवार तलवास देवपुरा निवासी वॉलंटियर कमल बैरवा नीचे गिरकर घायल हो गया। साथ मौजूद शैतान मीणा ने गिरने का कारण पूछा तो कमल ने चक्कर आने के कारण नीचे गिरने की बात बताई। घटना की सूचना कर्मचारियों ने रेंजर मुकेश मीणा को दी। इसके बाद रेंजर घायल कमल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए कोटा रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

'बाहर से आकर बसे व्यक्ति को राजस्थान में सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा है कि दूसरे राज्य के आरक्षित वर्ग से राजस्थान आकर बसे व्यक्ति को यहां सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं मिलेगा। ऐसे उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी में माना जाएगा।

- राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा है कि दूसरे राज्य के आरक्षित वर्ग से राजस्थान आकर बसे ऐसे उम्मीदवारों को सामान्य श्रेणी में माना जाएगा

जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने बारिया शर्मिष्ठा बेन की विशेष अपील खारिज कर दी। बारिया शर्मिष्ठा बेन मूल रूप से गुजरात की रहने वाली हैं। वे वहां अनुसूचित जनजाति वर्ग में आती हैं। शादी के बाद वे राजस्थान आकर बस गईं। उन्होंने राजस्थान में नर्सिंग ऑफिसर पद के लिए आवेदन किया और एसटी श्रेणी में आरक्षण मांगा था। राज्य सरकार ने विज्ञापन की शर्तों और नियमों का हवाला देते हुए उन्हें एसटी श्रेणी में मानने से इनकार कर दिया। उनकी उम्मीदवारी सामान्य श्रेणी में रखी गई। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट की एकल पीठ में याचिका दायर की थी। 23 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के 'रंजना कुमारी बनाम उत्तराखंड राज्य' मामले के फैसले के आधार पर याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने खंडपीठ में अपील की। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने 'मरी चंद्र शेखर राव' और 'एक्शन कमेटी ऑन द इशू ऑफ कास्ट सर्टिफिकेट' मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया।

खंडपीठ ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में सामाजिक कठिनाइयों और पिछड़ेपन के पैमाने अलग होते हैं। इसलिए एक राज्य की सूची में शामिल जाति को दूसरे राज्य में अपने आप आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। अदालत ने अपील खारिज कर दी।

चुनाव जीत के जश्न में एयरगन लहराई

राजसमंद, (निसं)। वार्ड पंच चुनाव में जीत के जश्न के दौरान एयरगन लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजसमंद पुलिस ने युवक को एयरगन सहित गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार राजसमंद पुलिस की सोशल मीडिया सेल के संज्ञान में एक वीडियो आया, जिसमें वार्ड पंच चुनाव में जीत के जश्न के दौरान एक युवक एयरगन लहराता हुआ दिखाई दे रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान चेतन सिंह पुत्र मदन सिंह रावत के रूप में की। पुलिस ने आरोपी को एयरगन सहित दस्तयाब किया।

डॉ. जसवंत यादव के निधन पर कर्नाटक की राज्यपाल और सतीश पूनिया ने शोक जताया

अलवर, (निसं)। पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. जसवंत यादव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव और भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया, पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर बुधवार को उनके अलवर स्थित निवास पर पहुंचे। सभी ने डॉ. जसवंत यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस दौरान कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव ने डॉ. जसवंत यादव के साथ अपने राजनीतिक अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जब वह पहली बार सांसद बनी थीं, उस समय डॉ. जसवंत यादव भी सांसद थे। उनके साथ काम करने का अवसर मिला और उनके अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने बताया कि डॉ. जसवंत यादव ने उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में काम करने और जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करने का तरीका सिखाया।

सुधा यादव ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव एक दमदार नेता थे। उनका इस तरह चले जाना पूरे क्षेत्र, समाज और कम्युनिटी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में एक बड़ा खालीपन पैदा हुआ है। उन्होंने डॉ. जसवंत यादव के पुत्र मोहित यादव को अपने पिता के पदचिह्नों पर चलते हुए उनके सपनों को पूरा करने तथा जनता के बीच रहकर क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए काम करने की बात कही।

वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनिया ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव से उनका केवल पार्टी के स्तर पर ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी गहरा जुड़ाव रहा। उनके साथ लंबे समय तक राजनीतिक और संगठनात्मक संबंध रहे। उन्होंने कहा कि जसवंत यादव ने जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया। वह बीमारी से भी लड़े और विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूती के साथ खड़े रहे। सतीश पूनिया ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव का व्यक्तित्व और उनका राजनीतिक जीवन पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक रहा है। वह ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ता और नेता थे, जिन्हें एक आइकॉन के रूप में देखा जा सकता है। उनका संघर्ष, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा हमेशा याद रखी जाएगी।

दोनों नेताओं ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव का योगदान और उनकी जनसेवा के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन भाजपा परिवार और पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके विचार और कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा देते रहेंगे।

इस दौरान थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीणा, पूर्व विधायक जयराम जाटव, बनवारी लाल सिंघल एवं ज्ञानदेव आहूजा, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने भी दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चेन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला से हुई चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने पवन राव (20) पिता रतनलाल राव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार सुभाषनगर निवासी 60 वर्षीय प्रेम देवी पत्नी स्व. भंवरलाल रेगर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को शाम करीब 4:45 बजे वह अपनी बहू के साथ स्कूटी से मार्केट से घर लौट रही थीं। इसी दौरान आरसी व्यास कॉलोनी से सुभाषनगर की ओर जाते समय पीछे से बाइक पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके गले से 5 ग्राम का लॉकेट और 17 ग्राम सोने की चेन तोड़ ली और फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार सुभाषनगर थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई की टीम का गठन किया गया।

सीकर में धनतेरस पर सोने की लूट करने वाले आरोपी और चार दोस्तों को जेल भेजा

सीकर, (निसं)। सीकर शहर में धनतेरस पर ज्वैलर पिता की दुकान के कारीगर से सोने की लूट करने वाले आरोपी बेटे, उसके चार दोस्तों को कोर्ट ने बुधवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर रैकी में काम ली गई बाइक और वारदात में काम में ली गई किराए की गाड़ी भी बरामद कर ली है।

- ज्वैलर पिता की दुकान के कारीगर से सोने की लूट करने का मामला

जानकारी के अनुसार सीकर में 6 नवंबर की रात धोद रोड पर यह वारदात हुई थी। ज्वैलर इंद्रचंद सोने की दुकान पर काम करने वाला बंगाली कारीगर असमत अली अपनी स्कूटी की डिक्की में लाखों रुपए का सोना लेकर घर पर जा रहा था। इसी दौरान उनके साथ स्विफ्ट गाड़ी में आए नकाबपोश बदमाशों ने लूट की। कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे में सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। घटना का मास्टरमाइंड इंद्रचंद सोनी का बेटा मोहित सोनी निकला। पिता की दुकान पर काम करने वाले बंगाली कारीगर असमत से गोल्ड लूटने की फिराक में मोहित 3 महीने से था। धनतेरस के दिन उसे पता था कि कारीगर के पास ज्यादा सोना है, इसलिए पहले दोस्त शक्ति से रैकी करवाई। इसके बाद अपने दोस्त सौरभ, जयकांत, प्रियांशु के साथ लूट की वारदात की थी।

आरोपियों ने वारदात करने के लिए जयपुर रोड पर किराए की गाड़ी ली। घटना में शामिल शक्ति सोनी ने अपने चाचा की बाइक से रैकी की थी। दोनों वाहनों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। साथ ही लूटा हुआ सोना भी बरामद कर लिया। आरोपियों को 8 नवंबर को पुलिस ने कोर्ट में पेश करके 3 दिन का पुलिस रिमांड लिया था। रिमांड बुधवार को पूरा होने के बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

तीन भाइयों में झगड़ा हुआ

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में पारिवारिक व संपत्ति विवाद के चलते तीन भाइयों में झगड़े का मामला सामने आया है। मामले के अनुसार विवाद को लेकर परिवार के दो पक्ष आमने-सामने हो गये। मामले में दोनों पक्षों ने नान्ता थाने मे मामला दर्ज कराया है।

क्रेन की बैटरी चोरी कर कबाड़ी को 1600 रुपए में बेची

अजमेर, (निसं)। शहर में चोरी की घटनाओं के बीच घर के बाहर खड़ी हाइड्रो क्रेन से बैटरी चोरी होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि चोर ने करीब 8 से 9 हजार रुपए कीमत की बैटरी को लाडपुरा रोड स्थित एक कबाड़ी के यहां महज 1600 रुपए में बेच दिया। पीड़ित ने अपने स्तर पर तलाश कर बैटरी का पता लगाया और उसे बरामद करवाया।

पीड़ित बन्ना सिंह रावत के अनुसार, उनकी श्रीराम क्रेन घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति क्रेन में लगी बैटरी चोरी कर ले गया। बैटरी गायब होने का पता चलने पर उन्होंने अपने स्तर पर आसपास पूछताछ और जानकारी जुटाना शुरू किया। इस दौरान भुनाभाई गांव के सुनील उर्फ गोगा का नाम सामने आया। पीड़ित पक्ष का दावा है कि पूछताछ के दौरान युवक ने बैटरी चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद लाडपुरा रोड स्थित एक कबाड़ी की दुकान पर बैटरी मिलने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि चोरी की गई बैटरी कबाड़ी को 1600 रुपए में बेची गई थी, जबकि उसकी बाजार कीमत करीब 8 से 9 हजार रुपए है।

बन्ना सिंह रावत का कहना है कि उनकी क्रेन से पहले भी तीन से चार बैटरियां चोरी हो चुकी हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य सिविल लाइंस थाना पुलिस को सौंपे हैं। साथ ही ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवाई है।

डूंगरपुर के विकास मॉडल को देख न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर अभिभूत हुए

न्यायाधिपति माथुर ने क्षेत्र में हुए कार्यों का अवलोकन करने के बाद स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता के विजन और कार्यशैली की सराहना की

डूंगरपुर, (निसं)। स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार सात बार प्रदेश में अव्वल रह चुके डूंगरपुर शहर की बदलती तस्वीर ने राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर को खासा प्रभावित किया। शहर में स्वच्छता के साथ खेल, शिक्षा, पर्यटन, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और आधुनिक नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में हुए कार्यों का अवलोकन करने के बाद उन्होंने स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता के विजन और कार्यशैली की सराहना की। गैप सागर झील की पाल पर आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत लेजर एवं ग्राफिक्स शो देखकर न्यायाधिपति माथुर ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं लंदन में बैठा हूं।" वहीं के.के. गुप्ता की सराहना करते हुए उनके मुंह से निकले शब्द "वाह गुप्ता जी वाह, आपने कमाल कर दिया" कार्यक्रम का खास आकर्षण रहे।



राज. हाईकोर्ट के न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर का डूंगरपुर पहुंचने पर के.के. गुप्ता ने स्वागत किया।

- गैप सागर झील की पाल पर आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत लेजर एवं ग्राफिक्स शो देखकर न्यायाधिपति माथुर ने कहा, "मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं लंदन में बैठा हूं"

जानकारी के अनुसार न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर ने वसुंधरा विहार में श्री राजसिंह डूंगरपुर स्पोर्ट्स जोन और नई सब्जी मंडी स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महारावल हर्षवर्धन सिंह, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर केके गुप्ता, नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता, उपसभापति अनिल पटेल, नगर परिषद आयुक्त ललित सिंह देथा, भाजपा जिला महामंत्री पंकज जैन, पार्षदगण, अधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्पोर्ट्स जोन के लोकार्पण के दौरान महारावल हर्षवर्धन सिंह ने गेंदबाजी की, जबकि न्यायाधिपति माथुर ने बल्लेबाजी करते हुए शानदार चौका लगाया। आधुनिक खेल सुविधाओं का अवलोकन कर उन्होंने इसे युवाओं के लिए उपयोगी पहल बताया। इसके बाद वे प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र पहुंचे और पुस्तकालय सहित अध्ययन के लिए विकसित सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि डूंगरपुर के युवाओं के सपनों और उम्मीदों का प्रतीक है। संसाधनों की कमी अब सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए।

न्यायाधिपति माथुर ने कहा कि डूंगरपुर को प्रकृति ने सुंदरता और ऐतिहासिक विरासत का अनमोल खजाना दिया है, लेकिन अब विकास के प्रयासों से शहर को नई पहचान मिल रही है। केके गुप्ता जिस विजन, ऊर्जा, निष्ठा और जुनून के साथ शहर के लिए काम कर रहे हैं, वह केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी केके गुप्ता से बहुत कुछ सीखते हैं। शहर में स्थापित 28 आरओ के माध्यम से मात्र 10 रुपए में 20 लीटर पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की भी उन्होंने सराहना की। शहर भ्रमण के दौरान न्यायाधिपति माथुर ने गेम जोन में आधुनिक गेमिंग सुविधाएं देखीं। इसके बाद रिंग रोड से शहर की हरियाली और झीलों के नजारों का अवलोकन किया। बर्ड सेंचुरी पार्क में विभिन्न प्रजातियों के फूलों और उद्यानों की सुंदरता ने भी उनका ध्यान आकर्षित किया।

के.के. गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2015 से 2020 के दौरान नगर परिषद ने उन्नित सेवा संस्थान के माध्यम से 1335 महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया। नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता ने कहा कि शपथ ग्रहण के पहले दिन से ही नो पेंडेंसी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शनिवार और रविवार को भी नगर परिषद में कामकाज जारी रखा गया।

पैर फिसलने से नहर में डूबने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके की दायी मुख्य नहर में डूबने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जिसका शव घटना स्थल से डेढ़ किलोमीटर दूर बरामद हुआ।

जानकारी के अनुसार नान्ता इलाके में युवक अपनी पत्नी के साथ नहर में नहाने के लिये गया था। किनारे पर नहाते समय पैर फिसलने से नहर मे गिर गया और पानी का बहाव तेज होने से बह गया, मौके पर मौजूद पत्नी की चिल्लाने की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और नहर में युवक के डूबने की सूचना पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम को दी गई। नहर में युवक के डूबने की सूचना पर पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची और गोताखोर टीम ने काफी मशक्कत के बाद घटना से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक के शव को बरामद किया। नान्ता थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि नान्ता इलाके के दांयी मुख्य नहर मे युवक के डूबने की सूचना मिली। सूचना पर नगर निगम गोताखोर टीम सहित एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीमें मौके पर पहुंची और नहर में डूबे युवक की तलाश के लिये रेस्क्यू अभियान चलाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि नान्ता इलाके के पार्श्वनाथ सिटी निवासी राजेन्द्र उपाध्याय (40) अपनी पत्नी के साथ नहर पर नहाने के लिये गये थे, जहां पैर फिसलने से नहर मे गिर गये। रेस्क्यू टीम को घटना के डेढ़ किलोमीटर दूर राजेन्द्र उपाध्याय का शव बरामद हुआ, जिसे बाहर निकाला गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

सीकर से दो महिलायें और एक युवती लापता

सीकर, (निसं)। सीकर में दो महिलाओं और एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों महिलाओं के पति और युवती के पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार 32 साल की महिला के लापता होने के केस में उसके पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि नौ नवंबर की शाम करीब चार बजे उसकी पत्नी ने बच्चे को कमरे में छोड़ दिया और मार्केट में सामान लाने की बात कहकर घर से निकल गई। शाम 6:30 बजे तक जब वह वापस नहीं आई तो पति ने मोबाइल पर कॉल किया। लेकिन कोई भी कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद पति ने आस-पड़ोस में काफी तलाश की लेकिन पत्नी का कुछ पता नहीं चल पाया।

वहीं सीकर में शादी के 14 साल बाद महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 10 नवंबर को उनकी पत्नी घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। जिसका अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। पत्नी के पास करीब एक महीने पहले एक मोबाइल मिला था। फिलहाल इस मामले में भी पुलिस महिला की तलाश कर रही है। इसी प्रकार सीकर में 22 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 7 नवंबर को उनकी बेटी सुबह घर से सहेली के शादी समारोह में जाने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद वहां पहुंचने पर कहा कि वह तो 9 नवंबर को वापस आएगी।

बिरसा मुंडा की 151 वी जयंती जनजाति गौरव उत्सव के रूप में मनाई जायेगी : दिलावर

अलवर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय अलवर पर भगवान बिरसा मुंडा की 151 वी जयंती जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा आगामी जनजातीय गौरव सप्ताह विषय पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसे राजस्थान के शिक्षा पर पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए मदन दिलावर ने कहा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महाननायक, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती और जनजाति गौरव दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर राजस्थान प्रदेशभर में 11 नवंबर से 23 नवंबर, 2026 तक जनजाति गौरव सप्ताह का भव्य और व्यापक आयोजन किया जा रहा है।

इस राष्ट्रव्यापी आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, स्वाभिमान और देश के स्वतंत्रता संठााम में उनके अतुलनीय योगदान को जन-जन तक पहुँचाना है।



भगवान बिरसा मुंडा की 151 वी जयंती मनाने के सम्बंध में पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने पत्रकारों को संबोधित किया।

भगवान बिरसा मुंडा (1875-1900) ने अपने अल्प जीवन में ब्रिटिश उपनिवेशवादी सत्ता और सामंती शोषण के विरुद्ध जनजाति समाज को संगठित किया। वे केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान धार्मिक-समाज सुधारक और जनजाति संस्कृति के सच्चे संरक्षक व प्रेरणास्त्रोत्र थे। वर्ष 2021 में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 नवंबर (भगवान बिरसा मुंडा की जयंती) को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक घोषणा की गई थी। आज केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समावेषी विकास-शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और वनोपज के मूल्य संवर्धन-के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

> ■ **वे केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि एक महान धार्मिक-समाज सुधारक और जनजाति संस्कृति के सच्चे संरक्षक व प्रेरणास्त्रोत्र थे**

'शिक्षा के बिना व्यक्ति, समाज तरक्की नहीं कर सकता'

मनोहरपुर । कांग्रेसी नेता नदीम पठान ने कहा कि 11 नवंबर को देशभर में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर कई आयोजन किए जाते है। पठान ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। शिक्षा के बिना व्यक्ति, समाज और देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

पठान ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जी ने देश में शिक्षा की नींव को मजबूत करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा कहा था कि शिक्षा से ही गरीबी, अंधविश्वास और पिछड़ापन दूर हो सकता है। आज हमें उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ना है। कार्यक्रम में पठान ने बच्चों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ने, बड़ों का सम्मान करने और अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी। बच्चों ने भी शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

सार-समाचार

भाई दूज पर बसों में सीट के लिए मारामारी



भरतपुर । भाई दूज पर बसों में सीट के लिए हुई मारामारी, हीरादास बस स्टैंड पर उमड़ा यात्रियों की भीड़ का सैलाब, बहनों को करना पड़ा घंटों तक इंतजार। दीपावली पर्व को देखतें हुए रोडवेज प्रशासन द्वारा अतिरिक्त बसों का प्रबंध नहीं किया गया। रोडवेज प्रशासन की लापरवाही आई सामने। रोडवेज के दो डिपो भरतपुर एवं लोहागढ़ आगार होने एवं सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद रोडवेज प्रबंधन में लापरवाही सामने आई है। भाई दूज के पर्व पर भरतपुर के हीरादास बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही बस स्टैंड पर यात्रियों का हुजूम नजर आया। भाई दूज पर बहनें अपने भाइयों को तिलक करने और दौज जीमने के लिए मायके और ससुराल की ओर रवाना हुईं। त्योहार के चलते बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ने से सीट पाने के लिए मारामारी की स्थिति बन गई। हालात ऐसे रहे कि बस के बस स्टैंड पर पहुंचते ही यात्री सीट पाने के लिए चढ़ने की जल्दी में नजर आए। महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। कई महिलाएं भाइयों के लिए मिठाई और उपहार लेकर सफर कर रही हैं, लेकिन बसों में जगह नहीं मिलने के कारण उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है। बस स्टैंड पर नदबई जाने के लिए बस का इंतजार कर रही महिला यात्री ने बताया कि वह भाई दूज पर अपने भाई को दौज जीमने के लिए नदबई जा रही हैं। पिछले एक घंटे से बस का इंतजार कर रही हैं, लेकिन बस नहीं मिलने से काफी परेशानी हो रही है। त्योहार के दिन भी समय पर बस नहीं मिलने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू किया है। दिल्ली, अलवर, जयपुर, आगरा, मथुरा, नदबई, बयाना और रूपवास सहित प्रमुख रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाए गए हैं । बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ और बसों में चढ़ने की आपाधापी को देखते हुए पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है, ताकि व्यवस्था बनी रहे और यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। भाई दूज के चलते सुबह से ही बस स्टैंड पर यात्रियों की आवाजाही जारी रही।

श्री पंचमुखी दरबार सेवा समिति ने बांटे कंबल

भीलवाड़ा । धार्मिक आस्था के साथ मानव सेवा और परोपकार की भावना को आत्मसात करते हुए श्री पंचमुखी दरबार सेवा समिति, भीलवाड़ा की ओर से अन्नकूट पर्व के पावन अवसर पर जरूरतमंद एवं निर्धन परिवारों को कंबल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के जरिए बढ़ती सर्दी के मौसम में गरीबों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में संवेदनशीलता और भाईचारे का संदेश दिया गया। धार्मिक पर्वों का उद्देश्य समाज सेवा: महंत लक्ष्मण दास त्यागी: समिति के अध्यक्ष महंत लक्ष्मण दास त्यागी ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा, दान और परोपकार को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। धार्मिक पर्व केवल पूजा-पाठ या उत्सव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये हमें समाज के असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करने की गहरी प्रेरणा देते हैं। इसी उद्देश्य के साथ अन्नकूट के पावन पर्व पर कंबल वितरण का यह नेक कार्य किया गया। सामाजिक सरोकारों में निरंतर अग्रणी है समिति : समिति के महामंत्री परमेश्वर दास ने जानकारी दी कि श्री पंचमुखी दरबार सेवा समिति निरंतर धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

सार-समाचार

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने संभाली जिम्मेदारी



मानपुरा माचैड़ी। शुक्रवार को ग्राम पंचायत मानपुरा माचैड़ी के नवनिर्वाचित सरपंच सुल्तान नेगी एवं उपसरपंच जितेंद्र सिंह शेखावत ने 20 वार्ड पंचों के साथ विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत परिसर में उत्साह का माहौल रहा कार्यभार ग्रहण करने के दौरान नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत के विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंनामीणों को विश्वास दिलाया कि सभी वार्डों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे तथा आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे । इस अवसर पर ग्रामीणों एवं समर्थकों ने नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच एवं सभी वार्ड पंचों को शुभकामनाएं दीं।

त्रिवेणी धाम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष तारा अठावाल एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद शाहपुरा क्षेत्र त्रिवेणी धाम में ''राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस ''पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में त्रिवेणी धाम में आये हुए उपस्थित नागरिकों को बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के तत्वावधान में सम्पूर्ण भारत में उन समुदाय, नागरिकों को जो गरीबी रेखा के कारण न्याय सबको मिले, सुलभ हो, न्याय पाने से वंचित रह गए है उन अशिक्षित होने के कारण अपनी बात कहने में असमर्थ है,उन तबकों में असहाय महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग पीड़ित महिला पुरूष, जो आवेदन फार्म भरना नहीं जानते। उन्हें न्याय मिल सके। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने समस्त नागरिकों की समस्याओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है 15100 यह फ्री मिस कॉल नम्बर पर आपकी समस्याओं के लिए फोन करें। सबको न्याय मिलेगा। यह न्याय सबके लिए है। सबको न्याय पाने का अधिकार है। संविधान प्रदत मौलिक अधिकार में शिक्षा, डिजिटल महिलाओं एवं विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा, मूलभूत सुविधाएं, चिकित्सा एवं सबको न्याय सुलभ हो, एवं निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध हो, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक जिला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिया गया है। उन्हें पैनल एडवोकेट के द्वारा, या अधिकार मित्र के द्वारा जो इन लोगों की समस्याओं को बारीकी से अध्ययन करते है। उन्हें जागरूक करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार इनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए इन तबकों के लोगों का आधार कार्ड, जन आधारकार्ड, बैंक में खाता खुलवाने से लेकर पीड़ित दिव्यागों के वरिष्ठ नागरिक वृद्धावस्था पैंशन योजना में सहयोग भी करते है।''अधिकार मित्र न्यायालय की एक कड़ी है, यह इकाई न्याय की पहुंच के विश्वास को '' जो इन पीड़ित लोगों के मध्य

मौलाना आजाद की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

कोटा । भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात शिक्षाविद्, विचारक एवं देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर बुधवार को एक निजी शिक्षण संस्थान में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन शाहरुख खान शायर ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सिराज अहमद अंसारी, ए.एम.पी. कन्वीनर, कोटा ने मौलाना आजाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। उन्होंने अपनी लेखनी, विचारों और नेतृत्व के माध्यम से देश में राष्ट्रीय चेतना, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया। वक्ता नूर अहमद पठान ने कहा कि मौलाना आजाद का मानना था कि किसी भी देश की तरक्की का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा के बिना समाज और राष्ट्र का समुचित विकास संभव नहीं है। देश के प्रथम शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा के विस्तार, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। वक्ता जाहिद निजामी मस्तान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मौलाना आजाद ने हमेशा समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा पहुंचाने पर जोर दिया। वे शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे।

भाई दूज के अवसर पर कैदी भाइयों को तिलक लगाने पहुंची बहनें

दूज को भाई के तिलक लगाकर बहनों ने लम्बी आयु की कामना की, बदले में भाईयों ने बहनों को गिफ्ट दिये

भरतपुर (निसं)। भरतपुर जिला ब्रज क्षेत्र में आता है और ब्रज क्षेत्र होने की वजह से यहाँ भाई दूज का विशेष महत्व रहता है भाई बहन के प्रेम के प्रतीक भाई दूज का त्यौहार आज भरतपुर में उल्लास और परंपरागत तरीके के साथ मनाया जा रहा है जहाँ बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर टीका लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की वही भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा करने का वचन दिया । बस स्टैंड पर महिलाओं की काफी भीड़ देखने को मिली है।

केन्द्रीय कारागार सेवर जेल में भी बहनें अपने कैदी भाइयों को तिलक लगाने के लिए पहुंची जहाँ उन्होंने मैन गेट पर बैठ कर बाहर से ही अपने भाइयों को तिलक लगाया जहाँ जेल प्रशासन की तरफ से पूरा इंतजाम किया गया था जेल प्रशासन ने बहनों को मिठाई खिलाने की और तिलक लगाने की अनुमति दी थी जिस पर बहने अपने भाइयों के तिलक लगाकर मुंह मीठा कर उनकी लंबी आयु की कामना की इस मौके पर भाइयों से मिलकर बहनें और भाई भावुक हो गये बहिने अपने आँसुओं को नहीं रोक पाई।

आज सुबह बहिनों ने सबसे पहले पूजा पाठ कर दौज माता की कहानी सुनी और फिर भाइयों के तिलक लगाकर उन्हें मिठाई खिलाई आज के दिन केंद्रीय कारागार सेवर में भी बंदी भाइयों से मिलने उनकी बहिने पहुंची जहाँ जेल प्रशासन ने बड़ी शालीनता से भाई-बहिनो को मिलवाया द्य भाई दौज पर रोडवेज बस स्टैंड पर भी भारी भीड़ देखने को मिली बसें आते ही फुल हो जाती बस में बैठने के लिए भी महिलाओं और पुरुषों को मशक्कत करते देखा गया है।

> ■ **जेल प्रशासन ने बहनों को मिठाई खिलाने की और तिलक लगाने की अनुमति दी थी जिस पर बहने अपने भाइयों के तिलक लगाकर मुंह मीठा कर उनकी लंबी आयु की कामना की इस मौके पर भाइयों से मिलकर बहनें और भाई भावुक हो गये बहिने अपने आँसुओं को नहीं रोक पाई**

15 लोगों ने डोनेट की एसडीपी

कोटा । पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव के दौरान जहां एक और कोटा शहर खुशियां मना रहा था वहीं दूसरी और टीम जीवनदाता के रक्तवीर लोगों की सेवा करने में जुटे हुए थे, किसी ने दीपावली की खुशियों को दरकिनार कर एसडीपी डोनेशन किया तो किसी ने गोवर्धन पूजा के दौरान एसडीपी डोनेशन कर मानवीय कर्तव्य निभाया। किसी ने घर परिवार को छोड़कर दिवाली पर एसडीपी डोनेशन किया तो किसी ने देर रात दौड़ते हुए अनजान की जान बचाने का प्रयास किया। लायन क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि पांच दिवसीय दीपोत्सव के दौरान 15 लोगों ने एसडीपी इंडोनेशियन किया जिसमें चेतन राठौड़ बी नेगेटिव, सतीश शर्मा बी नेगेटिव, अतुल विजय ओ पॉजिटिव, रजनीश खंडेलवाल बी पॉजिटिव, वर्धमान जैन ए पॉजिटिव, मनीष माहेश्वरी बी पॉजिटिव व शनि कश्यप बी नेगेटिव ने दिवाली पर अपनी व्यस्तताओं को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों की पूर्ण मनोभाव से सेवा की ।

कांग्रेस एवं भाजपा के बड़े नेता नहीं आए चुनाव प्रचार में

भरतपुर (निसं)। पंचायत राज चुनावों के संबंध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी चिरंजीव राव का भरतपुर पधारने पर लुधाबई टोल प्लाजा पर जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा एवं डीग जिलाध्यक्ष राजीव सिंह कुम्हेर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सूत की माला पहनाकर स्वागत किया।

जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि जिले में चल रहे पंचायती राज चुनावों के संबंध में होटल निहाल पैलेस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में चिरंजीवी राव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजस्थान में भाजपा की रीतिनीतियों की जमकर आलोचना की। राव ने कहा कि आम जनता के मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं जिनमें केवल कांग्रेसी कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि अन्य दलों तथा सामाजिक कार्यकर्ता भी सरकार के खिलाफ साथ दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की जनता भाजपा सरकार के कारनामों को जान चुकी है और भाजपा को उखाड़कर फेंकने का मन बना चुकी है। श्री राव ने ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का जिक्र करते हुए खाद बीज की किल्लत, बिजली किल्लत, ग्रामीण विकास योजनाओं में फंड की कमी आदि का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से चुनाव जीतेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद श्री चिरंजीवी राव ने सभी कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त करते हुए पंचायत चुनावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में में जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा एवं डीग जिलाध्यक्ष राजीव सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पंचायत राज चुनावों में संबंधित क्षेत्रों में जाकर तुरंत पार्टी हित में कार्य करने का आव्हान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में धौलपुर सांसद भजन लाल जाटव, जिला प्रभारी देशराज मीणा, हरजीत सांखला, प्रेम प्रजापति, लोकपाल सिंह सहित काफी कार्यकर्ता मौजूद थे।

> ■ **कांग्रेस के एआईसीसी सचिव एवं राजस्थान के सह प्रभारी चिरंजीव राव आए भरतपुर**
> ■ **पंचायत राज चुनावों के संबंध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी चिरंजीव राव का भरतपुर पधारने पर लुधाबई टोल प्लाजा पर जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा एवं डीग जिलाध्यक्ष राजीव सिंह कुम्हेर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया**

महिला मुखिया को आटे के कट्टे वितरित

भीलवाड़ा(निसं)। मानव दया अभियान के तहत राजस्थान जनमंच द्वारा अंतिम छोर पर खड़े निर्धन गरीब झुग्गी झोपड़ी में निवासरत परिवारों को 5 किलो आटे के कट्टे 90 परिवारों की महिला मुखिया को राजस्थान जन मंच अध्यक्ष भाजपा नेता कैलाश सोनी, समाजसेवी कमल सोनी द्वारा काशीपुरी रोड पर निशुल्क वितरित किए।

विदित रहे कि पिछले 5 वर्षों से लगातार प्रत्येक महीने की अमावस को आटे के कट्टे वितरित किए जा रहे है इस दौरान अब तक 27500 किलो आटा का वितरण किया जा चुका है।

नाम परिवर्तन

मैं, संदीप अरोड़ा, पुत्र स्वर्गीय श्री भगत सिंह, निवासी 70/18, सेक्टर-7, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थानने अपना नाम संदीप अरोड़ा कुकरेजा से बदलकर संदीप अरोड़ा कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय... उपखण्ड अधिकारी...
स्थान...किशनगढ रेनवाल
प्रहलाद वगै. विरूद्ध कैलाशचन्द वगै.
वाद बाबत तकासमा व स्थाथी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 34/2026

नाम पूजा पुत्री सुरजाराम अहीर, विमलादेवी पत्नी जगदीश प्रसाद मीणा, कालूराम पुत्र भीवाराम मीणा, रेखा पुत्री छाजूराम माता छोटी देवी मीणा निवासी लालासर तहसील कि0 रेनवाल, ज्योति पुत्री सांवताराम नाबालिक जरिये संरक्षण माता रतनीदेवी मीणा निवासी लालासर तहसील कि0 रेनवाल, पिंकी देवी पत्नी विनोद, देवांशी पुत्री विनोद, प्रशान्त पुत्र विनोद निवासी लालासर तहसील कि0 रेनवाल, विनोद पुत्री बनवारीलाल मीणा, सीमा पुत्री बनवारीलाल मीणा निवासी लालासर तहसील कि0 रेनवाल, कोयली पुत्री स्व0 रामू जाति मीणा निवासी लालासार तहसील कि0 रेनवाल जिला जयपुर विरूद्ध वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 13/11/26 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान् प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सुची मे प्रविष्टि करे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह नोटिस ता. 3010/26 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ रेनवाल

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक-4
श्रीमान् अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, खाजूवाला
इजराय 24/2024
आगामी तारीख 23.11.2026
रेवन्तराम विरूद्ध पेमाराम वगैरह
डिक्री निष्पादन हेतु आवेदन पत्र
(आदेश 21 नियम 11 सीपीसी)

प्रेषित :- पेमाराम पुत्र तेजाराम निवासी मूंथडा तहसील सुजानगढ जिला चुरू ।
प्रार्थी ने इस न्यायालय में संलग्न आवेदन प्रस्तुत किया कि क्यों ना प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जावें। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप रेवंतराम पुत्र कल्याणराम निवासी 465 हैड तहसील छत्तरगढ जिला बीकानेर उस आवेदन डिक्री निष्पादन हेतु आवेदन पत्र (आदेश 21 नियम 11 सीपीसी) के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 23.11.2026 को 10.30 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जायेगा। अगर आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति न्यायालय में दिनांक 23.11.2026 को प्रस्तुत कर सकते है।
यह आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
खाजूवाला

कायस्थ समाज ने चित्रगुप्त जयंती मनाई

जोधपुर । कायस्थ समाज के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त की जयंती बुधवार को शहर में भाई दूज के अवसर पर धूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य में समाज की तरफ से शोभायात्राएं निकाली गई। शोभायात्राओं में सामाजिक जागरूकता एवं जनहित के विभिन्न संदेशों पर आधारित आकर्षक झांकियां शामिल हुई। चौपासनी कायस्थ समाज विकास संस्थान की ओर से भाई दूज पर भगवान चित्रगुप्त की 21वीं शोभायात्रा निकाली गई। सुबह गुरु प्रकाशानंद महाराज के मुख्य आतिथ्य में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 17 सेक्टर स्थित कायस्थ सामुदायिक भवन में समाज के सैकड़ों लोगों ने भगवान चित्रगुप्त की आरती कर 2101 कलम-दवात की पूजा की। बाद में उन कलम का प्रसादी के रूप में वितरण किया। पूजा के बाद अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा विभिन्न सेक्टरों से होते हुए दोपहर में वापस कायस्थ सामुदायिक भवन आकर विसर्जित हुई। उसके बाद यहां पर पूरे समाज के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में ट्रैक्टरों में समाज के 55 बच्चों ने शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, सरस्वती, काला गोरा भैरव, फौजी, नवदूर्गा, शिवाजी, रामदेव सहित अनेक झांकी बने। शोभायात्रा का कायस्थ बंधुओं ने पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज की मातृ शक्ति भी शामिल हुईं।

अधिकारियों की अनदेखी से बदहाल हुई जीवनदायिनी नहरें

पावटा। किसानों और आमजन के लिए जीवनदायिनी मानी जाने वाली नहरें आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही हैं। जिन नहरों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचता था और किसानों की फसलें लहलहाती थीं, वही नहरें अब कचरा डालने का ठिकाना बनती जा रही हैं। अधिकारियों की कथित अनदेखी और नियमित सफाई के अभाव में नहरों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। कई स्थानों पर नहरों में कचरे का ढेर जमा होने से वे डंपिंग यार्ड जैसी नजर आने लगी हैं।

नहरों में जगह-जगह प्लास्टिक, घरेलू कचरा और अन्य अपशिष्ट जमा होने से पानी के प्रवाह पर भी असर पड़ने की आशंका है। समय पर सफाई नहीं होने से गंदगी बढ़ती जा रही है। वहीं, नहरों के आसपास फैल रही अव्यवस्था से पर्यावरण और आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी परेशानी खड़ी हो सकती है।

नहरें कृषि व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके माध्यम से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होता है, लेकिन वर्तमान स्थिति देखकर इनके रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यदि समय रहते सफाई और देखरेख नहीं की गई तो नहरों की उपयोगिता प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से नियमित सफाई और निगरानी को लेकर प्रभावी कदम नजर नहीं आ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जीवनदायिनी नहरों को डंपिंग यार्ड बनने से रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? आखिर नियमित सफाई और कचरा डालने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से नहरों की तत्काल सफाई करवाने, कचरा डालने पर रोक लगाने और नियमित निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी कब जागते हैं और नहरों को उनकी पुरानी उपयोगिता वापस दिलाने के लिए कदम उठाते हैं ।



नहरों में कचरा डालने से डपिंग यार्ड बन गई।

> ■ **पानी की जगह कचरे का अंबार, नहरें बनी डंपिंग यार्ड**
> ■ **कभी खेतों की प्यास बुझाने वाली नहरें आज कचरा डालने का ठिकाना बनीं, सफाई और रखरखाव के अभाव में अस्तित्व पर संकट**

प्रत्याशियों को प्रशिक्षण

अजमेर । राजस्थान में जिला परिषद चुनाव के बाद अब जिला प्रमुख के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। अजमेर में भाजपा ने अपने जिला परिषद सदस्य पद के प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय में एकत्र करना शुरू कर दिया है। इसे जिला प्रमुख चुनाव से पहले पार्टी की रणनीतिक तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि भाजपा पदाधिकारियों ने इसे बाड़ेबंदी मानने से इनकार करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम बताया है।

भाजपा के देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापति ने बताया कि पार्टी के सभी प्रत्याशियों को प्रशिक्षण के लिए एकत्र किया गया है। उन्हें भाजपा की रीति-नीति और संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिला प्रमुख का चुनाव होने तक प्रत्याशियों को पार्टी की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई बाड़ेबंदी नहीं है। वहीं, जिला प्रमुख चुनाव में मतदान करने वाले विजयी जिला परिषद सदस्यों को आगे कहां रखा जाएगा, इसका निर्णय प्रदेश स्तर पर लिया जाएगा। पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार ही आगामी रणनीति तय होगी। दूसरी ओर, कांग्रेस ने अभी अपने जिला परिषद प्रत्याशियों को एकत्र नहीं किया है। कांग्रेस के देहात जिलाध्यक्ष एवं किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने बताया कि दीपावली का त्योहार अभी समाप्त हुआ है।



ओम बिरला का स्वागत

कोटा, (निसं)। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर जवाहर मार्केट एसोसिएशन की ओर से व्यापारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। दीपक राजानी के नेतृत्व में मार्केट के व्यापारियों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया। इस दौरान बाजार में दीपावली के उल्लास और उत्सव का माहौल देखने को मिला।

दिवाली की रात्रि के बाद से महिला लापता

टोंक। नासिरदा थाना के गांव गोविंदपुरा ढाणी दलवासा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के लापता होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराकर बताया कि उसकी पत्नी को देवली थाना क्षेत्र के डाबरखुर्द निवासी एक युवक ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित पति का आरोप है कि महिला घर से करीब एक लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात भी अपने साथ ले गई।

पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार घटना 8 नवंबर की रात की है। उस दिन परिवार में दिवाली पर लक्ष्मी पूजन किया गया था, पूजा के बाद परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। रात करीब एक बजे तक सब कुछ सामान्य था, इसके बाद करीब दो बजे जब परिजनों की नींद खुली तो महिला घर पर नहीं मिली।

परिजनों ने पहले घर और आसपास के इलाके में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पति ने पत्नी के लापता होने की रिपोर्ट नासिरदा थाने में दर्ज करवाई। पति ने बताया कि 7 नवंबर को उसने अपनी पत्नी को उक्त युवक से फोन पर बात करते हुए देखा था, इस पर उसने युवक को समझाया भी था।

'अलवर राजीव गांधी सामान्य अस्पताल में बनेगी आधुनिक आई विंग'

अलवर। राजीव गांधी सामान्य अस्पताल में मरीजों को आधुनिक नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अस्पताल परिसर में आधुनिक आई विंग का निर्माण कराया जाएगा। मेटसो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कार्यक्रम प्रोजेक्ट जीवन ज्योति के तहत इस परियोजना का निर्माण कराएगी। बुधवार को वन मंत्री संजय शर्मा और नगर निगम महापौर सुमनलता अग्रवाल ने विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

- **प्रोजेक्ट जीवन ज्योति के तहत होने वाला यह निर्माण अलवर की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और आमजन को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है**



वन मंत्री संजय शर्मा और महापौर सुमनलता अग्रवाल ने अस्पताल में जीवन ज्योति के तहत बनने वाले आधुनिक विंग का भूमि पूजन किया।

नई आई विंग के निर्माण से अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित आसपास के इलाकों से आने वाले मरीजों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। आंखों की जांच और उपचार के लिए मरीजों को जयपुर या अन्य बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता कम होगी। उन्हें अलवर में ही आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य जरूरतमंद और आमजन को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल में नेत्र विभाग के विस्तार से आंखों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की जांच और उपचार की सुविधाओं में वृद्धि होगी। इससे मरीजों को समय पर उपचार मिलने के साथ ही बेहतर चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

दीपावली पर भी अंधेरे में डूबी कॉलोनी

फुलेरा। दीपावली जैसे रोशनी के पर्व पर भी फुलेरा की एक कॉलोनी अंधेरे में डूबी हुई है। पिछले आठ दिनों से गली की रोड लाइट खराब पड़ी है, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदारों की ओर से कोई समाधान नहीं

- **आठ दिन से खराब पड़ी रोड लाइट**

किया जा रहा है। स्थानीय वार्ड नं 20 श्याम नगर स्थित स्थानीय दुकानदार हैप्पी माथुर ने नाराजगी जताते हुए बताया कि रोड लाइट ठीक करवाने के लिए जब संबंधित कर्मचारियों से संपर्क किया जाता है तो कोई एक-दूसरे के पास भेज देता है। वहीं दूसरी ओर नगरपालिका के लाइट व्यवस्था ठेकेदार को कई बार फोन नहीं उठाया जाता।

कभी फोन उठ भी जाए तो सुबह लाइट ठीक करवाने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अगले दिन फिर फोन का जवाब नहीं मिलता। साथ ही माथुर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से फुलेरा में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में गलियों में अंधेरा रहना सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है। बार-बार प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

सार-समाचार

ऊंट पर सवार होकर पंचायत कार्यालय पहुंचे सरपंच रायका



दूदू। दूदू पंचायत समिति के अधीन नवसृजित ग्राम पंचायत मरवा के नवनिर्वाचित सरपंच ओमप्रकाश रायका ने अनूठे अंदाज में पदभार ग्रहण किया। वे ऊंट पर सवार होकर गाजे-बाजे के साथ पंचायत कार्यालय पहुंचे। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर पंचायत कार्यालय में सरपंच पद का कार्यभार संभाला। सरपंच रायका की जीत क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसकी खास वजह यह है कि गांव में उनकी स्वजाति के महज चार परिवार हैं, जबकि अन्य मतदाता अलग-अलग जातियों से आते हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों ने जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर उन पर भरोसा जताया और सरपंच पद की जिम्मेदारी सौंपी।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आज

फुलेरा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (-2027) के तहत विधानसभा क्षेत्र फुलेरा की ड्राफ्ट मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन 12 नवंबर को किया जाएगा। इस संबंध में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपखंड अधिकारी की ओर से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पत्र जारी कर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। जारी पत्र के अनुसार 12 नवंबर 2026 को प्रातः 11 बजे निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एवं उपखंड अधिकारी कार्यालय, सांभरलेक में बैठक आयोजित होगी।

भक्तों ने अन्नकूट की पंगत प्रसादी जीमी

नरैना(निसं)। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर कस्बे के विभिन्न मंदिरों में ठाकुरजी को बाजरा-मूंग-चावल, आंवले से निर्मित औषधीय गुणों से परिपूर्ण काली कढ़ी सहित अन्य व्यंजनों का भोग लगाकर भक्तों को पंगत प्रसादी ग्रहण करवाई गई। रघुनाथ जी मंदिर पुजारी रघुनंदन-कैलाशचंद-कृष्णकांत दाधीच ने बताया कि अन्नकूट के अवसर पर ठाकुरजी का मनोरम श्रंगार कर अन्नकूट भोग आरती के पश्चात उपस्थित सैंकड़ों भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। वहीं चारभुजा नाथ व लक्ष्मीनाथ मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी सैंकड़ों भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की।

आचार्य वर्धमान सागर को श्रीफल भेंट

टोंक। आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सीकर में चल रहे चातुर्मास के दौरान टोंक से पहुचे जैन समाज के श्रद्धालुओं ने एकजुट होकर आचार्य के दर्शन एवं मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य को शीतकालीन प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर टोंक पधारने का भावपूर्ण मंगल निवेदन किया गया है। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने आचार्य के सानिध्य को समाज के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, धर्म प्रभावना एवं मंगल प्रेरणा का स्रोत बताते हुए शीतकालीन प्रवास की मंगल भावना व्यक्त की।

नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

शाहपुरा। युवा कांग्रेस जयपुर ग्रामीण के महासचिव महेन्द्र गुर्जर के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर आरके ग्रुप के अध्यक्ष रोहिताश भड़ाना, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ एवं जयपुर ग्रामीण सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा, एडवोकेट मुकेश कुमार सैनी, एडवोकेट विजय सैनी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, नेताओं, साथियों एवं कार्यकर्ताओं ने महेन्द्र गुर्जर को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दी।

धूमधाम से मनाया अन्नकूट महोत्सव

दूदू। सावरदा ग्राम स्थित जुगल महाराज मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के महंत पंडित शर्मा के सानिध्य में सुबह 4 बजे भगवान की आरती कर आकर्षक झांकी सजाई गई। इस दौरान कार्तिक मास में स्नान करने वाली महिलाओं ने भजन-कीर्तन कर मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया तथा महाआरती के बाद पंगत प्रसादी शुरू हुई।

नहरों को खोले जाने मांग

बौंली बामनवास। सवाईमाधोपुर एवं दौसा जिले के अनेकों गांवों की सैकड़ो एकड कृषि भूमि की फसलों को पानी उपलब्ध कराने वाले मोरेल डैम की नहरों को खोले जाने मांग को लेकर जल संसाधन विभाग एवं संबंधित अधिकारीयों को क्षेत्र के किसानों ने पत्रभेजा है। गांव विकास समिति की सदस्य एडवोकेट मंजू कुमारी मीणा बरनाला एवं किसान संघ के जिला अध्यक्ष कांजी मीणा ने बताया कि रबी की फसल बुवाई बाद अब सरसों की फसल को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है।

जरीना बानो का माला पहनाकर स्वागत

जमवारामगढ़। पंचायत समिति के वार्ड नंबर 03 से प्रत्याशी जरीना बानो पत्नी शकील शाह ताला को जनसंपर्क के दौरान लोगों का समर्थन मिल रहा है। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों एवं महिलाओं ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों से मुलाकात कर जरीना बानो ने अपने विकास के एजेंडे और आगामी योजनाओं को साझा किया।

जरीना बानो ने कहा कि यदि उन्हें वार्ड की सेवा का अवसर मिलता है तो क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने के साथ सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेंगी। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की पहल करने की बात कही। साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने, जहां बिजली की व्यवस्था नहीं है वहां लाइट लगवाने और वार्ड में आवश्यक विकास कार्य करवाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वार्ड का सर्वांगीण विकास, महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा है की वार्ड नंबर 03 में जरीना बानो का जनसंपर्क, जगह-जगह माला पहनाकर स्वागत किया।

टोरडा ब्राह्मणान गांव में आधी रात को भीषण आग

पावटा। ग्राम पंचायत टोरडा ब्राह्मणान के पटवार हल्का पांडाला में मंगलवार रात आगजनी की घटना से एक गरीब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने विक्रम बुनकर पुत्र भागीराम बलाई के आवासीय मकान एवं पशुबाड़े को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला और घर में रखा रोजमर्रा की जरूरत का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलने पर सरपंच सहित ठाामीण मौके पर पहुंचे। ठाामीणों के अनुसार आग से पीड़ित परिवार का घरेलू सामान, खाने-पीने की सामठी, अनाज, बिस्तर और पशुओं के लिए रखा चारा पूरी तरह नष्ट हो गया। वहीं मकान के छप्पर में खड़ी एक मोटरसाइकिल और एक साइकिल भी आग की भेंट चढ़ गई। देखते ही देखते परिवार की वर्षों की जमा-पूंजी और जरूरत का सामान राख में तब्दील हो गया। आगजनी की घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने खाने-पीने और दैनिक जरूरतों का संकट खड़ा हो गया। ऐसे मुश्किल समय में गांव के लोगों ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए आधी रात को ही आपसी सहयोग से पीड़ित परिवार के लिए भोजन, पानी और आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था की। ग्रामीणों के इस सहयोग से संकट की घड़ी में परिवार को राहत मिली। आगजनी में एक मोटरसाइकिल, एक साइकिल, करीब पांच जोड़ी बिस्तर, सात कट्टे अनाज, लगभग पांच मन पशुचारा सहित अन्य घरेलू सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचकर हल्का पटवारी महेश स्वामी द्वारा मौका रिपोर्ट तैयार की गई। इस दौरान सरपंच धर्मेंद्र डबास, ग्राम विकास अधिकारी कुंदन प्रजापत सहित बड़ी संख्या में ठाामीण मौजूद रहे। ठाामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को हुए नुकसान का उचित आकलन करवाकर शीघ्र आर्थिक सहायता एवं सरकारी राहत उपलब्ध करवाने की मांग की है, ताकि संकट से जूझ रहे परिवार को दोबारा अपना जीवन पटरी पर लाने में मदद मिल सके।

- **मकान और पशुबाड़े में लगी आग से मची अफरा-तफरी, मोटरसाइकिल, साइकिल, अनाज, बिस्तर और पशुचारा भी जला, ग्रामीणों ने आधी रात को पीड़ित परिवार की मदद की**

छात्रावास की दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य शीघ्र

कोटपूतली। कस्बे के टापरी रोड स्थित मेघवाल महिला छात्रावास में मेघवाल विकास समिति कोटपूतली की मासिक बैठक समिति अध्यक्ष मदनलाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें छात्रावास के विकास और निर्माण से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर अहम निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान महिला छात्रावास की दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए गठित निर्माण समिति ने ठेकेदार के साथ हुए इकरारनामे की शर्तों को पढ़कर सुनाया। सदन में मौजूद सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने सर्वसम्मति से इन शर्तों का अनुमोदन किया। इसके साथ ही निर्मित हो चुकी प्रथम मंजिल के रंग-रोगन और अन्य शेष बचे कार्यों को जल्द पूरा करवाने का निर्णय लिया गया। समिति ने निर्णय लिया कि छात्रावास की प्रथम मंजिल का लोकार्पण आगामी दिसंबर माह के तीसरे सप्ताह में भव्य रूप से करवाया जाएगा। इस दौरान डॉ. डी. आर. रैवाला ने छात्रावास के मुख्य द्वार पर चैनल गेट लगवाने के लिए समिति को 25 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया, । बैठक में जिलाध्यक्ष एड. सुबेसिंह मोरोडिया, आर.एस. झांझरिया, रतिराम जीलोवा, सत्यपाल सिंह जीलोवा व चिरंजीलाल आर्य सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अलवर सेंट्रल जेल में दूध-छाछ लेने के दौरान दो गुट भिड़े

अलवर। अलवर सेंट्रल जेल में जेल कैंटीन पर दूध-छाछ लेने के दौरान बंदियों के दो गुटों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बंदियों ने एक-दूसरे पर दूध-छाछ की खाली कैरेट, कुर्सी और डंडों से हमला कर दिया। घटना में दोनों पक्षों के कई बंदियों के चोटिल होने की बात सामने आई है। मामले में खास बात यह है कि झगड़े के बाद दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग शिकायतें दी गईं, जिनके आधार पर कोतवाली थाने में क्रॉस मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

पहली रिपोर्ट बंदी धर्मेंद्र सिंह की ओर से दी गई है। रिपोर्ट में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8 बजे वह नियमानुसार जेल कैंटीन पर दूध-छाछ लेने गया था। इसी दौरान बंदी पवन पुत्र रामनिवास, सतवीर पुत्र नत्थूराम, अमित पुत्र सुनील, अनिल पुत्र बनवारी और सुक्कन उर्फ शंकराराम ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने दूध-छाछ की खाली कैरेट से मारपीट की। धर्मेंद्र के बचाव में बंदी सत्यप्रकाश, जयंत और चेतन पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। बाद में जेल प्रशासन ने बीच-बचाव कर बंदियों को अलग कराया।

वहीं दूसरी रिपोर्ट बंदी पवन गुर्जर, अमित कुमार और अनिल की ओर से दी गई है। इसमें बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच वे दूध-छाछ लेने के लिए कैंटीन की लाइन में लगे थे। इसी दौरान वहां विवाद हो गया। आरोप है कि बंदी धर्मा, पवन, सचिन, काली, राहुल, दीपक, प्रवीण, मुन्ना, जयंत, सत्यप्रकाश, बाबूलाल और गौरव सहित अन्य बंदियों ने कुर्सियों, कैरेट और डंडों से उन पर हमला कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, हमले में पवन के सिर और हाथ में, अमित के सिर और हाथ में तथा अनिल के हाथ में चोट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया गया।दोनों पक्षों की शिकायतें जेल प्रशासन के माध्यम से कोतवाली थाने पहुंचीं। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट के आधार पर अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर लिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- **कई बंदियों के चोटिल होने की सूचना**
- **रिपोर्ट के अनुसार, हमले में पवन के सिर और हाथ में, अमित के सिर और हाथ में तथा अनिल के हाथ में चोट आई**

दौसा में भाजपा-कांग्रेस की बाड़ाबंदी में जुटी

दौसा। दीपोत्सव पूर्ण होने के साथ ही भाजपा एवं कांग्रेस ने जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों की बाडा बंदी शुरु कर दी है। इधर जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के मतों की गणना 20 नवंबर को होगी तथा जिला प्रमुख एवं प्रधान के चुनाव 25 नवंबर को होगें। कांग्रेस से जिला प्रमुख पद के लिए दो एवं भाजपा से एक प्रत्याशी चुनावी मैदान मे है। कांठोस एवं भाजपा नेता भीतरघात लेकर चिंतित नजर आ रहे है। उल्लेखनीय है कि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के मतों की गणना 20 नवंबर को हागी। इधर पांच दिवसीय दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने के साथ ही कांठोस एवं भाजपा ने सदस्यों की बाडाबंदी शुरु कर दी है। बताया जाता है कि भाजपा एवं कांठोस ने बागी एवं निर्दलीय प्रत्याशियों को भी बाडाबंदी में शामिल करने का निर्णय लिया है। इधर कांठोस के जिला परिषद सदस्यों की बाडाबंदी के लिए दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा एवं पूर्व केबिनेट मंत्री ममता भूपेश ने कमान संभाल रखी है। वही दूसरी ओर भाजपा ने बाडाबंदी के लिए वर्तमान विधायको के साथ-साथ संभावित जिला प्रमुख के दावेदारो को कमान सौंप रखी है।जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यो के मतदान के बाद कांग्रेस जीत को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही है। वही दूसरी ओर भाजपा जोड़तोड़ की गणित में लगी हुई है। नगर परिषद चुनाव में मिली करारी हार के बाद भाजपा नेता फूंक-फूंककर कदम रख रही है तथा केबिनेट मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा से लगातार सम्पर्क बनाये हुये है। बताया जाता है कि कांठोस 2002 से लगातार जिला प्रमुख पद पर काबिज है, भाजपा एक अदद जीत की तलाश में है। दौसा जिला गठन होने के बाद 1995-98 तक डॉ. किरोडीलाल मीणा भाजपा से पहले जिला प्रमुख निर्वाचित हुये थे। इसके बाद वर्ष 1998 से 2000 तक भाजपा के सतीश शर्मा, वर्ष 2000 से 2002 तक भाजपा के पूर्व विधायक जियालाल बंशीवाल जिला प्रमुख पद पर आसीन रहे। कांठोस का खाता विनोद कुमार शर्मा ने खोला इसके बाद वर्ष 2002 से 2005 तक कांग्रेस के महेन्द्र सांखला जिला प्रमुख रहे। वर्ष 2005 में कांग्रेस से कामेरी देवी, वर्ष 2010 में कांठोस के अजीतिसंह महवा, 2015 में कांग्रेस से गीता खटाना तथा वर्ष 2021 में कांग्रेस के हीरालाल सैनी निर्वाचित हुये है। पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने वर्ष 2005 में हुये पंचायत राज चुनाव में लालसोट विधानसभा क्षेत्र को प्रतिनिधित्व दिये जाने की मांग उठाई थी, जिसके चलते लालसोट विधानसभा क्षेत्र की कामेरी देवी मीणा जिला प्रमुख निर्वाचित हुई थी।

- **कांग्रेस से जिला प्रमुख पद के लिए दो एवं भाजपा से एक प्रत्याशी चुनावी मैदान में है।**

ग्राम पंचायत भोनावास के नवनिर्वाचित सरपंच सुरेंद्र कुमार शर्मा ने पदभार संभाला

पावटा। पंचायत समिति पावटा की ग्राम पंचायत भोनावास के नवनिर्वाचित सरपंच सुरेंद्र शर्मा ने पंचोत्सव के अंतिम दिन भैया दूज के पावन अवसर पर सुबह सवा 9 बजे विधिवत रूप से सरपंच पद का कार्यभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत परिसर में भव्य पदभार ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें ग्राम विकास अधिकारी भवरी देवी मीणा, कनिष्ठ एलडीसी राज कविता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और नवनिर्वाचित सरपंच का स्वागत किया। समारोह में सरपंच सुरेन्द्र शर्मा, उप सरपंच युवराज सिंह व अन्य पंच व ग्रामवासी महेन्द्र योगी, दिनेश सैनी, कृष्णा यादव, सतपाल सिंह, सावरलाल मीणा, श्रीराम, मान सिंह, बनारसी देवी, कैलाश, प्रेम कंवर, सुमन मीणा, निर्मला कुमावत, राजपुत इकाई अध्यक्ष कंवर पाल सिंह शेखावत, हरवीर सिंह, हिम्मत सिंह, बलवीर फोजी, सुरेश यादव, सतवीर योगी, महेन्द्र शर्मा, कैलाश कुमावत, भवानी सिंह (ठेकेदार), श्योपाल सिंह, भीम सिर, जगन शर्मा (महाराज), सेडु राम चौधरी, सुरेन्द्र अकरणीया, बुधराम सैन, रामपाल सिंह, राजवीर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



पावटा की ग्राम पंचायत भोनावास के नवनिर्वाचित सरपंच सुरेंद्र कुमार शर्मा ने पदभार संभाला।

पदभार ग्रहण करने के बाद नवनिर्वाचित सरपंच सुरेंद्र कुमार शर्मा ने ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वह सभी के आभारी हैं। उनका प्रयास रहेगा कि गांव में मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और विकास से जुडे कार्य करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि ठाामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और गांव का सर्वांगीण विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने गांव के विकास की प्राथमिकताओं को लेकर कहा कि गांव की सड़कों और नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, पेयजल व्यवस्था में सुधार, नियमित सफाई, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और जलभराव की समस्या का समाधान करवाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिणक सुविधाएं, आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। गांव में स्वच्छता अभियान को गति देने, सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण, जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, तालाबों एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण और आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का प्रयास रहेगा। युवाओं के लिए खेल मैदान और खेल सुविधाओं का विकास, महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर तथा जरूरतमंद परिवारों को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना भी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। सरपंच सुरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि पंचायत का विकास किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और प्रशासन के सामूहिक सहयोग से संभव है। उनका प्रयास रहेगा कि पंचायत के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक विकास कार्यों का लाभ पहुंचे तथा गांव को स्वच्छ, सुंदर, शिक्षित और सुविधायुक्त बनाया जाए।

- **सरपंच शर्मा ने कहा कि पंचायत का विकास किसी एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और प्रशासन के सामूहिक सहयोग से संभव है**

भैया दूज धूमधाम से मनाई

मनोहरपुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व भैया दूज क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। दीपावली के बाद आने वाले इस पर्व को लेकर सुबह से ही बहनों में खासा उत्साह देखने को मिला। बहनें सज-धजकर भाई के घर पहुंचीं और विधि-विधान से भैया दूज का त्योहार मनाया। भैया दूज पर बहन ने भाई को आसन पर बिठाया। थाली में रोली-अक्षत, मिठाई, फल और दीपक सजाकर भाई के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और भाई की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाई ने भी बहन को आशीर्वाद दिया और नेग के रूप में मिठाई, फल व उपहार भेंट किए। इस दौरान घर का माहौल पूरी तरह खुशियों से भर गया। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ बैठकर मिठाई खाई और एक-दूसरे को भैया दूज की शुभकामनाएं दीं। बहनों ने कहा कि भैया दूज सिर्फ तिलक का पर्व नहीं है, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत करने का पर्व है। क्षेत्र में कई जगह बहनों ने अपने भाइयों के घर जाकर तिलक किया, तो कई भाई अपनी बहनों के घर पहुंचकर उनसे तिलक करवाया। जो भाई-बहन दूर-दराज में रहते थे, उन्होंने मोबाइल पर वीडियो कॉल के जरिए भैया दूज मनाया एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

'अलवर नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक तुरंत बुलाई जाए'

अलवर। नगर निगम अलवर में महापौर का चुनाव हुए लगभग डेढ़ माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक नहीं बुलाई गई है। इस संबंध में कांठोस की महापौर प्रत्याशी श्रीमती कमलेश योगेश मिश्रा ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि जनरल बॉडी की बैठक तत्काल बुलाई जाए, ताकि शहर के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर निर्वाचित पार्षदों की उपस्थिति में चर्चा हो सके और आवश्यक प्रस्ताव पारित किए जा सकें।

श्रीमती मिश्रा ने कहा कि नगर निगम में प्रतिदिन विभिन्न विकास कार्यों पर बजट खर्च किया जा रहा है, लेकिन यह गंभीर सवाल है कि इन कार्यों और खर्चों से संबंधित प्रस्ताव नगर निगम बोर्ड की जनरल बॉडी की बैठक में कब और किस प्रकार पारित किए जा रहे हैं। नगर निगम जनता के टैक्स से संचालित संस्था है, इसलिए प्रत्येक खर्च और विकास कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम बोर्ड की जनरल बॉडी की बैठक नगर निगम की सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जिसमें सब से पहले सभी 65 वार्डो के पार्षद साथियों का आपसी परिचय होने के साथ साथ शहर के विकास, सफाई व्यवस्था में प्रत्येक वार्ड में सफाई कर्मियों (कच्चे एवं पक्को की) कितनी संख्या है?, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, अतिक्रमण और अन्य जनहित के मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाते हैं। बैठक नहीं होने के कारण अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सामूहिक चर्चा और निर्णय की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा असर अलवर शहर के विकास पर पड़ रहा है।

मिश्रा ने मांग की कि नगर निगम बोर्ड की जनरल बॉडी की बैठक शीघ्र आयोजित कर अब तक किए गए कार्यों और खर्चों का पूरा विवरण सदन के समक्ष रखा जाए तथा आगामी विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित किए जाएं, ताकि नगर निगम की कार्यप्रणाली पारदर्शी और जवाबदेह बन सके।

कमलेश योगेश मिश्रा ने कहा कि अलवर शहर का विकास किसी एक व्यक्ति या पद की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए नगर निगम बोर्ड की जनरल बॉडी की बैठक बुलाकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा और विकास कार्यों को गति देना अत्यंत आवश्यक है।



हेलो कप्तान, शायद रोहित ही अगले सीजन में मुंबई की कप्तान बन सकते हैं। रोहित मौजूदा समय में ना तो भारत के और ना ही मुंबई के कप्तान हैं। मैं मुंबई इंडियंस के लिए खेलता हूं और पांड्या की कप्तानी में टीम से जुड़े थे।

- मिचेल सैंटनर

न्यूजीलैंड कप्तान, रोहित की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर



भारतीय क्रिकेट की विरासत को सहेजने और खेल के इतिहास को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर अपने करियर के कुछ सबसे खास बल्ले और यादगार वस्तुएं मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को भेंट करेंगे। इनमें वे बल्ले भी शामिल हैं, जिनसे उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 100 शतक लगाए थे। इन सभी वस्तुओं को एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा। इस विशेष संग्रह का अनावरण 16 नवंबर 2026 को एक समारोह में होगा।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट में भारत का सबसे बड़ा स्कोर 418 रन है, जो टीम ने साल 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था।

बैठकों से खेल के भविष्य को आकार देने का महत्वपूर्ण अवसर मिलता है : जय शाह

बाली में शुरू हुई आईसीसी बोर्ड और समिति की बैठकें, क्रिकेट के भविष्य पर होगी चर्चा



बाली, 11 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की बोर्ड और समितियों की बैठकें बुधवार से इंडोनेशिया के बाली में शुरू हो गईं। 11 से 15 नवंबर तक चलने वाले इन बैठकों के कार्यक्रम में दुनिया भर से आईसीसी बोर्ड और समिति के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2026 की ये अंतिम बैठकें आईसीसी और आईबीसी बोर्ड की बैठकों के साथ संपन्न होंगी।

इन बैठकों में क्रिकेट के भविष्य, प्रतियोगिताओं, प्रारूपों, व्यावसायिक स्थिरता और खेल के वैश्विक विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आईसीसी की रणनीति के अनुरूप दुनिया भर में क्रिकेट के प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और खेल की लोकप्रियता को व्यापक बनाने के लिए सदस्य देशों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह और प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति की पहली सिफारिशों पर भी चर्चा होगी। इन दोनों समितियों का गठन जुलाई 2026 में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान किया गया था। बैठकों में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2027-29 और 2029-31 चक्र के मुकाबलों का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा 2028 से 2035 तक होने वाले आईसीसी के सभी प्रमुख पुरुष आयोजनों के आयोजन की समय-सीमा को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

अफगानिस्तान की शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए गठित कार्यबल भी विकास पथ कार्यक्रम के अगले चरणों से जुड़े प्रस्ताव आईसीसी बोर्ड के सामने रखेगा। इसके साथ ही आईसीसी की निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) मान्यता कार्यक्रम पर भी मुख्य कार्यकारी समिति और आईसीसी बोर्ड में विचार किया जाएगा। चार दिनों के इस कार्यक्रम के दौरान आईसीसी की आठ समितियों की बैठकें होंगी। इसके बाद आईसीसी और आईबीसी बोर्ड की बैठकें आयोजित की जाएंगी। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड और समितियों की बैठकें खेल के वैश्विक संचालन निकाय के रूप में आईसीसी की मजबूती को दर्शाती हैं। दुनिया भर के सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न निदेशकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को एक साथ लाने से विचारों के आदान-प्रदान, सहयोग को मजबूत करने और हमारे खेल के भविष्य को आकार देने का महत्वपूर्ण अवसर मिलता है। साझा दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से हम विश्व क्रिकेट के लिए अधिक मजबूत, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इंडोनेशिया क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अभिराम सिंह यादव ने कहा, इंडोनेशिया क्रिकेट संघ की ओर से मैं बाली में आईसीसी बोर्ड और समितियों की बैठकों की मेजबानी के लिए इंडोनेशिया पर भरोसा जताने के लिए जय शाह का आभार व्यक्त करता हूं। हमें वैश्विक क्रिकेट समुदाय का इंडोनेशिया में स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। हमारा मानना है कि यह अवसर हमारे खिलाड़ियों, समर्थकों और क्रिकेट में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं को प्रेरित करेगा।

रहमत ने रचा इतिहास, आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले पहले अफगानिस्तानी खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 11 नवंबर। अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग हासिल कर इतिहास रच दिया है। वह अफगानिस्तान के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने टेस्ट बल्लेबाजी या गेंदबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में जगह बनाई है। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में करियर का सर्वश्रेष्ठ 173 रन बनाने के बाद उन्हें यह उपलब्धि मिली। उनके अब 735 रेटिंग अंक हो गए हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में विकेटकीपर ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल शीर्ष 10 में शामिल भारतीय बल्लेबाज हैं। पंत (713 रेटिंग अंक) आठवें और गिल (697) दसवें नंबर पर हैं। ये दोनों नवीनतम सूची में एक पायदान नीचे खिसके हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम घोषित

// रविन्द्र, डफी, कॉनवे और ब्लंडेल की वापसी //

वेलिंगटन, 11 नवंबर। भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में जैकब डफी, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे और टॉम ब्लंडेल की वापसी हुई है। रविंद्र, कॉनवे, और ब्लंडेल चोट और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। रचिन रविंद्र को भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से पहले एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान दाएं कंधे में चोट लग गई थी। उनका कंधा अपनी जगह से खिसक गया था, जिसके कारण वह वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर रहे। वहीं, डेवोन कॉनवे शुरुआती वनडे से पहले लगी चोट के बाद उससे उबर रहे थे, जबकि टॉम ब्लंडेल जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान थे। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड को 2-1 से टेस्ट सीरीज हराने वाली न्यूजीलैंड टीम से बेन सीयर्स, जैक फॉल्क्स और विल ओरूर्क को बाहर रखा गया है। सीयर्स टखने और फॉल्क्स कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि ओरूर्क वापसी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। केन विलियमसन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के बीच में ही संन्यास ले लिया था। टॉम लैथम की कप्तानी वाली टीम में जैकब डफी की भी वापसी हुई है। भारत के खिलाफ यह टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड के नए बल्लेबाजी कोच बीएल वॉटलिंग के कार्यकाल की भी शुरुआत होगी। वह 16 नवंबर से अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, यह सीरीज ब्लैककैप्स के लिए टेस्ट क्रिकेट के एक रोमांचक घरेलू सत्र की शुरुआत है। मार्च तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले जाने हैं, इसलिए टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसकों के लिए मुकाबलों की कोई कमी नहीं होगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक दांव पर होंगे, लेकिन हमारा ध्यान भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने पर रहेगा। न्यूजीलैंड की टीम फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड दिसंबर-जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज होगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।



राजस्थान अंडर-16 टीम घोषित, 15 खिलाड़ियों को मिला मौका

आरसीए ने टीम के साथ सपोर्ट स्टाफ की भी घोषणा की, निरजीत सिंह सुरपुर होंगे मुख्य कोच

जयपुर, 11 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने आगामी लखनऊ में आयोजित विजय मर्चेंट क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम एवं सपोर्ट स्टाफ की घोषणा कर दी है। घोषित टीम में 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। टीम की कमान कोचिंग स्टाफ के रूप में निरजीत सिंह सुरपुर को मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। **राजस्थान टीम में शामिल खिलाड़ी:** आदित्य राज बड़सरा, अंजान्या शर्मा, दैविक सोमानी, हर्षित यादव, कुमार वासुदेव, लव्या गुप्ता, लवमीत गुर्जर, नमन यादव, निधिश राज, निलय अरोड़ा, सचिन मीणा, साहिल खान, सुशांत बसनेट, तविश शर्मा और वशिष्ठ शर्मा। **सपोर्ट स्टाफ:** निरजीत सिंह सुरपुर (हेड कोच), आबिद खान (कोच), दिलकांत सिंह माचरा (स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच), दिनेश बिश्नोई (मैनेजर), सुभाष महाला (वीडियो एनालिस्ट), विजय प्रकाश शर्मा (कोच) और अरविंद पलसानिया (फिजियो) को शामिल किया गया है।

रत्नगर में 13 से 15 तक होगी राज्य स्तरीय कॉर्फबॉल प्रतियोगिता

जयपुर, 11 नवंबर। राजस्थान कॉर्फबॉल संघ के तत्वावधान में 12वीं सीनियर राजस्थान राज्य स्तरीय कॉर्फबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 नवंबर तक चूरू जिले के रतनगढ़ स्थित नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेश के करीब 25 जिलों के 400 से 500 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। राजस्थान कॉर्फबॉल संघ के सचिव पारस राम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान आगामी सीनियर राष्ट्रीय कॉर्फबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम के खिलाड़ियों का चयन भी किया जाएगा। इसके लिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के साथ ही 14 नवंबर को रतनगढ़ में राजस्थान कॉर्फबॉल संघ की साधारण सभा की बैठक भी आयोजित होगी। बैठक में आगामी वर्ष में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के कैलेंडर पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों में कॉर्फबॉल खेल के विकास और विस्तार को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

पॉल रीफेल ने अंपायर के रूप में पूरे किए 100 वनडे, आईसीसी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 11 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने ऑस्ट्रेलिया के पॉल रीफेल को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंपायर के रूप में 100 मैच पूरे करने पर बधाई दी है। रीफेल ने मंगलवार को न्यूजीलैंड और भारत के बीच हैमिल्टन में खेले गए तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में मैदानी अंपायर की भूमिका निभाते हुए यह उपलब्धि हासिल की। रीफेल कम से कम 100 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदानी अंपायरिंग करने वाले दुनिया के 23वें अंपायर बन गए हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले छठे ऑस्ट्रेलियाई अंपायर हैं। उनसे पहले डैरिल हार्पर, साइमन टॉफिल, डैरेल हेयर, स्टीव डेविस और रॉड टकर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल का शेड्यूल हुआ कंफर्म, भारत-पाक के बीच हो सकता है महामुकाबला

नई दिल्ली, 11 नवंबर। अंडर19 एशिया कप 2026 इस वक्त ओमान में खेला जा रहा है। इस टूर्नामेंट में 8 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन अब सिर्फ चार टीमें ही आगे जाएंगी। 4 टीमों का सफर लीग फेज के बाद समाप्त हो गया है। इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाली टीमों में यूएई, नेपाल, श्रीलंका और मलेशिया की टीम शामिल है। वहीं, आगे जाने वाली टीमों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीम शामिल है। इन्हीं चार टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। ऐसे में जान लीजिए कि सेमीफाइनल में कौन कब किससे भिड़ेगा और क्या भारत और पाकिस्तान की टक्कर फिर से होगी?

सबसे पहले बात करते हैं अंडर 19 एशिया कप के सेमीफाइनल की तो ग्रुप ए से पाकिस्तान और भारत की टीम ने सेमीफाइनल का टिकट कटाया है, जबकि ग्रुप बी से अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने टॉप 4 में एंट्री की है। हालांकि, सेमीफाइनल मैच अलग-अलग ग्रुप वाली टीम से होंगे। ऐसे में इंडिया और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल में टक्कर नहीं होगी।

भारत को अफगानिस्तान और पाकिस्तान को बांग्लादेश से सेमीफाइनल में भिड़ना है। दोनों सेमीफाइनल मैच कल यानी गुरुवार 12 नवंबर को आयोजित होंगे। पहला सेमीफाइनल मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड के मिनिस्ट्री टर्फ 1 में खेला जाएगा, जबकि साथ में इंडिया और अफगानिस्तान के बीच टर्फ 2 में दूसरा सेमीफाइनल खेला जा रहा होगा। अगर पाकिस्तान ने बांग्लादेश और भारत ने अफगानिस्तान को हरा दिया तो फिर दोनों की टक्कर फाइनल मैच में भी हो सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच लीग फेज में मैच हुआ था, जो काफी रोमांचक था। उसमें पाकिस्तान को जीत मिली थी। ऐसे में अगर भारत और पाकिस्तान के बीच अंडर 19 एशिया कप 2026 का फाइनल यानी खिताबी मुकाबला खेला गया तो भारत चाहेगा कि पाकिस्तान को पटखनी दी जाए और खिताब अपने नाम करते हुए लीग फेज में मिली हार का बदला लिया जाए।

अंडर 19 एशिया कप 2026 का फाइनल मैच एक दिन के गैप के बाद आयोजित होगा। अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड के टर्फ 2 में फाइनल मैच का आयोजन होगा। लोकल टाइम के अनुसार सेमीफाइनल और फाइनल मैच सुबह 9 बजे शुरू होंगे, लेकिन उस समय भारत में सुबह के साढ़े 10 बज रहे होंगे। लीग फेज में पाकिस्तान ने अपने तीनों मैच जीते थे, जबकि भारत ने 3 में से दो मैचों में जीत दर्ज की थी। ग्रुप बी में अफगानिस्तान तीनों मैच जीतने में सफल हुआ था और बांग्लादेश ने 3 में से 2 मैच भारत की तरह जीते।

अंशुल आगामी टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का अहम हथियार : शास्त्री



नई दिल्ली, 11 नवंबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज का मंच पूरी तरह तैयार हो चुका है। दोनों देशों के बीच फिलहाल वनडे सीरीज खेली जा रही है, जिसके खत्म होने के ठीक बाद भारत और न्यूजीलैंड दो टेस्ट मैचों की सीरीज में आमने-सामने होंगे। पहला टेस्ट मुकाबला 19 नवंबर 2026 से शुरू होने वाला है। टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच पूर्व भारतीय मुख्य कोच और दिग्गज क्रिकेटर रवि शास्त्री ने युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज की जमकर सराहना की है और उन्हें आगामी टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का अहम हथियार बताया है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री ने स्टार गेंदबाज अंशुल कंबोज की जमकर तारीफ की। उन्होंने उम्मीद जताई कि टेस्ट सीरीज में अंशुल न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करेंगे। रवि शास्त्री ने कहा, "वह बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, जो अंशुल के लिए एक प्लस पॉइंट है। टेस्ट मैच या वनडे गेम के बीच के ओवरों में, आपको ऐसे गेंदबाजों की जरूरत होती है जो विकेट निकाल सकें। भारत अभी 2-0 से आगे है, तो इसका श्रेय अंशुल और गुरनूर बराड़ के प्रदर्शन को जाता है। आमतौर पर बीच के ओवरों में भारत विकेट लेने के लिए स्पिनरों का इस्तेमाल करता है, लेकिन इस बार तेज गेंदबाजों ने यह काम बखूबी किया है।" "न्यूजीलैंड जैसे देश में, टेस्ट क्रिकेट के दौरान आपको एक ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो लगातार मेहनत कर सके (वर्कहॉर्स)। मुझे लगता है कि अंशुल कंबोज ऐसे ही खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। वह आकर 15 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं और एक छोर को संभाल कर रख सकते हैं-खासकर तब, जब हालात मुश्किल हों, तेज हवाएं चल रही हों या ऐसी ही कोई और चुनौती हो।"

अनुष्का बनी इंडिया-ए टीम की कप्तान, मिन्नू मणि संभालेंगी मल्टी डे मैचों की कमान



नई दिल्ली, 11 नवंबर। इंग्लैंड ए की महिला टीम के भारत दौरे के लिए बीसीसीआई ने इंडिया ए की तीनों टीमों का ऐलान कर दिया है। टी20 और एकदिवसीय मुकाबलों में अनुष्का शर्मा भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि कई दिनों के मैच के लिए मिन्नू मणि को कप्तान बनाया गया है। इस दौरे पर भारत की युवा और उभरती खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों से पहले अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाली ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को तीनों टीमों में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। वहीं, अमनजोत कौर भी टी20 टीम का हिस्सा होंगी। चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 टीम में वापसी की थी।

भारत और इंग्लैंड ए के बीच सीरीज की शुरुआत 30 नवंबर से पुणे में होने वाले 3 टी20 मुकाबलों के साथ होगी। इसके बाद 8 दिसंबर से 3 एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। दौरे का आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा। यह 4 दिन का एकमात्र मैच होगा।

23 साल की अनुष्का शर्मा इस साल पहले भी इंग्लैंड ए और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए की टी20 टीम की कप्तानी कर चुकी हैं। सीमित ओवरों की दोनों टीमों में मिन्नू मणि को उपकप्तान बनाया गया है। वहीं, कई दिनों के मुकाबले में तेजल हसबनिस उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

टी20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, तनीषा सिंह, सानिका चालके, निकी प्रसाद, जी कमलिनी, शिप्रा गिरी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, मोनिका पटेल, काशवी गौतम।

वनडे के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, तनीषा सिंह, प्रिया पुनिया, निकी प्रसाद, जी कमलिनी, शिप्रा गिरी, तेजल हसब्निस, श्रेयंका पाटिल, अमीषा बहुकंदी, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, काशवी गौतम।

मल्टी-डे मैच के लिए भारत ए टीम: मिन्नू मणि (कप्तान), तेजल हसब्निस (उप-कप्तान), शुभा सतीश, प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, पूर्वजा वेलेंकर, हेनरीटा परेरा, शिप्रा गिरी, उमा छेत्री, श्रेयंका पाटिल, साइमा ठाकोर, अक्षिता भगत, अमीषा बहुकंदी, हैप्पी कुमारी, शबनम शकील।

हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े

नई दिल्ली, 11 नवंबर। टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले खिलाड़ियों के बड़े ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल होंगे, जबकि भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच यह बड़ा खिलाड़ी ट्रेड पूरा हो गया है। हार्दिक पांड्या के इस फैसले के साथ मुंबई इंडियंस के साथ उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ चार बार आईपीएल खिताब जीत चुके हैं। हार्दिक पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने खुद को लीग के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में स्थापित किया। मुंबई की खिताबी जीत में उन्होंने 2015, 2017, 2019 और 2020 में अहम योगदान दिया। हार्दिक ने अब तक 162 आईपीएल मैचों में 146.28 के स्ट्राइक रेट से 2,955 रन बनाए हैं और 82 विकेट भी हासिल किए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें एक अनुभवी और मैच जिताने वाले खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है।



डब्ल्यूटीए फाइनल्स : लिंडा नोस्कोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

इंडियन वेल्स, 11 नवंबर। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गॉफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।

नीरज ने विश्व चैम्पियनशिप में जीता कांस्य, भारत को ओलंपिक कोटा भी दिलाया



दोहा, 11 नवंबर। भारतीय निशानेबाज नीरज कुमार ने बुधवार को कतर के दोहा में आयोजित आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) में कांस्य पदक जीतकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में भारत के लिए लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 का कोटा भी हासिल किया। नीरज मुकाबले में शीर्ष दो स्थानों पर जगह बनाने की राह पर थे, लेकिन अंतिम निशाने पर 9.7 अंक हासिल करने के कारण उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उन्होंने कुल 346.5 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। चेक गणराज्य के पैट्रिक यानी 357.2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि स्वर्ण पदक रूस के दिमित्री पिमेनोव ने जीता। पिमेनोव ने 362.8 अंक हासिल करते हुए जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भारत के एक अन्य निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पांचवें स्थान पर रहे। वह भी ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब पहुंचे, लेकिन दूसरे स्थान पर रहे पैट्रिक यानी पहले ही एक अन्य स्पर्धा में कोटा हासिल कर चुके थे। इस कारण इस स्पर्धा का कोटा नीरज के नाम रहा। नीरज और ऐश्वर्य के संयुक्त प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इस स्पर्धा में टीम कांस्य पदक भी हासिल किया। भारत ने इससे पहले 2023 में बाकू में टीम स्वर्ण और 2022 में काहिरा में टीम कांस्य पदक जीता था।

पाकिस्तान-श्रीलंका दूसरा टेस्ट लाहौर से रावलपिंडी शिफ्ट

नई दिल्ली, 11 नवंबर। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट लाहौर से रावलपिंडी शिफ्ट कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मुकाबला 17 नवंबर से रावलपिंडी में ही खेला जाएगा, जहां दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट जारी है। वेन्यू शिफ्ट करने के पीछे की वजह मौसम है। लाहौर इन दिनों मौसमी स्मॉग की चपेट में है। 10 नवंबर को लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर था। हर साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच पाकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में स्मॉग की समस्या रहती है। खराब विजिबिलिटी के कारण ब्रॉडकास्टर्स ने लाहौर में मैच के लाइव प्रसारण की क्वॉलिटी को लेकर चिंता जताई थी। एयर क्वालिटी बिगड़ने के बाद ब्रॉडकास्टिंग टीम को लाहौर की यात्रा की तैयारी रोकने के लिए कहा गया था। इसके बाद ने मैच का वेन्यू बदलने का फैसला लिया।

शिलांग में 12 से 17 तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए राजस्थान सीनियर तीरंदाजी टीम रवाना



जयपुर, 11 नवंबर। मेघालय के शिलांग में 12 से 17 नवंबर तक आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए राजस्थान की टीम बुधवार को रवाना हुई। राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर टीम को रवाना किया।

इस बार राजस्थान तीरंदाजी संघ ने खिलाड़ियों को बड़ी सुविधा देते हुए पहली बार पूरी टीम के आने-जाने के हवाई टिकट की व्यवस्था की है। सभी खिलाड़ियों की हवाई यात्रा का पूरा खर्च संघ की ओर से वहन किया गया है। संघ अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह ने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना संघ की प्राथमिकता है। हवाई यात्रा की व्यवस्था से खिलाड़ियों का समय बचेगा और वे प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजस्थान की टीम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने में सफल रहेगी।

यह प्रतियोगिता राजस्थान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के दौरान आगामी राष्ट्रीय खेलों में भागीदारी के लिए टीम को अपना कोटा निर्धारित करने का अवसर मिलेगा। ऐसे में राजस्थान तीरंदाजी संघ ने खिलाड़ियों की बेहतर तैयारी और प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाई है।

राजस्थान टीम में शामिल खिलाड़ी: अभिलाषा यादव, अनुज भाम्भू, भारती, धृति शर्मा, हरप्रीत कौर, हर्षित, कल्पना रेगर, खुशी शर्मा, कुमकुम जांगिड़, महेश कुमावत, नरेंद्र जाट, नेहा वैष्णव, निक्की शर्मा, निशांत शेरावत, प्रद्युम्न यादव, प्रतिभा कंडारा, प्रिया गुर्जर, राहुल मीणा, शिवानी, वासु यादव, विकास यादव, विवेक कुमावत, यशवंत सैनी और युवराज वर्मा। **टीम के साथ प्रशिक्षक एवं अधिकारी:** अनिल जोशी, अर्जुन यादव और सोमेश (प्रशिक्षक), पूजा आचार्य (महिला प्रशिक्षक) तथा सुवीर देव नाथ (मैनेजर) भी टीम के साथ रवाना हुए।

मुख्यमंत्री ने जैसलमेर में बीएसएफ के जवानों के साथ भाई-दूज मनाया

उन्होंने कहा, देश को घुसपैठ मुक्त कराने के लिए स्मार्ट बॉर्डर की परिकल्पना साकार हो रही है

जैसलमेर/जयपुर, 11 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर परिसर में भाई-दूज समारोह में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की महिला जवानों से रक्षा सूत्र बंधवाकर और उनसे संवाद कर भाई-दूज पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाई-दूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से उन बहनों की भावनाओं को नमन, जिनके भाई परिवार से दूर रहकर सीमाओं की सुरक्षा का दायित्व निभा रहे हैं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तनोट माता मंदिर परिसर में बीएसएफ की महिला जवानों से रक्षा सूत्र बंधवाए और भाई-दूज की शुभकामनाएं दीं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर में बीएसएफ जवानों के साथ दीपावली और भाई दूज का त्योहार मनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की सशक्त प्रहरी है। दिन हो या रात, गर्मी हो या सर्दी, बीएसएफ के जवान सदैव सीमाओं पर मुस्तैद रहकर राष्ट्र की सुरक्षा करते हैं। हमारी बेटियां भी देश की सुरक्षा में अपनी क्षमता, साहस और समर्पण का परिचय दे रही हैं। बीएसएफ की महिला जवानों ने कठिन परिस्थितियों में साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से नई मिसाल कायम की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना और बीएसएफ के जवानों ने पराक्रम का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाओं तथा मजबूत समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्मार्ट बॉर्डर की परिकल्पना के अनुरूप, सीमा सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घुसपैठ की वजह से सीमांत क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहा है। ऐसे में, देश को घुसपैठ मुक्त बनाने के लिए एक मजबूत तंत्र का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में बॉर्डर पर आधारभूत संरचना के विकास के लिए आवंटित बजट में 400 प्रतिशत वृद्धि भी की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 के तहत बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और श्रीगंगानगर जिलों के 184 सीमावर्ती गांवों को विकास के लिए चयनित किया गया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विजय स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर राष्ट्र की सुरक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी, सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर के आईजी डॉ. विकास पाठक सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवान उपस्थित थे।

असम में ट्रेन के 5 डिब्बे पटरी से उतरे

गुवाहाटी, 11 नवंबर। असम के कामरूप में बुधवार सुबह करीब 6:54 बजे कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे में 50 पैसेंजर घायल हुए हैं। हालांकि रेलवे का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुताबिक, डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर लेने के दौरान लोको पायलट स्पीड कम नहीं कर सका, इससे ट्रेन डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई।

- पचास यात्री घायल।

हादसे के बाद रेलवे अधिकारी, कर्मचारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। यात्रियों के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था कर दी गई है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अनुसार, दिगारू स्टेशन पर इस ट्रेन को किसी दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के लिए रोका जा रहा था, तभी लोको पायलट ट्रेन की गति को नियंत्रित नहीं कर सका। इस वजह से हादसा हुआ।बता दें कि हादसे की वजह से ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनों को हादसे वाली जगह से पहले रोक दिया गया है।

मॉर्निंग वॉक में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निगरानी कर रहे हैं और जरूरी चिकित्सकीय जांच व उपचार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के कार्डियक विभाग में भर्ती कराया गया था।

करधनी में हिस्ट्रीशीटर की कुल्हाड़ी से हत्या

कैम्पर सवार हमलावरों ने टक्कर मारकर फॉर्च्यूनर रूकवाई फिर विजय बाजिया की बेरहमी से हत्या की

जयपुर, 11 नवम्बर। राजधानी जयपुर के करधनी थाना क्षेत्र में बुधवार रात आपसी रंजिश के चलते एक हिस्ट्रीशीटर की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

- पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों में किसी पुराने मामले को लेकर लंबे समय से विवाद व रंजिश चल रही थी। संभवतः इसीलिए योजनाबद्ध तरीके से विजय बाजिया की हत्या की गई।

जगदम्बा नगर में कैम्पर सवार चार से छह हमलावरों ने पहले टक्कर मारकर फॉर्च्यूनर गाड़ी रुकवाई और फिर उसमें सवार विजय बाजिया पर कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में विजय की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कैम्पर में सवार होकर फरार हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक विजय बाजिया जोबनेर का निवासी था और जोबनेर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। बुधवार रात करीब आठ बजे वह अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी से जोबनेर से जयपुर आ रहा था।

इसी दौरान जगदम्बा नगर में कैम्पर सवार बदमाशों ने उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर रोक लिया। विजय ने बचने के लिए गाड़ी से उतरकर भागने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों ने उसे घेर लिया और कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ वार किए। हमला इतना भीषण था कि कुछ ही मिनटों में विजय ने दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने वारदात का घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। हत्या की सूचना पर करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। आरोपियों की तलाश में ए-श्रेणी की नाकाबंदी करवाई गई है।

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों पक्षों के बीच किसी पुराने मामले को लेकर लंबे समय से विवाद और रंजिश होने की बात सामने आई है। आशंका है कि इसी कारण योजनाबद्ध तरीके से विजय को निशाना बनाया गया है।

'वायु प्रदूषण भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवसर और देखभाल जितना ही महत्वपूर्ण वह वातावरण भी है जिसमें बच्चा बड़ा होता है।

उन्होंने कहा, "पीएम 2.5 (पीएम2.5) में बेहद छोटे कण होते हैं, जिनका आकार इंसान के बाल की मोटाई का लगभग 40वां हिस्सा होता है। ये फेफड़ों से होते हुए खून में और यहां तक कि गर्भनाल तक पहुंच सकते हैं, जिससे बच्चे पर भी असर पड़ता है।

ये मां के रक्त संचार को भी प्रभावित करते हैं। इस तरह जन्म के समय ही बच्चे की स्थिति कमज़ोर हो सकती है। यह पाया गया है कि जिन इलाकों में गर्भवती महिलाएं वायु प्रदूषण के ऊंचे स्तर के संपर्क में रहती हैं, वहां समय से पहले प्रसव और कम वजन वाले बच्चों के जन्म लेने के मामले अधिक होते हैं।"

डॉ. स्वामीनाथन ने कहा कि जीवन के पहले तीन वर्षों में बच्चों का मस्तिष्क तेजी से विकसित होता है। इस दौरान उनके अंग भी विकसित हो रहे होते हैं और वे वयस्कों की तुलना में तेजी से सांस लेते हैं। इसलिए अत्यधिक प्रदूषित इलाकों में पलने-बढ़ने वाले बच्चों के फेफड़ों का आकार अपेक्षाकृत छोटा रह जाता है।

मदर डेयरी व अमूल ने दिल्ली में दूध के दाम बढ़ाये

नई दिल्ली, 11 नवंबर। दूध की आपूर्ति में कमी और खरीद लागत में बढ़ोतरी के बीच, मदर डेयरी और अमूल जैसे डेयरी ब्रांड 12 नवंबर से दूध की कीमतों में 2 से 6 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, अलग-अलग तरह के दूध की कीमतों में अलग-अलग बढ़ोतरी होगी। टोंड

- टोंड दूध में दो रुपये व फुल क्रीम भैंस के दूध में 6 रुपये की वृद्धि हुई।

दूध 2 रुपये प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध 4 रुपये प्रति लीटर और फुल क्रीम भैंस का दूध 6 रुपये प्रति लीटर महंगा हो जाएगा। मदर डेयरी डबल-टोंड दूध की कीमत भी 54 रुपये से बढ़ाकर 56 रुपये प्रति लीटर करेगी, जबकि गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़ कर 65 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हो रही है जब आमतौर पर फ्लश सीजन (वह समय जब दूध का उत्पादन और उपलब्धता बेहतर होती है) के दौरान दूध की कीमतें स्थिर रहती हैं। लेकिन, दूध की कमी के कारण पिछले कुछ महीनों में मिल्क फैट (दूध में मौजूद वसा) की कीमतों में भी लगभग 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे डेयरी उत्पादन की कुल लागत बढ़ गई है।

अमेरिकी रक्षा सचिव के खिलाफ महाभियोग खारिज

वाशिंगटन (अमेरिका), 11 नवंबर। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में मंगलवार को ग्रैंड ओल्ड पार्टी (रिपब्लिकन) प्रतिनिधि थॉमस मैसी का रक्षा सचिव (बदला पदनाम युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज हो गया। यह मुख्य रूप से ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर था। हाउस ने 211 के मुकाबले 204 वोटों से इस प्रस्ताव को न्यायपालिका समिति के पास भेजने का फैसला किया। इसी के साथ, इस प्रस्ताव ने अपना प्रभाव खो दिया।

- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने प्रस्ताव को न्याय पालिका समिति के पास भेजा।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मैसी अकेले ऐसे रिपब्लिकन हैं, जिन्होंने सभी डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इसके खिलाफ वोट दिया। मतदान के बाद मैसी ने कहा, "मुझे हैरानी नहीं हुई, लेकिन निराशा जरूर हुई। कांग्रेस के बारे में मेरा आकलन यह है कि ये लोग जानते हैं कि क्या करना चाहिए। बस वे ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते, भले ही ऐसा करने से उन्हें राजनीतिक फायदा ही क्यों न हो।"

केंटकी के रिपब्लिकन मैसी ने सोमवार को कहा था कि वे हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग का कोई और प्रस्ताव नहीं लाएंगे। इस साल की शुरुआत में प्राइमरी चुनाव हारने के बाद वे जनवरी की शुरुआत में रिटायर हो रहे हैं। डेमोक्रेट्स अभी भी इस मुद्दे को आगे बढ़ा सकते हैं, खासकर तब, जब जनवरी में दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) पर उनका नियंत्रण वापस आ जाएगा। हाउस में अल्पसंख्यक नेता (माइनॉरिटी लीडर) और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट हकीम जेफ़रीज ने कहा, "यह अंत नहीं है। यह तो बस शुरुआत है।"

मुकदमे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को फोरम शापिंग कहा जाता है। खंडपीठ ने कहा कि यह संभव है कि किसी मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र कई हाई कोर्ट के पास हो, खासकर बौद्धिक संपदा से जुड़े विवादों में। लेकिन, किसी खास तरह के विवाद की सुनवाई के लिए किसी विशेष हाई कोर्ट को अधिक उपयुक्त मानना पूरी तरह गलत और भ्रामक है।

होर्मुज़ व फारस की खाड़ी में दो जहाजों पर हमला

नई दिल्ली, 11 नवंबर। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। होर्मुज़ स्ट्रेट और फारस की खाड़ी में दो जहाजों को निशाना बनाया गया है। केन्द्रीय पत्तन, पोत, परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को बताया कि सऊदी अरब और लाइबेरिया के ध्वज वाले जहाजों पर हमला किया गया, जिन पर नौ भारतीय सवार थे। इनमें से एक घायल हुआ है।

- इन जहाजों पर नौ भारतीय सवार थे, जिनमें से एक घायल हुआ।

सोनोवाल की पोस्ट के अनुसार, सऊदी अरब का ध्वज लगे तेल टैंकर एन.सी.सी.-फज़्र को उस समय निशाना बनाया गया, जब वह होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहा था। इस पर तीन भारतीय सवार थे। उन्होंने बताया कि तीनों भारतीयों सहित, पूरा चालक दल सुरक्षित है। जबकि फारस की खाड़ी से गुजरते समय लाइबेरिया के ध्वज वाले वीएलसीसी (कच्चा तेल ले जाने वाले विशाल पोत) एमटी फुजैराह एनर्जी पर एक प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया। इसके चालक दल में छह भारतीय शामिल हैं।

इस हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हुए, जिनमें एक भारतीय नागरिक शामिल है।

उड़ान से पहले एयर इंडिया के कोलकाता- मुंबई विमान को हाईजैक की धमकी

सभी सुरक्षा जांचों के बाद यात्रियों की दुबारा बोर्डिंग करवाकर फ्लाइट भेजी गई

कोलकाता, 11 नवंबर। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से ठीक पहले एयर इंडिया के एक विमान से हाईजैक (विमान अपहरण) का अलर्ट जारी किया गया। यह घटना कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 772 में बुधवार सुबह हुई।

- विमान के उड़ान से ठीक पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाईजैक का संदेश भेजा। सभी एजेंसियां सर्तक हो गईं, यात्रियों को बाहर निकाला व विमान की सघन तलाशी ली गई।

सूत्रों के अनुसार, विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को हाईजैक का संदेश भेजा। यह अलर्ट मिलते ही हवाई अड्डा प्राधिकरण और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विमान को फौरन आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। सुरक्षाबलों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे विमान को घेर लिया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद विमान की सघन तलाशी शुरू की गई। इस घटना के कारण कोलकाता हवाई अड्डे पर यात्रियों के बीच काफी देर तक अफरातफरी और दहशत का माहौल रहा। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई जांच में विमान के अंदर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच पूरी होने के बाद विमान में यात्रियों की दोबारा बोर्डिंग शुरू कर दी गई है।

बुधवार शाम कोलकाता हवाई अड्डे के कॉरपोरेट संचार विभाग ने बयान जारी कर बताया कि सुरक्षाबलों और संबंधित एजेंसियों ने अपनी जांच पूरी कर ली है और विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। क्लीयरेंस मिलने के बाद, एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2772 में दोबारा बोर्डिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इससे पहले बुधवार सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर एअर इंडिया की इसी फ्लाइट के शौचालय में केबिन क्रू को हाईजैक की धमकी वाला एक नोट मिला था। कोलकाता से मुंबई जाने वाले इस विमान में कुल 105 यात्री सवार थे। धमकी भरा पर्चा मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को आपातकालीन संदेश भेजा। इसके बाद हवाई अड्डा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं।

गौरतलब है कि कोलकाता हवाई अड्डे पर पिछले कुछ समय में सुरक्षा से जुड़ी यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते अक्टूबर महीने में भी यहां लगातार दो दिनों तक बम की अफवाह से दहशत फैली थी। तब भी विमान के शौचालय से ही धमकी भरी चिट्ठी बरामद हुई थी।

ईरान ने अपनी भूमिगत "मिसाइल सिटी" दुनिया को दिखाई

तेहरान, 08 नवंबर। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने एक नए भूमिगत 'मिसाइल सिटी' का अनावरण किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस भूमिगत ठिकाने में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उनके प्रक्षेपण तंत्र भी रखे गए हैं।

समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के अनुसार, इस सुविधा के अनावरण के दौरान, ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दोल्लाही और आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल माजिद मूसवी मौजूद रहे। हालांकि, रिपोर्ट में इस भूमिगत ठिकाने के स्थान और वहां मौजूद मिसाइलों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है।

- यहां बैलिस्टिक व क्रूज़ मिसाइल के साथ उनके प्रक्षेपण तंत्र भी रखे हैं।

आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल होसैन मोहेब्बी ने हाल ही में कहा था कि मिसाइलों और ड्रोन के निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाओं को भूमिगत किया जाएगा।

ईरानी मीडिया की रिपोर्ट में नए 'मिसाइल सिटी' की क्षमता, निर्माण और संचालन से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

ईरान परमाणु भंडार अपने पास रखेगा, होर्मुज़ खोलने के लिये 7 शर्तें रखीं

ईरान ने कहा कि शर्तों पर अमेरिका से स्पष्ट जवाब के बाद ही कोई वार्ता होगी

नई दिल्ली, 11 नवंबर। ईरान ने अपनी संवर्धित परमाणु सामग्री विदेश भेजने की संभावना पूरी तरह खारिज कर दी है। सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मेजर जनरल मोहसेन रेजाई ने कहा कि ईरान अपना पूरा परमाणु भंडार अपने पास रखेगा और इसका इस्तेमाल घरेलू जरूरतों के लिए करेगा। उन्होंने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार करते हुए कहा कि तेहरान ने वाशिंगटन के सामने सात शर्तें रखी हैं। इनके पूरा होने तक होर्मुज़ जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। इस बीच रूस ने ईरान के समर्थन और युद्ध समाप्त कराने में मदद की पेशकश की है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई के बजाय, आर्थिक दबाव बढ़ाने का विकल्प चुना है।

- रूस ने ईरान के समर्थन व युद्ध समाप्त कराने के लिये मदद की पेशकश की। दूसरी ओर अमेरिका ने सैन्य कार्यवाही के बजाय आर्थिक दबाव बढ़ाने का विकल्प चुना।

रेजाई ने कहा कि ईरान फिलहाल अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं कर रहा है। भविष्य में कूटनीतिक वार्ता के लिए तेहरान ने सात शर्तें रखी हैं और वह वाशिंगटन के स्पष्ट जवाब का इंतजार कर रहा है। उन्होंने अमेरिकी प्रतिक्रिया को अस्पष्ट और धोखाधड़ी भरा बताया। "अल जजीरा" के अनुसार, ईरान की मांगों में आर्थिक प्रतिबंध हटाना, अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करना, जब्त संपत्तियां बहाल करना और क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति कम करना शामिल है। विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने पहले कहा था कि शर्तें स्वीकार होने पर 48 घंटे के भीतर जहाजों की आवाजाही शुरू हो सकती है।

रेजाई ने स्पष्ट किया कि ईरान की सातों शर्तें पूरी होने तक होर्मुज़ जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि ये शर्तें ईरानी राष्ट्र के अधिकारों से जुड़ी हैं। तेहरान इन्हें लागू किए बिना अमेरिका के साथ किसी समझौते या बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

रेजाई के मुताबिक, ईरान अपनी संवर्धित परमाणु सामग्री का इस्तेमाल परमाणु ऊर्जा से चलने वाले जहाजों और पनडुब्बियों के विकास में करना चाहता है। इसके अलावा, भविष्य में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) आधारित बिजली संयंत्र बनाने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि जब इन परियोजनाओं के लिए सामग्री की जरूरत है, तो ईरान इसे विदेश क्यों भेजेगा। उन्होंने यह भी बताया कि रूस को इस फैसले से अवगत करा दिया गया है।

'इंडिया ब्लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार गठबंधन को छोड़ने के मौके की तलाश में थे।

जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इस घटनाक्रम को लोगों को गुमराह करने की रणनीति के तहत पेश किया है।

उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा, "इंडिया गठबंधन के संदर्भ में सोनिया गांधी की किताब में नीतीश कुमार का जिस तरह उल्लेख किया गया है, उससे जद (यू) को गहरी पीड़ा हुई है। हमारा मानना है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के शिल्पकार और उसे आगे बढ़ाने वाली प्रमुख ताकत थे। फिलहाल इस गठबंधन का नेतृत्व सोनिया गांधी और राहुल गांधी कर रहे हैं।"

'राहुल और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ कुछ अनहोनी होने का विचार ही बेहद डरावना था। बाद में, जब हम अपने कमरे में अकेले थे, तो मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी।" उन्होंने बताया कि उनकी सास ने उन्हें समझाया कि खतरा वास्तविक था और इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत थी। राजीव गांधी ने उस समय सरकार के लिए संभावित अपहरण के राजनीतिक परिणामों पर भी विचार किया, क्योंकि उस दौर में राजनीतिक स्थिति काफी तनावपूर्ण थी। सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा में लिखा, "बच्चों की सुरक्षा स्वाभाविक रूप से हमारे लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण थी, लेकिन हमें इस बात पर भी विचार करना था कि अगर कोई अनहोनी होती है, तो उसके कितने विनाशकारी राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। वे (राजीव गांधी) ऐसा नहीं होने दे सकते थे कि उनकी माँ, जो प्रधानमंत्री थीं, को मजबूर करके या किसी परिजन को बंधक बनाकर कोई उनसे अपनी मांगें मनवाए।"

एनसीपी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अजित पवार की मौत के बाद भी इस विषय पर बातचीत जारी रही थी। हालांकि, शुरुआती बयान के तीन दिन के भीतर ही तटकरे विलय का फैसला पहले से हो जाने के संकेतों से पीछे हटते नज़र आए। उन्होंने कहा कि इस बारे में अंतिम निर्णय सुनेत्रा पवार और शरद पवार ही लेंगे।

मध्यावधि चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहस से जुड़े हुए हैं। रणनीतिक संबंध केवल किसी एक प्रशासन पर निर्भर नहीं होते। रक्षा, महत्वपूर्ण तकनीकों, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को दोनों ही पार्टियों का समर्थन हासिल है, क्योंकि चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर दोनों की चिंताएं एक जैसी हैं। कांग्रेस की ओर से होने वाली जांच-पड़ताल, स्थिर साझेदारियों के महत्व को और मजबूत कर सकती है। भारत को डेमोक्रेटिक नेताओं, संसदीय समितियों के अध्यक्षों और सांसदों के साथ भी उतनी ही सक्रियता से संपर्क बनाए रखना होगा, जितनी सक्रियता से उसने वाइट हाउस और रिपब्लिकन सहयोगियों के साथ अपने संबंध बनाए हैं।

राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ चुके ट्रंप विदेशों में अपनी ताकत अधिक आक्रामक ढंग से दिखाने की कोशिश कर सकते हैं, जबकि कांग्रेस अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की लागत और उसके उद्देश्यों पर सवाल उठा सकती है। ईरान के साथ युद्ध ने ऊर्जा बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। अगर युद्ध और बढ़ता है, तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं और समुद्री परिवहन तथा बीमा की लागत भी बढ़ सकती है।

मध्यावधि चुनावों के नतीजे भारत-अमेरिका संबंधों पर कोई जनमत संग्रह नहीं हैं और न ही इसका मतलब यह है कि नई दिल्ली के प्रति वॉशिंगटन की नीति में कोई बदलाव होने वाला है। यह इस बात की याद दिलाता है कि अमेरिकी राजनीति उन परिस्थितियों को बदलती रहती है, जिनमें कूटनीति काम करती है। भारत को व्यक्तिगत संबंधों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता से बचना चाहिए, अपनी आर्थिक साझेदारियों का दायरा बढ़ाना चाहिए और दोनों प्रमुख अमेरिकी दलों (रिपब्लिकन और डैमोक्रैट) के बीच मजबूत समर्थन हासिल करना चाहिए। रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक पहुँच उतनी ही मायने रखेगी, जितनी कि शीर्ष स्तर की कूटनीति।

योगी आदित्यनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतिशबाजी में हिस्सा लिया था।

आदित्यनाथ ने लोगों से प्रदूषण को लेकर चिंता नहीं करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर प्रदूषण होता भी है, तो वह धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

त्योहारों के दौरान प्रदूषण को लेकर चिंता जताने वालों पर एक बार फिर निशाना साधते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा लगता है कि लोगों को प्रदूषण की याद तभी आती है, जब दूसरे लोग त्योहार मनाते हैं और खुशियां मनाते हैं।

ईडी ने आजम खान से पूछताछ के लिये 7 दिन की रिमांड मांगी

लखनऊ, 11 नवंबर। जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े धनशोधन मामले में पूर्व मंत्री आजम खान से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को गाजियाबाद कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। ईडी ने गाजियाबाद स्थित विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) न्यायालय में आजम खान की सात दिन की कस्टडी रिमांड के लिए अर्जी दाखिल कर दी। एजेंसी अदालत से अनुमति मिलने पर उन्हें लखनऊ या दिल्ली स्थित अपने जोनल कार्यालय लाकर पूछताछ करना चाहती है। रिमांड अर्जी पर गुरुवार को सुनवाई होने की संभावना है। ईडी की पूछताछ का मुख्य केन्द्र जौहर ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन, विश्वविद्यालय के निर्माण में खर्च हुई रकम के स्रोत और शत्रु संपत्तियों पर कथित कब्जे से जुड़े मामले होंगे। एजेंसी यह भी जानना चाहती है कि ट्रस्ट को मिले धन का इस्तेमाल किन कार्यों में हुआ और इसमें किन लोगों की भूमिका रही।

- गाज़ियाबाद की अदालत में रिमांड अर्जी पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908